www.anantgyaan.in

अनंत ज्ञान

करे हर सीमा पार

सूर्योदय 7:13	सूर्यास्त 5:52	
आज का तापमान		
शिमला	3.00 न्यू	13.08 अधि
धर्मशाला	5.02 न्यू	17.00 अधि
बाजार		
सेंसेक्स		71423.65
निफ्टी		21571.80
सोना 63,970	चांदी 75,500	

धर्मशाला | मंगलवार, 23 जनवरी 2024 | 10 माघ, विक्रमी संवत 2080 वर्ष 1, अंक 36 कुल पृष्ठ 16 मूल्य : 5 रुपए |

माथे पर तिलक और मधुर मुस्कान, आभामंडल ऐसा, निहारते रहे इंसान...पेज 16

संतान सुख प्रदान करता है भौम प्रदोष व्रत

प्रदोष व्रत भगवान शिव की प्रसन्नता के लिए किया जाता है। प्रत्येक मास के शुक्ल पक्ष एवं कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी के दिन प्रदोष व्रत का पालन किया जाता है। यदि यह तिथि मंगलवार को आए तो उसे भौम प्रदोष व्रत कहा जाता है। प्रदोष व्रत की महिमा सभी अत्यंत प्रभावशाली है। प्रदोष व्रत के नाम से अनेक कथाएं प्रचलित हैं, जिसमें से एक कथा अनुसार, चंद्रमा को जब श्राप वश क्षय रोग होता है, तब इसके कारण चंद्रमा की रोशनी (प्रकाश) का नाश होने लगता है। ऐसे में चंद्र देव भगवान शिव की भक्ति करते हैं और इनसे अपने कष्ट को दूर करने की प्रार्थना करते हैं। भगवान शिव, चंद्रमा की भक्ति से प्रसन्न होकर उनके कष्ट का निवारण करके उन्हें श्राप से मुक्ति प्रदान करते हैं और जिस दिन चंद्रमा को इस कष्ट से मुक्ति प्राप्त होती है, वह त्रयोदशी तिथि का समय होता है। भगवान शिव ने त्रयोदशी के दिन चंद्रमा को पुनः जीवन अर्थात उनका प्रकाश प्रदान किया, इसलिए इस दिन को प्रदोष कहा जाने लगा। यह सभी दोषों का नाश करता है।

प्रदोष व्रत पूजा विधि

प्रदोष व्रत को करने वालों को द्वादशी की रात्रि से ही शुद्धता, सात्विकता एवं ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए। अगले दिन त्रयोदशी तिथि को प्रातःकाल स्नान आदि से निवृत्त होकर भगवान शिव का ध्यान, जलाभिषेक करना चाहिए। उसके पश्चात सूर्यास्त के बाद स्नान करके और शुभ मुहूर्त में भगवान शिव का विधि विधान के साथ पूजन करना चाहिए।

मंगलदोष दूर करता है यह व्रत

मंगलवार के दिन प्रदोष व्रत का आगमन संतान के सुख को देने वाला और मंगल दोष से उत्पन्न कष्टों की निवृत्ति प्रदान करने वाला होता है। इस दिन व्रत रखने पर स्वास्थ्य संबंधी कष्ट दूर होते हैं। क्रोध की शांति होती है और धैर्य साहस की प्राप्ति होती है। प्रदोष व्रत विधिपूर्वक करने से आर्थिक घाटे से मुक्ति मिलती है। कर्ज से यदि परेशानी है तो वह भी समाप्त होती है। रक्त से संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं से मुक्ति के लिए भौम प्रदोष व्रत अत्यंत लाभदायक होता है।

मोक्ष का मार्ग प्रशस्त करता है माघ स्नान

माघ स्नान 25 जनवरी से आरंभ होकर 24 फरवरी तक होगा। माघ मास में दान पुण्य और उत्सवों का अधिक महत्व है। माघ मास में सर्दियों की कड़कड़ाती सुबह में भी श्रद्धालु भक्त माघ स्नान करते हैं। गंगा, यमुना इत्यादि पवित्र नदियों में आस्था की डुबकी लगाते हैं। उनकी यही आस्था और विश्वास में उनके लिए मोक्ष का मार्ग प्रश्स्त करती है। जीवन की उस यात्रा पर उनके पथ को प्रकाशित भी करती है।

यही उन भक्तों की आस्था है जो उन्हें माघ के कठोर मौसम में भी इतनी शक्ति और बल प्रदान करती है। माघ मास के मध्य एकादशी, बसंत पंचमी, मौनी अमावस्या, तिल चतुर्थी और गुप्त नवरात्रि इत्यादि अत्यंत महत्वपूर्ण दिवस भी आते हैं, जिन पर स्नान करने का बहुत महत्व है। मान्यता है कि त्रिदेवों के साथ अन्य देवता भी इस माघ मास के आने पर प्रयाग के संगम स्थल पर आते हैं और निवास भी करते हैं। माघ मास में तीन बार संगम के स्थल पर स्नान करने से व्यक्ति को हजारों अश्वमेध यज्ञ को करने के समान ही पुण्ष प्राप्त होता है। षटतिला एकादशी और जया एकादशी के दिन पूजन स्नान एवं दान करने से व्यक्ति को विष्णु लोक की प्राप्ति होती है।

तिल का दान देता है मोक्ष

तिल दान का महत्व भी इस दौरान अत्यंत फलदायी और पापों का नाश करने वाला होता है। इस दिन योग्य ब्राह्मणों को तिल का दान किया जाता है। तिल से संबंधित भोजन को गरीबों में बांटना भी उत्तम माना गया है। तिल के दान को पाप नाश करने वाला माना गया है। व्यक्ति को अपने पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

करें पौष पूर्णिमा व्रत और बनें सौभाग्यवती

मोक्षदायिनी पौष मास की पूर्णिमा को बहुत ही शुभ माना जाता है। पूर्णिमा के दिन श्रीविष्णु का पूजन कर भगवान सत्यनारायण की कथा करनी चाहिए। पौष पूर्णिमा को किया गया दान और पुण्य उत्तम लोक प्रदान करता है। इसके साथ ही गंगा स्नान करने से समस्त कष्टों का नाश होता है और पुण्य की प्राप्ति होती है। पौष पूर्णिमा को श्रीविष्णु की पूजा में केले के पत्ते व फल, पंचामृत, सुपारी, पान, तिल, मोली, रोली, कुमकुम, दूर्वा का उपयोग किया जाता है। सत्यनारायण की पूजा के लिए दूध, शहद, केला, गंगाजल, तुलसी पत्ता, मेवा मिलाकर पंचामृत तैयार किया जाता है। सत्य-नारायण की कथा के बाद आरती की जाती है और चरणामृत लेकर प्रसाद बांटा जाता है।

पौष पूर्णिमा की कथा...

संतान को मिलता है दीर्घायु का आशीर्वाद, ब्राह्मण को चंडी माता ने दिया है वरदान

प्राचीन काल में सुखों से परिपूर्ण कातिका नामक एक नगरी थी। उस नगर का राजा चंद्रहास था। नगर में एक धनेश्वर नाम का ब्राह्मण रहता था। ब्राह्मण की पत्नी भी धर्म कर्म में निपुण थी। दोनों सुखपूर्वक रहते थे, लेकिन उनके कोई संतान नहीं थी। एक समय की बात है कि उस नगर में एक महान योगी आते हैं और सब घरों से भिक्षा लेकर जीवन व्यतीत करते हैं, लेकिन ब्राह्मण दंपती के घर से कुछ भी नहीं लेते थे। ब्राह्मण दंपती को जब इस बात का पता चला तो उन्होंने योगी से इसका कारण पूछा। इस पर योगी ने कहा कि तुम्हारे कोई संतान नहीं है, ऐसे में हम योगी उस व्यक्ति से कुछ नहीं लेते हैं जिनके संतान न हो।

ब्राह्मण योगी के चरणों में गिरकर संतान प्राप्ति का उपाय पूछा। योगी ने उन्हें देवी चंडी की आराधना करने को कहा। ब्राह्मण साधना के लिए वन की ओर चल पड़ता है। चंडी की उपासना के सोलहवें दिन सपने में माता उसे संतान प्राप्ति का आशीर्वाद देती है और कहती है कि बच्चा केवल सोलह वर्ष तक ही जीवित रह पाएगा। ब्राह्मण देवी से अपने पुत्र की लंबी आयु के लिए प्रार्थना करता है, तब देवी उन्हें कहती है। यदि तुम दोनों पति-पत्नी बत्तीस पूर्णमासियों का व्रत करते हो तो तुम लोगों को संतान की दीर्घायु का आशीर्वाद प्राप्त हो सकता है। इस प्रकार धनेश्वर और उसकी पत्नी ने बत्तीस पूर्णिमाओं का व्रत किए। इस व्रत के प्रभाव से उन्हें संतान का सुख प्राप्त हुआ और संतान को लंबी आयु भी प्राप्त हुई। जो भी स्त्री पुरुष इस व्रत को करते हैं उन्हें संतान का सुख और सौभाग्य की प्राप्त होती है। जो भी स्त्रियां इस व्रत को करती हैं, वे उन्हें वैधव्य का दुख नहीं झेलना पड़ता है। सदैव सौभाग्यवती होने का सुख पाती हैं। पौष पूर्णिमा से एक माह तक गंगा-यमुना स्नान का बहुत महत्व है।

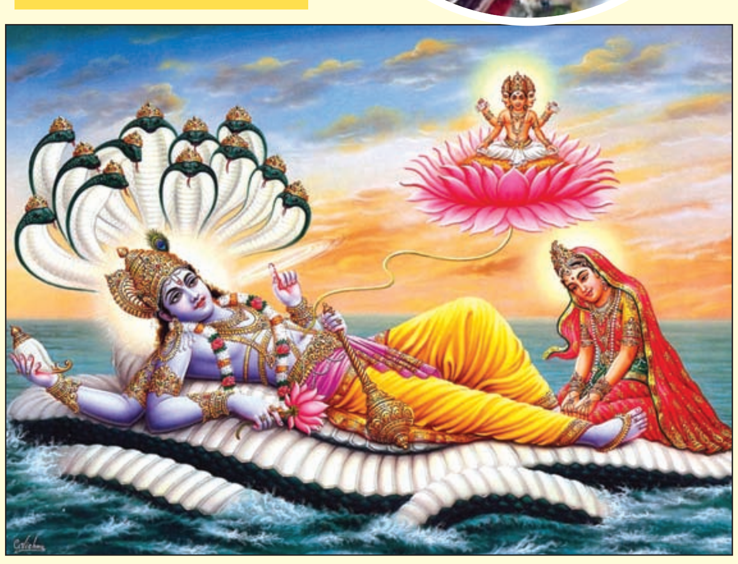

ग्रहों का खेल

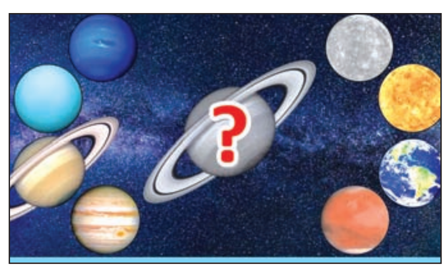

ज्योतिष एक ऐसा माध्यम है, जिसके द्वारा हम व्यक्ति के जीवन की सारी बातों का विश्लेषण करते हैं। वह चाहे वर्तमान की हो, भविष्य की हो या भूतकाल की। भारतीय संस्कृति में एकल विवाह का ही प्रचलन है, परंतु पश्चिमी सभ्यता के परिवेश से आजकल प्रेम विवाह हो रहे हैं। पहले दिल जुड़ते हैं बाद में विवाह संपन्न हो जाता है। यह सब ग्रहों का खेल है। आइए ग्रहों के माध्यम से जानने का प्रयास करें। जन्मांग में लग्रेश लग्न को पूर्ण दृष्टि से देख रहा है। लग्न पूर्ण बली है।

जातक की आकृति-प्रकृति माता पर है। इसलिए नाना के अनुवांशिक गुण रहेंगे। नवम भाव का स्वामी गुरुसप्तम भाव में है। नवमेश गुरु की पंचमेश सूर्य पर दृष्टि है एवं पंचमेश सूर्य एकादश भाव में स्थित है। पंचमेश प्रेम संबंधों का कारक एवं एकादश भाव का संबंध इच्छापूर्ति से है। सप्तम भाव का संबंध विवाह से है। इसलिए जातक का विपरीत लिंग से दिल जुड़ गया। अंततः प्रेम विवाह संपन्न हो गया। अप्रैल 2007 में शुक्र महादशा में बुध की अंतरदशा चल रही थी। बुध और शुक्र की दशम भाव में पूर्ति होने के कारण बुध ने शुक्र का फल दिया। शुक्र सप्तमेश भी है यूं भी विवाह का कारक है। विवाह समय शनि सप्तमेश से सप्तम भाव में गोचर कर रहा था। दंपती सुखमय जीवनव्यतीत कर रहे हैं।

- विभूति शर्मा, भडियाड़ा।

टोटके

नमक और फिटकरी डालकर लगाएं पोछा

अगर वास्तु दोष की वजह से आपका बुरा हाल हो गया है, तो वीरवार को छोड़कर रोजाना पानी में नमक और फिटकरी मिलाकर पोछा लगाएं। इस उपाय को करने से वास्तु दोष दूर हो जाता है।

सपने में हो अपमान तो बढ़ेगी धन-संपत्ति

- जो व्यक्ति सपने में किसी भवन अथवा कमरे को अनेक रंगों के झंडों से सजा देखता है तो उसे व्यापार में लाभ होता है। यही सपना कोई विवाहित स्त्री देखे तो उसे दांपत्य जीवन का पूर्ण सुख मिलता है।
- यदि कोई व्यक्ति सपने में अपने किसी विरोधी आथवा प्रतियोगी से मित्रता या नाता जोड़ता है तो उसके व्यापार में वृद्धि होती है।
- यदि कोई व्यक्ति सपने में देखे कि उसके पैर में मोच आ गई है तो यह धन हानि का संकेत है।
- यदि कोई अपने आपको सपने में विज्ञापन पढ़ता देखे तो समृद्धि की प्राप्ति होती है। सपने में कोई अपने आपको अवैध संतान के रूप में देखता है तो उसको मान-प्रतिष्ठा की प्राप्ति होती है।
- यदि किसी को सपने में कोई धनी-मानी व्यक्ति अथवा उसके उच्च पदाधिकारी अपमानित करे तो उसकी धन-संपत्ति बढ़ती है।
- कोई पुरुष या स्त्री सपने में बच्चे का जन्म होते हुए देखे तो उसे समृद्धि प्राप्त होती है।

अंक शास्त्र के अनुसार गाड़ी और मोबाइल नंबर

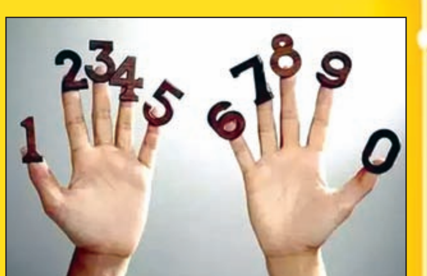

अंकशास्त्र में बहुत सी बातों का अध्ययन किया जाता है। इस विद्या का एक सीधा सा नियम है, जिसके अनुसार आपके नाम के अंकों का कुल जोड़ या आपकी जन्म तारीख के अंकों का कुल जोड़ आपकी किसी भी महत्वपूर्ण बात या घटना से अच्छा तालमेल बनाता है, तब वह आपके लिए अच्छे फल प्रदान करने वाली होगी अन्यथा शुभ फलों में कमी होगी। आज इस लेख के माध्यम से हम आपको आपकी गाड़ी का अंक और मोबाइल के अंक के बारे में बताने का प्रयास करेंगे।

ज्योतिष अंक के आधार पर गाड़ी का नंबर

आप गाड़ी खरीदते समय बहुत सी बातों का ध्यान रखते हैं। आप जब नई गाड़ी खरीदते हैं, तब आपकी गाड़ी आपको काफी परेशानी देती है। कभी उसमें कुछ खराबी हो गई, तो कभी कुछ। कई बार गाड़ी के रखरखाव पर सामान्य से अधिक पैसा खर्च होता है। बहुत बार ऐसा भी होता है कि आपकी गाड़ी के साथ टूट फूट कुछ ज्यादा बनी रहती है। आप बहुत परेशान हो जाते हैं कि क्या करें और क्या न करें। बहुत से लोग ऐसे भी हैं जिनकी गाड़ी कम पैसा खाती है और ज्यादा परेशानी भी नहीं देती है। उसके रखरखाव में भी कम खर्चा होता है। आपने कभी सोचा कि इसका क्या कारण हो सकता है। आप जब नई गाड़ी खरीदते हैं तब आप कुछ बातों पर यदि गौर फरमाएंगे तब आपको परेशानी नहीं उठानी पड़ेगी। आप अपने टेलेंट नंबर अथवा डेस्टिनी नंबर से गाड़ी के अंक को मिलाकर देख सकते हैं कि क्या वह आपस में सामंजस्य रखते हैं, यदि हां तब आपके लिए आपकी गाड़ी लाभदायक सिद्ध हो सकती है। आप गाड़ी के पूरे अंकों का जोड़ करें और अंतिम अंक को मिलाएं। गाड़ी के जो भी अल्फाबेट्स हैं उन्हें और गाड़ी की संख्याओं, सभी का जोड़ करें। अब जो अंक जोड़ अंक से मेल खाते हुए होंगे उन्हीं लोगों को आठ अंक वाली गाड़ी अनुकूल फल प्रदान करेगी।

चमत्कारिक होता है रमल ज्योतिष

ज्योतिष की अनेक शाखाओं-प्रशाखाओं में से रमल ज्योतिष भी एक है। महासती के वियोग से व्याकुल भगवान शिव के समक्ष महाभैरव ने चार बिंदु बना दिए और उनसे उसी में अपनी इच्छित प्रिया सती को खोजने के लिए कहा। विशेष विधान से उन्होंने इसे सिद्ध करके सातवें लोक में अपनी प्रियतमा को देखा। तभी से इस रेखा और बिन्दु शास्त्र का प्रादुर्भाव हुआ। एक बार एक व्यक्ति अरब के रेगिस्तान में चल रहा था, अंततः चलते-चलते थक गया। चारों ओर बालू ही बालू दिखाई देती थी। वह गंतव्य का मार्ग भूल गया और बड़ा चिंतित हुआ। तब साक्षात शक्ति ने आकर उसके सामने चार रेखा और चार बिंदु बना दिए। उसे एक ऐसी विधि बताई कि वह गंतव्य स्थान का मार्ग जान गया। वहीं से इस शास्त्र की उत्पत्ति हुई।

इसका जन्म भारत में ही हुआ। बहुत काल तक भारत में विकसित हुई यह विद्या दूर-दूर तक फैल गई और काल प्रभाव से यहां इसका महत्व कम हो गया। जब देश में मुसलमानों का शासन हुआ तो इसे राज्याश्रय प्राप्त हो गया। कारण, भारतीयों की तरह मुसलमान ज्योतिष विद्या के अन्य सूक्ष्म तत्वों को जानते नहीं थे। अतः उनके समय में इसका प्रचार अधिक हुआ। भारतवर्ष में भविष्य कथन जानने और समाधान के वास्ते अनेक विद्याओं का विद्वान समय-समय पर सहारा लिया करते हैं और ज्योतिष विज्ञान की अनेक शाखाएं भी वर्तमान में मौजूद हैं। इनमें रमल (अरबी ज्योतिष) यानी कि इल्म-ए-रमल एक सबसे महत्वपूर्ण, ज्योतिष जगत की जीती-जागती अनूठी, अतिशीघ्र समस्याओं का समाधान करने वाली पद्धति है जिसमें प्राणी मात्र प्रकृति (स्थावर और जंगम) का पूर्ण लेखा-जोखा किसी घटना विशेष से पूर्व, समय रहते हुए शोध कर खोजा जा सकता है।

बिना कुंडली के जानें भविष्य भगवान शिव ने भी इस विद्या से की थी अधूरी इच्छा पूरी

जन्मकुंडली जरूरी नहीं

रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र में प्रश्नककर्ता अर्थात याचक की जन्मकुंडली की कदापि आवश्यकता नहीं होती। यहां तक कि प्रश्नकर्ता का नाम, माता-पिता का नाम, घड़ी, दिन, वार, समय और तो और पंचांग की भी आवश्यकता नहीं होती है। प्रश्नकर्ता मात्र रमलाचार्य के पास अपने अभीष्ट प्रश्न के शुभ-अशुभ, लाभ-हानि, अमुक कार्य कब तक, किसके माध्यम से किस प्रकार होगा एवं अन्य तत्कालिक प्रश्न इत्यादि को मन-वचन और आंतरिक भावना से लेकर जाए क्योंकि किसी भी ज्योतिष शास्त्र में श्रद्धा और विश्वास का भाव प्रश्नकर्ता के मन में होना अति आवश्यक है। रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र में जीवन के प्रत्येक कठिन समस्या के मार्गदर्शन और समाधान अरबी पासा डालकर किए जाते हैं। पासे को अरबी भाषा में 'कुरा' कहते हैं। ये प्रश्नकर्ता के हाथ पर रख कर किसी विशेष स्थान पर डलवाए जाते हैं और उनसे प्राप्त हुई शक्ल (आकृति) का रमल ज्योतिषीय गणित के मुताबिक प्रस्तार अर्थात 'जायचा' बनाया जाता है। उस प्रस्तार के माध्यम से प्रश्नकर्ता के समस्त प्रश्नों का मार्गदर्शन समाधान गणित के द्वारा तत्काल ही प्राप्त होता रहता है। यह सारी प्रक्रिया प्रश्नकर्ता के रमलाचार्य के सम्मुख होने पर होती है। यदि प्रश्नकर्ता रमलाचार्य के सम्मुख न हो तो प्रश्नकर्ता के समस्त प्रश्नों का जवाब मय समाधान सहित 'प्रश्न फार्म' द्वारा किया जा सकता है जो वर्तमान काल में एक नवीन शोध द्वारा तैयार किया गया है। प्रश्न करने की दोनों पद्धतियों द्वारा प्राप्त परिणाम एक ही आता है। इनसे प्राप्त फलादेश में भिन्नता किसी प्रकार से कभी नहीं होती मगर गणितीय स्थिति पूर्णतः भिन्न अवश्य ही होती है।

प्रस्तार की रचना

रमल शास्त्र में पासा डालने के उपरांत प्रस्तार अर्थात 'जायचा' बनाया जाता है। प्रस्तार में 16 घर होते हैं। 13, 14, 15 और 16 पर गवाहन अर्थात साक्षी घर होते हैं। प्रस्तार के 1, 5, 7, 13 अग्नि तत्व के होते हैं। 2,6,10,14, 13, 7, 11, 15 घर जल तत्व के होते हैं।

सटीक फलादेश

आजकल भारतीय ज्योतिष द्वारा भविष्यकाल के जानने के वास्ते जन्मकुंडली कुछ लोगों के पास नहीं हैं या पूर्ण नहीं हैं तथा जिनके पास हैं भी तो पूर्ण रूप से सही नहीं हैं जिससे उनका फलादेश पूर्ण तथा सही घटित नहीं होता। इस कारण प्रश्नकर्ता पूर्ण मानसिक रूप से संतुष्ट नहीं होता और न ही उसे इच्छित लाभ प्राप्त होता है मगर रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र में जन्मकुंडली आदि की आवश्यकता नहीं होती है। रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र का फलादेश इनके मुकाबले काफी सटीक प्राप्त होता है।

धर्मशाला मंगलवार, 23 जनवरी 2024 | 10 माघ, विक्रमी संवत 2080 | वर्ष 1, अंक 36 | कुल पृष्ठ 16 | मूल्य : 5 रुपए | www.anantgyaan.in

अनंत ज्ञान

करे हर सीमा पार

अवध आए श्रीराम पूर्ण महा अनुष्ठान

प्राण प्रतिष्ठा के बाद देशभर में दीपोत्सव, आज से होंगे प्रभु के दर्शन

एजेंसी, अयोध्या

अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का विधान पूरा हो गया है। श्रीराम के प्रथम दर्शन हो गए हैं। इससे पहले मंदिर के गर्भगृह में मोदी पहुंचे और उन्होंने प्राण प्रतिष्ठा पूजा के लिए संकल्प लिया और फिर पूजा शुरू की। पीएम ने ही रामलला की आंख से पट्टी खोली और कमल का फूल लेकर पूजन किया।

रामलला पीतांबर से सुशोभित हैं। उन्होंने हाथों में धनुष-बाण धारण किया है। देश-विदेश से कई अतिथि पहुंचे हैं। पूजन के दौरान सेना के हेलिकॉप्टर से अयोध्या में पुष्पवर्षा की गई। सोमवार सुबह समारोह की शुरुआत मंगल ध्वनि से हुई। सुबह 10 बजे से 18 राज्यों के 50 वाद्ययंत्र बजाए गए। प्राण प्रतिष्ठा के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंदिर बनाने वाले श्रमजीवियों से मुलाकात की। कुबेर टीला जाकर भगवान शिव का पूजन किया। वहीं, पूजन के दौरान सेना के हेलिकॉप्टर से अयोध्या में पुष्पवर्षा की गई। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने मंदिर बनाने वाले मजदूरों पर फूल बरसाए।

200 किलोग्राम मूर्ति का वजन

- ऊंचाई 4.24 फुट, जबकि चौड़ाई तीन फुट

मूर्ति की विशेषता

रामलला माथे पर तिलक लगाए बेहद सौम्य मुद्रा में दिख रहे हैं। आभूषण और वस्त्रों से सुसज्जित रामलला के चेहरे पर भक्तों का मन मोह लेने वाली मुस्कान दिखाई दे रही है। कानों में कुंडल तो पैरों में कड़े पहने हुए हैं। मूर्ति के नीचे आभामंडल में चारों भाइयों राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न की मूर्तियों की पूजा की गई है।

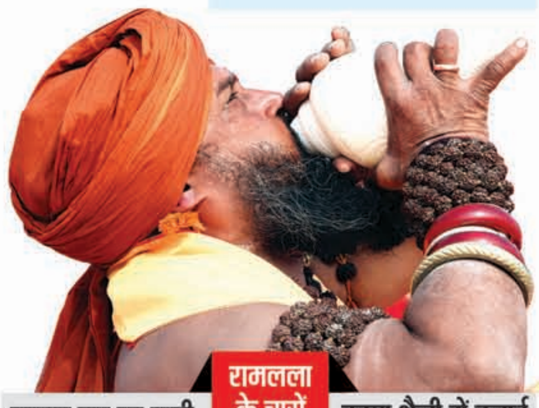

कमल दल पर खड़ी मुद्रा में मूर्ति, हाथ में तीर और धनुष

रामलला के चारों ओर आभामंडल

कृष्ण शैली में बनाई है मूर्ति, हजारों साल तक रहेगी सुरक्षित

- मूर्ति के ऊपर स्वास्तिक चक्र, गदा, सूर्य भगवान विराजमान।
- श्रीराम की भुजाएं घुटनों तक लंबी।
- मस्तक सुंदर, आंखें बड़ी और ललाट भव्य।
- भगवान राम का दाहिना हाथ आशीर्वाद की मुद्रा में।
- मूर्ति में भगवान विष्णु के 10 अवतार दिखाई दे रहे हैं।
- मूर्ति के नीचे हनुमान जी और दूसरी तरफ गरुड़ जी।

- मूर्ति में पांच साल के बच्चे की बाल सुलभ कोमलता की झलक
- मूर्ति में बालत्व देवत्व और एक राजकुमार तीनों की छवि

84 सेकंड के मुहूर्त में श्रीरामलला की स्थापना

अयोध्या में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा सोमवार को पूरे विधि विधान के साथ पूरी हुई। 84 सेकंड के मुहूर्त में श्रीरामलला की स्थापना की गई। मोदी बतौर मुख्य यजमान हल्के पीले रंग की धोती और कुर्ता पहनकर 12 बजे मंदिर परिसर में पहुंचे। उनके हाथ में एक थाल था, जिसमें श्रीरामलला का चांदी का छत्र था। संकल्प के साथ प्राण प्रतिष्ठा की विधि 12:05 बजे शुरू हुई, जो एक घंटे से ज्यादा समय तक चली।

पीएम ने चंवर डुलाया

पीएम ने भगवान की आरती कर चंवर डुलाया। मुख्य पुजारी सत्येंद्र दास से कलावा बंधवाया और उनके पैर छुए। इसके बाद उन्होंने श्रीरामलला की परिक्रमा की और साष्टांग प्रणाम किया। उन्होंने राम जन्मभूमि न्यास के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास के भी पैर छुए। प्रधानमंत्री ने श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले 11 दिन के अनुष्ठान के दौरान उपवास, जप और गाय की पूजा की। पीएम 11 दिन तक फर्श पर सोए और सिर्फ नारियल पानी व फल खाए। रामायण से जुड़े चार राज्यों के सात मंदिरों में दर्शन-पूजन किए।

हेलिकॉप्टर से बरसाए फूल

राम की पैड़ी पर एक लाख से ज्यादा दीये जले

22 जनवरी 2024 का दिन भारत के इतिहास का एक ऐतिहासिक दिन बन गया। अयोध्या में रामलला विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा की गई, जिसका उत्सव पूरे देश ने मनाया। अयोध्या में सरयू घाट पर दीप जलाकर प्राण-प्रतिष्ठा का जश्न मनाया गया। वहीं, राम की पैड़ी पर एक लाख से ज्यादा दीये जलाए गए।

पीएम का भाषण राम-राम से शुरू, जय सियाराम पर खत्म

मोदी ने चरणामृत पीकर 11 दिन का व्रत खोला

आज हमारे राम आ गए, सदियों की प्रतीक्षा खत्म; धैर्य से धरोहर मिली

एजेंसी, अयोध्या

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को अयोध्या में नवनिर्मित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सदियों की प्रतीक्षा के बाद आज हमारे राम आ गए हैं। उन्होंने कहा कि हमारे रामलला अब टेंट में नहीं, बल्कि दिव्य मंदिर में रहेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कहने के लिए काफी कुछ है, लेकिन उनका कंठ अवरुद्ध है। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी 2024 केवल एक तारीख नहीं है, बल्कि एक नए युग के आगमन का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने कहा कि विश्व के कोने-कोने से जुड़े सभी राम भक्त आप सभी को प्रणाम। इस शुभ घड़ी में समस्त देशवासियों को बहुत-बहुत बधाई।

35 मिनट के भाषण में 114 बार श्रीराम का जिक्र

मेरा पावन अयोध्यापुरी और सरयू को प्रणाम

पीएम ने कहा कि मैं पावन अयोध्यापुरी और सरयू को भी प्रणाम करता हूं। मैं इस समय दैवीय अनुभूति कर रहा हूं। वे दैवीय अनुभूतियां भी हमारे आसपास उपस्थित हैं, उन्हें कृतज्ञतापूर्वक नमन करता हूं। प्रभु राम से क्षमा याचना भी करता हूं। हमारे त्याग, तपस्या, पूजा में कोई तो कमी रह गई होगी कि इतने साल यह काम नहीं कर पाए। आज यह कमी पूरी हुई। मुझे विश्वास है कि प्रभु राम हमें अवश्य क्षमा करेंगे।

पीएम मोदी को संतों ने भेंट की अंगूठी

मोदी बतौर मुख्य यजमान हल्के पीले रंग की धोती और कुर्ता पहनकर 12 बजे मंदिर परिसर में पहुंचे। उनके हाथ में एक थाल थी, जिसमें श्रीरामलला का चांदी का छत्र था। संकल्प के साथ प्राण प्रतिष्ठा की विधि 12:05 बजे शुरू हुई, जो एक घंटे से ज्यादा समय तक चली। संतों ने उन्हें सोने की अंगूठी भेंट की।

भारत के उत्कर्ष-उदय का साक्षी बनेगा मंदिर

पीएम ने भाषण राम-राम से शुरू किया जो जय सियाराम के साथ खत्म किया। राम के नाम का जिक्र 114 बार किया। उन्होंने कहा कि कुछ लोग कहते थे, मंदिर बना तो आग लग जाएगी। राम मंदिर किसी आग को नहीं, ऊर्जा को जन्म दे रहा है। यह भारत के उत्कर्ष-उदय का साक्षी बनेगा।

- कुबेर टीला में भगवान शिव का जलाभिषेक
- मंदिर बनाने वाले मजदूरों पर फूल बरसाए

मुकुट समेत आभूषणों का वजन पांच किलो

रामलला को सोने का कवच कुंडल, करधन माला पहनाई गई। मुकुट समेत सभी आभूषणों का वजन करीब पांच किलो है। भगवान के हाथ में सोने का धनुष बाण है।

- रामलला पीतांबर से सुशोभित हैं और हाथों में धनुष बाण धारण किए हुए हैं।
- रामलला ने सोने का कवच कुंडल, करधन माला धारण की है।
- रामलला के मुकुट में नौ रत्न सुशोभित हैं और गले में सुंदर रत्नों की माला है।
- भगवान रामलला की कमरबंद भी सोने से बना है।
- रामलला के आभूषणों में रत्न, मोती, हीरे शामिल हैं।
- रामलला के चरणों में वज्र, ध्वजा और अंकुश के चिन्ह शोभित हैं।
- कमर में करधनी और पेट पर त्रिवली हैं।
- रामलला की विशाल भुजाएं आभूषणों से सुशोभित हैं।
- रामलला की छाती पर बाघ के नख की बहुत ही निराली छटा है।
- छाती पर रत्नों से युक्त मणियों के हार की शोभा है।

आज से राम मंदिर में पूजा का विधान

- सुबह तीन बजे से पूजन-श्रृंगार की तैयारी होगी
- रामलला चार बजे जागेंगे; हर रोज 14 घंटे होंगे दर्शन

- रामलला सोमवार को सफेद वस्त्र
- मंगलवार को लाल, बुधवार को हरा
- वीरवार को पीला, शुक्रवार को हल्का पीला या क्रीम कलर
- शनिवार को नीला और रविवार को गुलाबी रंग के वस्त्र पहनेंगे

दोपहर एक से तीन बजे के बीच दर्शन नहीं होंगे

23 जनवरी से ब्रह्म मुहूर्त में करीब तीन बजे से गर्भगृह की स्वच्छता करने, पूजन और श्रृंगार की तैयारी की जाएगी। दोपहर 3:30 से चार बजे तक तय समय पर भगवान के दोनों विग्रह और श्रीयंत्र को मंत्रों से जगाया जाएगा और फिर मंगला आरती होगी। इसके बाद विग्रहों का अभिषेक, श्रृंगार भोग होगा और श्रृंगार आरती की जाएगी। यह 4:30 से 5:00 तक होगी। सुबह आठ बजे से दर्शन शुरू होंगे। दोपहर, करीब एक बजे मध्याह्न भोग आरती होगी। दो घंटे दर्शन बंद रहेंगे, भगवान विश्राम करेंगे। दोपहर तीन बजे से दर्शन फिर शुरू होंगे, जो रात 10 बजे तक लगातार जारी रहेंगे। इसी बीच शाम सात बजे संध्या आरती होगी।

अनुभवी स्टाफ चाहिए

प्रदेश के उभरते मीडिया ग्रुप 'अनंत ज्ञान' को हिमाचल में संपादकीय, डिजिटल मीडिया, मार्केटिंग और सर्कुलेशन विभाग में अनुभवी स्टाफ चाहिए। वेतन योग्यतानुसार।

'अनंत ज्ञान' को प्रदेश में 100 जुझारू और ऊर्जावान युवाओं की जरूरत है। न्यूनतम योग्यता आठवीं पास हो। आवेदन जल्द से जल्द करें।

अपने सीवी भेजें

मोबाइल नंबर: 8894521702

ई-मेल anantgyaanadm@gmail.com

एजेंसी लेने एवं अनंत ज्ञान की प्रति न मिलने पर

निम्न नंबरों पर संपर्क करें :

मंडी-कुल्लू : 88949-01670

कांगड़ा-चंबा : 98166-45634, 98052-49634

ऊना-हमीरपुर-बिलासपुर : 82192-07770

सोलन-शिमला, सिरमौर 98160-10065

आस्था हिमाचल के नेताओं ने शेयर की फोटो, लोगों ने जय श्रीराम कमेंट कर खूब सराहा

विक्रमादित्य व सुधीर ने प्रभु राम से लिया आशीर्वाद

पुनीत शर्मा, धर्मशाला

कांग्रेस आलाकमान के रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह से दूरी बनाए रखने के निर्णय के बावजूद हिमाचल प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह, धर्मशाला के विधायक सुधीर शर्मा और गगरेट के विधायक चैतन्य शर्मा ने अयोध्या में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भाग लिया।

सुजानपुर के विधायक राजेंद्र राणा पहले कह चुके हैं कि भगवान राम में उनकी गहरी आस्था है और जब भी मौका मिला, वे अयोध्या में राम मंदिर जाएंगे। विक्रमादित्य सिंह रविवार को ही चंडीगढ़ से रवाना हो गए थे और उन्होंने सोशल मीडिया पर प्राण प्रतिष्ठा समारोह स्थल से अपनी फोटो शेयर की। लोग इस पोस्ट पर जय श्रीराम के कमेंट देते हुए काफी पसंद कर रहे हैं।

धर्मशाला के विधायक सुधीर शर्मा की ओर से धर्मशाला में विभिन्न स्थानों पर रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह को देखने के लिए एलईडी लगवाई थीं। वहीं, उन्होंने सोमवार सुबह अयोध्या के महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अपनी फोटो भी शेयर की, जिसे लोगों ने खूब पसंद किया।

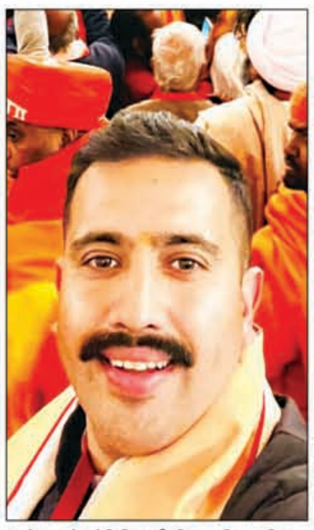

अयोध्या से लोनिवि मंत्री विक्रमादित्य, विधायक सुधीर शर्मा और चैतन्य शर्मा ने फोटो शेयर की।

रामभक्ति में झूमी कंगना

अयोध्या में प्रभु रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर एक्ट्रेस कंगना रणौत भी मौजूद रहीं। अयोध्या से कंगना ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह रामभक्ति में झूमती नजर आईं। कंगना ने दोनों हाथ ऊपर करके जमकर श्रीराम के नारे लगाए।

मंदिर वहीं बना है जहां बनाने का लिया था संकल्प : योगी

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या धाम में श्रीरामलला के बालरूप विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह पूर्ण होने के बाद अपने मनोभाव प्रकट किए। उन्होंने कहा कि मंदिर वहीं बना है, जहां बनाने का संकल्प लिया था। उन्होंने अपने संबोधन की शुरुआत 'रामाय रामभद्राय रामचंद्राय वेधसे। रघुनाथाय नाथाय सीताया: पतये नम:' से की। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 500 साल के लबे अंतराल के बाद आज के इस चिरप्रतीक्षित मौके पर अंतर्मन में भावनाएं कुछ ऐसी हैं कि उन्हें व्यक्त करने को शब्द नहीं मिल रहे हैं।

मन भावुक है, भाव विभोर है, भाव विह्वल है। निश्चित रूप से आप सब भी ऐसा ही अनुभव कर रहे होंगे। आज इस ऐतिहासिक और अत्यंत पावन अवसर पर भारत का हर नगर, हर ग्राम अयोध्याधाम है। हर मार्ग श्रीराम जन्मभूमि की ओर आ रहा है। हर मन में राम नाम है। हर आंख हर्ष और संतोष के आंसू से भीगी है। हर जिह्वा राम-राम जप रही है। रोम-रोम में राम रमे हैं।

दीप जलाते लोग व रंग-बिरंगी लाइटों से सजा संकटमोचन मंदिर...

शिमला। सोमवार को अयोध्या में श्रीराम की प्रतिमा के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के बाद शिमला के रिज मैदान पर दीप जलाते लोग (दाएं) शिमला में रंग-बिरंगी लाइटों से सजे संकटमोचन मंदिर का अदभुत नजारा। (फोटो-प्रदीप कुमार)

श्रीराम के जयकारों से गूंजी राजधानी

हजारों श्रद्धालुओं ने मंदिरों में नवाया शीश, जगह-जगह लगे भंडारे, 182 टोलियों ने संभाला पूरा जिम्मा

आशिमा वैरागी, शिमला

अयोध्या में सोमवार को भगवान श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम का आयोजन पर राजधानी शिमला के राम मंदिर में भी रामलला के स्वागत के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सुबह से ही मंदिरों में श्रीराम के जयकारे लगाने शुरू हो गए । हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने रामलला के आगे शीश नवाया व पूजा-अर्चना की। रविवार से अखंड पाठ शुरू किया गया, जिसका समापन सोमवार सुबह 10 बजे हुआ। 40 स्थानीय मंदिरों में रामलला का स्वागत किया गया। 182 टोलियों ने पूरा जिम्मा संभाला। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने भी शिमला के राम मंदिर में शीश नवाया।

शहर के राम मंदिर ही नहीं बल्कि जाखू मंदिर, खुशाला महावीर मंदिर, संकटमोचन मंदिर, शिव मंदिर मिडल बाजार, राधा-कृष्ण मंदिर गंज बाजार , कामना देवी मंदिर, गोपाल मंदिर बालूगंज, लक्ष्मी नारायण मंदिर छोटा शिमला और कसुम्पटी, शिव शक्ति मंदिर ढली, अक्षर धाम मंदिर नया शिमला में रामलला का स्वागत किया गया। भक्तों ने भजन गाकर शंख ध्वनि, घंटानाद, सुंदरकांड और हनुमान चालीसा से रघुपति राजा राम को खुश किया। लोगों ने कहा कि राम केवल भारत के भगवान नहीं, बल्कि एक सोच हैं, जिसमें बुराई पर अच्छाई की जीत होती है और यही सभी धर्मों का आधार है, वो चाहे हिंदू हों, मुस्लिम हों या जैन सिख, ईसाई कोई भी धर्म हो। यह जश्न सभी को मनाना चाहिए। (अनंत ज्ञान)

सोमवार को अयोध्या में श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर राम मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर व अन्य।

भक्तों ने एलईडी से देखा अयोध्या राम मंदिर

शिमला में अधिकतर मंदिरों में एलईडी की व्यवस्था की गई थी। श्रद्धालुओं ने अयोध्या राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा लाइव तस्वीरों को एलईडी के माध्यम से देखा। यह सुविधाएं मंदिर प्रबंधन की ओर से दी गई। इसके अलावा शहर के बाजारों में भी एलईडी लगाई गई थी। राम भक्तों को सभी सुविधाएं देने का पूरा प्रयास किया गया।

राम नाम जश्न में डूबा रोहड़ू

रोहड़ू। अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर जगह-जगह कीर्तन, भजन और भंडारे आयोजित हुए। मंदिर कमेटी शिव शक्ति धाम मंदिर की ओर से सुबह से ही भंडारे और भजन-कीर्तन का कार्यक्रम चलता रहा, जिसमें सैकड़ों लोगों ने भंडारा चखकर भगवान राम का आशीर्वाद लिया।

> अयोध्या राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा सभी हिंदुओं के लिए गौरव की बात है। इसके लिए मंदिर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया । सभी श्रद्धालु इसमें सम्मिलित हुए। अपनी इच्छानुसार लोगों ने दीपक जलाए।
>
> **राजीव सूद, सूद सभा अध्यक्ष।**

200 साल बाद मूर्ति को पूजा-पाठ कर बाहर निकाला

रामपुर। रामपुर के हनुमान घाट मंदिर से 200 साल बाद पहली बार रामलला और क्षेत्र वासियों के साथ रामपुर बाजार में शोभायात्रा निकाली व यात्रा के बाद रामलला की पालकी को सत्यनारायण मंदिर परिसर पहुंचाया। चारों ओर रामपुर शहर को खूब सजाया गया। रामपुर सत्यनारायण मंदिर से हिंदू समाज एवं विश्व हिंदू परिषद के लोग प्राचीन हनुमान घाट मंदिर पहुंचे। हनुमान घाट मंदिर से श्री राम की मूर्ति प्रकट होने के 200 वर्ष बाद सोमवार को पहली बार मूर्ति को पूजा-पाठ और भजन-कीर्तन के बाद मंदिर से बाहर निकाला गया।

अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य पर संजौली में प्रसाद वितरण करते हुए।

भारतीय विरासत व संस्कृति को मिले नए आयाम : राज्यपाल

अयोध्या में श्रीराम की प्रतिमा के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के बाद राम मंदिर में पूजा-अर्चना करते राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल व अन्य।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

अयोध्या में भगवान श्रीराम की प्रतिमा के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पूर्ण प्रात: राजभवन में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया।

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल तथा लेडी गवर्नर जानकी शुक्ला की उपस्थिति में राजभवन में स्थापित यज्ञशाला में सुदरकांड का पाठ हुआ, बाद में राज्यपाल ने राजभवन के दरबार हॉल में प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम लाइव देखा। राज्यपाल के सचिव राजेश शर्मा तथा राजभवन के अन्य कर्मी भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि अयोध्या के प्रभाव को वही समझता है, जिनके दिलों में प्रभु राम बस्ते हैं। राम की भक्ति और शक्ति का अहसास हमें प्राण प्रतिष्ठा समारोह में देखने को मिला।

यह समारोह शांति और सद्भाव का संदेश भी देता है। राज्यपाल ने कहा, 'यह कल्पना से परे अनुभूतियों का समय है और यह भक्ति की शक्ति ही है, जिसे शब्दों में नहीं बल्कि दिलों में महसूस किया जा सकता है।' भारतीय विरासत और संस्कृति को नए आयाम मिले हैं।

जल्द बनाए जाएंगे पुरानी तकनीक के टॉयलेट, निगम टेंडर करेगा अवॉर्ड

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

शहर में अब दोबारा से पुराने टॉयलेट को बनाने की प्रक्रिया शुरू होने वाली है। पूर्व माकपा निगम के कार्यकाल में जो ई-टॉयलेट बनाए गए थे, उसे हटाने का काम शुरू कर दिया गया है, बता दें कि लगभग 40 लाख की लागत से बनाए गए आठ ई-टॉयलेट यूजलेस बताकर नगर निगम हटा रहा है।

निगम प्रशासन ने 2016 में शहर की मुख्य जगहों पर बनाए ई-टॉयलेट की जगह अब साधारण टॉयलेट बनाने का डिसीजन लिया है। इसके पीछे तर्क दिया गया है कि ये बेकार हैं, इसको आम आदमी यूज नहीं करता। ऐसे में फिर से साधारण शौचालय इनकी जगहों पर बनाए जाएंगे। 2015-16 में माकपा के मेयर और डिप्टी मेयर सत्ता में थे। उस दौरान शहर के कुछ मुख्य जगह, जिनमें ओल्ड बस स्टैंड, रिज, छोटा शिमला, नवबहार में ये ई-टॉयलेट लगाए हैं। छोटा शिमला से ई-टॉयलेट हटा दिए गए हैं, जबकि अन्य जगहों से इनको हटाने के आदेश जारी हो गए हैं। ऐसे में साफ है कि निगम ने पहले तो पैसों की बर्बादी करके टॉयलेट बनाए, अब इन्हें फिर से हटाया जा रहा है।

लाखों रुपए खर्च किए, अब कांट्रेक्टर को देंगे ठेका

एक ई-टॉयलेट की कीमत लगभग पांच लाख है। इन्हें लगाने और रखरखाव में भी काफी पैसा खर्च किया गया है। उस समय दावा किया गया था कि इसकी संख्या बढ़ाई जाएगी, जिसका फायदा लोगों को मिलेगा। अब फिर से साधारण टॉयलेट बनाए जाएंगे, जिसका ठेका ठेकेदारों को दिया जाएगा। निगम इसके लिए टैंडर लगाएगा और फिर से लाखों रुपए खर्च किए जाएंगे। निगम के शहर में 131 साधारण टॉयलेट हैं, इनका भी ठीक ढंग से रखरखाव नहीं होता है।

ई-टॉयलेट सेंसर युक्त

शिमला शहर में लगे ई-टॉयलेट सेंसर युक्त हैं। इसी प्रणाली के चलते इसमें फ्लशिंग से लेकर हाथ की सफाई ऑटोमेटिक तरीके से होती है। टॉयलेट इस्तेमाल के बाद दरवाजा बंद करते ही अंदर सफाई हो जाती है। टॉयलेट को इस्तेमाल करने के बाद व्यक्ति बाहर निकलेगा, तो सेंसर सक्रिय होते हैं और ऑटोमेटिक तरीके से अंदर सफाई शुरू हो जाती। ई-टॉयलेट में लोगों को हाथ धोने के लिए पानी, साबुन, टिशु पेपर आदि की सुविधा भी है।

> शहर के ई-टॉयलेट को लोग कम यूज कर रहे हैं। इसलिए हम इन्हें बंद कर रहे हैं। इनकी जगहों पर साधारण टॉयलेट लगाए जाएंगे। इसका फायदा लोगों को मिलेगा। जिन जगहों पर ई-टॉयलेट लगाए गए हैं, वहां पर नए टॉयलेट बनाने का काम जल्द शुरू होगा। इस बारे में शहर के विधायक को भी सूचित किया गया है।
>
> **सुरेंद्र चौहान, महापौर, नगर निगम शिमला।**

परेड रिहर्सल ...

गणतंत्र दिवस परेड रिहर्सल के दौरान परेड में भाग लेते जवान।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने मतदाता दिवस की तैयारियों का लिया जायजा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनीष गर्ग ने गेयटी थियेटर में 25 जनवरी 2024 को आयोजित किए जाने वाले राष्ट्रीय मतदाता दिवस की तैयारियों का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में राज्यपाल हिमाचल प्रदेश शिव प्रताप शुक्ल मुख्यातिथि होंगे। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा विभाग के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करवाए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, पोस्टर मेकिंग, गायन, वीडियोग्राफी प्रतियोगिता और पोल डे मॉनिटरिंग सिस्टम (पीडीएमएस) 2.0 का शुभारंभ होगा। इस दौरान उपस्थित लोगों को मतदान की शपथ भी दिलाई जाएगी। इसके पश्चात्, मुख्य निर्वाचन आयुक्त का संदेश प्रसारित किया जाएगा। इस दौरान मतदान को बढ़ावा देने के लिए गेयटी थियेटर के सामने सिग्नेचर वाल और सेल्फी प्वाइंट बनाया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में आईटीआई शिमला के प्रशिक्षुओं की ओर से निर्वाचन साक्षरता क्लब पर आधारित प्रस्तुति दी जाएगी। इस दौरान सांस्कृतिक दल की ओर से महासुवि नाटी की प्रस्तुति दी जाएगी और पुलिस बैंड हारमनी ऑफ दी पाइंस की वीडियो दिखाई जाएगी। कार्यक्रम में बेहतर कार्य करने वाले निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी सम्मानित किए जाएंगे और नए मतदाताओं को निर्वाचक फोटो पहचान पत्र बांटे जाएंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त शिमला आदित्य नेगी ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को आश्वस्त किया कि उनके द्वारा दिए गए निर्देशों की अनुपालना सुनिश्चित की जाएगी। इस दौरान अतिरिक्त उपायुक्त अभिषेक वर्मा, ओएसडी स्वीप नीरज शर्मा सहित निर्वाचन विभाग के अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनीष गर्ग ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस की तैयारियों को लेकर रिज और गेयटी थियेटर का जायजा लेते हुए।

परेशानी आईजीएमसी में दवाइयां लेने के लिए दर-दर भटक रहे मरीज, लोगों को भारी पैसे खर्च कर खरीदनी पड़ रही बेसिक दवाइयां

जेनेरिक स्टोर में नॉर्मल दवाइयां एक या दो, महंगी एक भी नहीं मिलती

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

आईजीएमसी का जेनेरिक स्टोर हाथी के दांत खाने के ओर दिखाने के ओर साबित हो रहे हैं। जेनेरिक स्टोर का सच्च यह है कि यहां नॉर्मल दवाइयां एक या दो, तो महंगी एक भी नहीं मिलती है। हद तो यह है कि नॉर्मल दवाइयों में कई बार बुखार और गले में दर्द तक की दवाइयां नहीं मिलती हैं।

अखबार में नाम न छापने की शर्त पर एक मरीज ने कहा कि वह गले में दर्द और बुखार सहित अन्य दवाइयां लेने गया, तो उसे यह दवाइयां नहीं मिल पाई। जब जेनेरिक में तैनात कर्मचारियों से पूछा गया कि यह बेसिक दवाइयां क्या जेनेरिक स्टोर में उपलबध नहीं है। ऐसे में कर्मचारियों ने जवाब दिया कि हम वहीं दवाइयां देंगे, जो हमारे पास उपलब्ध हैं। उनके फरमान थे कि कैमिस्टों की दुकानों में जाकर दवाइयां खरीदों। ऐसे में मरीज को दवाइयों के लिए कैमिस्ट की दुकानों में जाना पड़ा तथा वहां उसे भारी पैसे खर्च कर दवाइयां मिल पाईं। यहां पर सबसे बड़ा सवाल तो यह है कि आईजीएमसी प्रशासन निशुल्क दवाइयां देने को लेकर एक से बढ़कर एक दावा कर रहा है, लेकिन यहां पर स्थिति कुछ और ही ब्यां कर रही है। हालांकि प्रशासन ने दवाइयों के स्टॉक को बड़ा दिया है। 250 की जगह पर 355 दवाइयां निशुल्क उपलब्ध करवाने का दावा किया है, लेकिन यहां पर गले में दर्द और बुखार तक की दवाइयां उपलब्ध नहीं हैं।

प्रशासन ने आईजीएमसी में 355 ब्रांडिड जेनेरिक दवाइयां देने का दावा तो कर दिया है, लेकिन यह दवाइयां भी अभी उपलब्ध हैं या नहीं। इन दिनों मौसम में बदलाव होने को लेकर गले में दर्द, खांसी और बुखार की बीमारी के काफी लोग अस्पताल में आ रहे हैं। ऐसे में प्रशासन को देखना चाहिए कि जेनेरिक स्टोर में बेसिक दवाइयां तो उपलब्ध करवाएं। मरीजों को इन दिनों दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर होना पड़ रहा है। मरीज जेनेरिक स्टोर के पास कई बार लाइनों में दवाइयां लेने के लिए खड़े रहते हैं, फिर भी उन्हें दवाइयां नहीं मिलती हैं।

जेनेरिक स्टोर के बाहर दवाइयां लेने के लिए खड़े लोग।

250 की जगह 355 दवाइयां निशुल्क उपलब्ध करवाने का किया है दावा

जेनेरिक स्टोर में घंटों तक लाइनों में खड़े रहते हैं मरीज फिर भी दवाइयां नहीं मिलती

कार्ड धारक मरीजों को दौड़ाया जा रहा इधर-उधर

आईजीएमसी में खासकर कार्ड धारक मरीजों को दवाइयों के लिए इधर से उधर दौड़ाया जा रहा है, जब भी कार्ड धारक मरीजों को ऑपरेशन होता है, तो उस दौरान वार्ड से तीमारदार को डॉक्टरों की ओर से कहा जाता है कि आप पहले 50 नबंर जेनेरिक स्टोर से दवाइयां ले लो, लेकिन कार्ड धारकों को वहां दवाइयां नहीं मिलती हैं। उसे दवाइयों के लिए फिर तीन से चार जगह जाना पड़ता है, उसके बाद औपकारिकताएं पूरी कर फिन जन औषधी दुकान से दवाइयां लेनी पड़ती हैं। इसके अलावा जो बिना कार्ड धारक के मरीज ऑपरेशन करवाते हैं उन्हें तो जेनेरिक स्टोर से एक भी दवाई नहीं मिलती है, उसे तो भारी पैसे खर्च कर ही सीविल सप्लाई की दुकानों से दवाइयां खरीदनी पड़ती है।

> हमारी जेनेरिक दवाइयों की लिस्ट में जो दवाइयां लिखी गई हैं, वह दवाइयां जेनेरिक स्टोर में उपलब्ध होती हैं। बेसिक दवाइयां वैसे जेनेरिक स्टोर में मिलनी चाहिए। अगर किसी को दवाइयां नहीं मिल रही हैं, तो इसको लेकर कार्रवाई की जाएगी। मरीजों को दवाइयां लेने में अगर दिक्कतें आ रही हैं, तो वे प्रशासनिक अधिकारी से भी बात कर सकते हैं। जेनेरिक दवाइयों से प्रदेश भर के मरीजों को काफी फायदा हो रहा है।
>
> **डॉक्टर सीता ठाकुर, प्रिंसिपल आईजीएमसी।**

असम सरकार इस यात्रा को केंद्र की सरकार के इशारे पर रोकना चाह रही : प्रतिभा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद प्रतिभा सिंह ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के उनके काफिले पर असम, गुवाहाटी में हुए कातिलाना हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह भाजपा की पूर्व निर्धारित सोची समझी साजिश के तहत इस यात्रा में व्यवधान डालने का असफल प्रयास है। उन्होंने कहा है कि न तो राहुल गांधी ऐसे किसी षडयंत्र से घबराने वाले हैं और न ही कांग्रेस।

असम, गुवाहाटी में हुए कातिलाना हमले की कड़ी निंदा की

पूरी कांग्रेस पार्टी राहुल गांधी के साथ खड़ी है और उनकी यह अन्याय के खिलाफ न्याय की यह यात्रा पूरी होगी। प्रतिभा सिंह ने असम सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि वह इस यात्रा को केंद्र की भाजपा सरकार के इशारे पर रोकना चाह रही है। कांग्रेस पार्टी को राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में मिल रहे भारी जनसमर्थन से विरोधी दल भाजपा की नींद उड़ती जा रही है। इसलिए उनकी इस यात्रा को असमाजिक तत्वों के द्वारा विघ्न डालने की पूरी कोशिश

बर्थडे और सालगिरह के फोटो भेजें

बर्थडे हो या शादी की सालगिरह। आपकी खुशियों में हम भी हैं शामिल। अपना फोटो अनंत ज्ञान में प्रकाशित करवाने के लिए नाम और पते सहित व्हाट्सऐप नंबर 8580644502 पर भेजें।

हैप्पी बर्थडे

खनियारा की आर्या नेतल को 'अनंत ज्ञान' परिवार की ओर से सातवें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं।

डाढ़ की अनाया को 'अनंत ज्ञान' परिवार की ओर से जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं।

सालगिरह मुबारक

नैहरनपुखर के रक्षपाल शर्मा व रेनू शर्मा को 'अनंत' ज्ञान परिवार की ओर से शादी की सालगिरह पर हार्दिक बधाई।

राम के रंग में रंगी देवभूमि हिमाचल प्रदेश...

अयोध्या में श्रीराम की प्रतिमा के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के बाद राम मंदिर में पूजा-अर्चना करते राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने ओक ओवर में दीपक जलाकर प्रदेश के लिए की मंगल कामना।

अयोध्या श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर राम मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर व अन्य।

मुख्यमंत्री ने किया हनुमान चालीसा का पाठ

शिमला में प्राण प्रतिष्ठा की धूम, जाखू मंदिर में सुक्खू बोले- हनुमान बिना अधूरी रामायण

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

देवभूमि हिमाचल प्रदेश पूरी तरह से राम के रंग में रंग गया है। सुबह से जगह-जगह शोभा यात्राएं निकाली गईं। मंदिरों में भजन-कीर्तन, अखंड पाठ, सुंदरकांड और भंडारे का आयोजन किया गया। अयोध्या में श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू शिमला के प्रसिद्ध हनुमान मंदिर जाखू पहुंचे। इस दौरान मुख्यमंत्री सुक्खू ने जाखू मंदिर में शीश नवाया और हनुमान चालीसा का पाठ किया।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि भगवान हनुमान प्रभु श्रीराम के परम भक्त थे। प्रभु राम उनकी ही मदद से ही अयोध्या लौट कर आए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज अयोध्या में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा का अवसर है। ऐसे में वह भी हनुमान मंदिर पहुंचे और हनुमान चालीसा का पाठ किया। उन्होंने कहा कि हनुमान के बिना रामायण अधूरी है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश वासियों को आज के इस अवसर की बधाई दी। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की जनता से आग्रह किया कि सभी घर पर दीप जलाकर इस अवसर में सम्मिलित हों। वहीं, राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा को रोके जाने पर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि राहुल गांधी देश की एकता और न्याय के लिए यह यात्रा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी मजबूत व्यक्तित्व के आदमी हैं, वह ऐसी मुश्किलों से नहीं घबराएंगे। उन्होंने कहा कि जो उन्हें रोकने का प्रयास कर रहे हैं, एक गलत मानसिकता का परिचय दे रहे हैं। इस दौरान हिमंत बिस्वा शर्मा पर मुख्यमंत्री ने निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी ने ऐसा कोई कार्य नहीं किया, जो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाए। लोकतंत्र में सभी अपनी बात कहने और देश की यात्रा करने का हक है। उन्होंने कहा कि बयानबाजी केवल ध्यान भटकने के लिए कर रहे हैं। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने इस दौरान नेता प्रतिपक्ष के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि वह भी सनातनी है। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को हर अवसर पर राजनीतिक रोटियां सेंकनी हैं। ऐसे में वह इस तरह का बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार जो भी अच्छा कार्य करती है तो उनको दर्द हो उठता है।

भगवान श्रीराम के बिना अधूरे पवन पुत्र

इस दौरान मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने प्रसिद्ध जाखू में भगवान राम की मूर्ति लगाने को लेकर कहा कि हनुमान भगवान राम के परम भक्त थे और भगवान श्रीराम के बिना अधूरे हैं। उन्होंने कहा कि जैसे ही उन्हें उचित जगह मिल जाएगी, तो सभी प्रकार की प्रक्रिया को पूरा करने के बाद जाखू में श्रीराम भगवान की मूर्ति लगाई जाएगी।

अयोध्या श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर जाखू स्थित हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना करते सीएम सुक्खू।

जयराम ठाकुर बोले- सदियों की प्रतीक्षा हुई पूरी

शिमला। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि भगवान राम का अपनी जन्मस्थली अयोध्या में बाल रूप में विराजमान होते ही भारत के सैकड़ों करोड़ लोगों के सदियों की प्रतीक्षा पूर्ण हुई। भगवान राम के मंदिर के लिए सैकड़ों साल का संघर्ष चला, जिसमें अनगिनत लोगों ने अपने प्राणों की आहुति दी, तब जाकर यह शुभ अवसर आया है। उन्होंने इस महायज्ञ में योगदान देने वाले सभी बलिदानियों को नमन करते हुए कहा कि उनके इस योगदान के कारण ही हम यह दिन देख पाए हैं कि भगवान राघव की मोहक मूर्ति उनके जन्मस्थान पर प्राण प्रतिष्ठित हो पाई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, राम जनभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, समेत हज़ारों संतों, कर्मयोगियों और गणमान्यों की गरिमामय उपस्थिति में इस प्राण प्रतिष्ठा का पूरा विश्व साक्षी बना। नेता प्रतिपक्ष राम बाजार के राम मंदिर से सैकड़ों लोगों के साथ इस प्राण प्रतिष्ठा के साक्षी बने।

न्यूज ब्रीफ

दो लोगों से 5.47 ग्राम चिट्टा बरामद

हमीरपुर। सदर पुलिस थाना हमीरपुर के तहत पुलिस टीम ने गश्त के दौरान दो व्यक्तियों के कब्जे से 5.47 ग्राम चिट्टा बरामद किया है। जिला पुलिस हमीरपुर की उक्त टीम ने ड़ेनिस धवन निवासी जय मां लक्ष्मी एन्कलेव ब्लॉक सी अमृतसरी गेट फिरोजपुर पंजाब तथा राघव चावला मकान नंबर 248 वार्ड नंबर 20 बुछवारा मोहल्ला फिरोजपुर पंजाब को गिरफ्तार करके एनडीपीएस अधिनियम की धाराओं के अधीन अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है। अभियोग में आगामी अन्वेषण जारी है। पुलिस अधीक्षक डॉ. आकृति शर्मा ने बताया कि नशे के खिलाफ आगे भी कारवाई जारी रहेगी।

नानी के गहने चुरा ले गया युवक

सोलन। अपनी ही नानी के गहने लेकर चंपत होने वाले बिलासपुर निवासी युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सोलन के एसपी गौरव सिंह ने उसकी गिरफ्तारी की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि गत वर्ष छह दिसंबर को अर्की क्षेत्र के बैहली गांव के रहने वाले महेंद्र सिंह ने पुलिस थाने में तहरीर देकर बताया था कि 23 नवंबर को बिलासुपर शिकरोहा निवासी उनका भांजा चमन लाल उर्फ पिंकू उनके घर आया था। एक रात वहां ठहरने के बाद 24 नवंबर को पिंकू उनके घर से वापस बिलासपुर चला गया। महेंद्र के अनुसार जाते समय पिंकू उनके घर में रखे उनकी माता जी के सारे गहने चुरा कर ले गया। मामले की जांच के दौरान 21 जनवरी को बिलासपुर के शिकरोहा गांव से 28 वर्षीय चमन लाल को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि उसे अदालत में पेश किया गया, जहां उसे तीन दिन का पुलिस रिमांड मिला है।

माता मंदिर मुंडखर से गहने चोरी

सरकाघाट। प्रसिद्ध शक्तिपीठ माता मंदिर मुंडखर में रविवार रात्रि को चोरी की वारदात हुई है, जिसमें माता की मूर्ति का चांदी का मुकुट, चांदी की आंखें तथा चांदी की जीभ चोर चुरा ले गए हैं। पुजारी ने इस घटना की जानकारी रात को ही मंदिर कमेटी को दे दी थी। सुबह मंदिर कमेटी के आने पर घटना का जायजा लिया गया और उसके उपरांत पुलिस थाना सरकाघाट में रिपोर्ट दर्ज की। मौके पर आई पुलिस ने कमेटी के बयान दर्ज कर साक्ष्य जुटाने का प्रयास किया हालांकि मंदिर में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। मंदिर के प्रधान गोवर्धन सिंह ठाकुर ने इस घटना की घोर निंदा की है। सरकाघाट डीएसपी संजीव गौतम ने घटना की पुष्टि की है।

एसआईटी ने पांचों पुलिस कर्मचारियों के खिलाफ चार्जशीट की तैयार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

अनंत ज्ञान फॉलोअप

क्रिप्टो करंसी ठगी मामले में पुलिस एसआईटी ने पांचों पुलिस कर्मचारियों के खिलाफ चार्जशीट तैयार कर ली है। एसआईटी ने चालान कोर्ट में पेश करने के लिए सरकार की मंजूरी मांगी थी, सरकार की ओर से यह अनुमति दे दी गई है। कर्मचारी होने पर सरकार से अनुमति लेना अनिवार्य होता है।

2500 करोड़ रुपए के इस घोटाले में अब तक शिमला कोर्ट में आरोपियों के खिलाफ दो चालान पेश किए जा चुके हैं। ये अंतिम चार्जशीट है। अब तक इस मामले में 19 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस एसआईटी को ओर आरोपियों की भी तलाश है। इसको लेकर पुलिस बार-बार बाहरी राज्यों में आरोपियों को पकड़ने के लिए दबिश दे रही है। मामले के मुख्य आरोपी सुभाष और मेरठ का इंजीनियर दुबई भागे हैं। उनको स्वदेश लाने की प्रक्रिया भी जारी है। आरोपियों की 20 करोड़ की संपत्तियों को जब्त किया जा चुका है। इसमें मुख्य आरोपी सुखदेव, हेमराज, सुभाष व अन्य एजेंट शामिल हैं। करीब 11 आरोपियों की संपत्तियां जब्त की गई हैं, जबकि अन्य आरोपियों की संपत्तियों के दस्तावेजों को खंगाला जा रहा है। डीआईजी अभिषेक दुल्लर ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच चल रही है। क्रिप्टो करंसी से लोगों को ठगने वालों को बक्शा नहीं जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्य आरोपी के साथ बतौर एजेंट का काम करने वालों को शिकंजा कसा जा रहा है।

कुल्लू से मंडी आ रही बस सड़क पर पलटी

डैम में गिरने से बची 25 सवारियां; सभी सुरक्षित, बड़ा हादसा टला

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

सोमवार को दोपहर करीब तीन बजे पंडोह डैम के साथ लगते पीवीटी मोड़ के पास अंजलि ट्रांस्पोर्ट की बस अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। गनीमत रही कि बस नदी में गिरते-गिरते बची और बड़ा हादसा टल गया।

हादसे के वक्त बस में लगभग 25 लोग सवार थे। तीन से चार यात्रियों को हल्की चोटें आई हैं, बाकी सभी यात्री पूरी तरह से सुरक्षित हैं। यह बस कुल्लू से मंडी की तरफ आ रही थी। प्रारंभिक तौर पर मिली सूचना के अनुसार पहले बस का एक टायर सड़क पर पड़े गड्ढे में गया, जिससे उसका कोई पुर्जा टूट गया और उसके बाद बस अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। वहीं, जहां हादसा हुआ वहां खड़ी एक कार भी इसकी चपेट में आई और उसका शीशा टूट गया। हादसा होते ही मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत प्रभाव से राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया। पंडोह हास्पिटल से एंबुलेंस तुरंत मौके पर पहुंच गई और आंशिक रूप से घायलों को पंडोह पहुंचाया जहां उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हादसे के कारणों की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। हादसे की पुष्टी एएसपी मंडी सागर चंद्र ने की।

सड़क पर पलटी हुई बस। इस दौरान बचाव कार्य में जुटे लोग।

एक महीने के प्रवास से धर्मशाला लौटे दलाईलामा

धर्मशाला। तिब्बतियों के 14वें धर्मगुरु दलाईलामा बोधगया में एक महीने के लंबे प्रवास के बाद सोमवार को धर्मशाला पहुंचे। वह करीब 12 बजे कांगड़ा हवाई अड्डे पर पहुंचे। कांगड़ा हवाई अड्डे पर पहुंचने पर तिब्बती धर्मगुरु दलाईलामा का तिब्बती संस्कृति से जोरदार स्वागत किया गया। कांगड़ा हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद दलाईलामा का स्वागत तिब्बत के राष्ट्रपति पेंपा त्सेरिंग, डिप्टी स्पीकर डोलमा त्सेरिंग तेखांग, धर्मशाला तिब्बती निपटान अधिकारी कुंचोक मिग्मार और धर्मशाला स्थित विभिन्न तिब्बती गैर सरकारी संगठनों के अन्य प्रतिनिधियों ने किया। इस दौरान सैकड़ों तिब्बती और स्थानीय लोग तिब्बती धर्मगुरु दलाईलामा का स्वागत करने के लिए औपचारिक सफेद स्कार्फ और धूप लिए हुए कांगड़ा हवाई अड्डे पर खड़े रहे।

पुलिस ने आईटीएमएस के तहत किए 73,389 वाहन चालकों के चालान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

हिमाचल प्रदेश पुलिस द्वारा वर्ष 2023 में एकीकृत वाहन प्रबंधन प्रणाली (इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम आईटीएमएस द्वारा ई-चालानिंग प्रक्रिया से 73,389 वाहन चालकों के चालान किए गए हैं। इन चालानों का भुगतान ऑनलाइन प्रक्रिया से करते हुए कुल 2,63,45,699 करोड़ रुपए की राशि जुर्माने के तौर पर प्राप्त हुई है।

हिमाचल प्रदेश में ट्रैफिक नियमों को लागू करने के लिए एकीकृत वाहन प्रबंधन प्रणाली (इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम आईटीएएमएस को पिछले एक वर्ष से प्रभावी ढंग से लागू किया गया है। इसके माध्यम से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कैमरे की मदद से यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के चालान किए जा रहे हैं। हिमाचल प्रदेश में वर्तमान समय में जिलों के अलग-अलग स्थान पर 48 इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम सक्रिय तौर पर कार्य कर रहे हैं, जिसमें लगाए गए 180 एआई कैमराज की मदद से ट्रैफिक वाइलेट्र्स के चालान काटे जा रहे हैं। वर्तमान समय में करीब 25 आइटीएमएस को इंस्टॉल करने का कार्य प्रगति पर है, जो शीघ्र ही यह कार्य करना शुरू कर देंगे। हिमाचल प्रदेश पुलिस द्वारा किए गए कल आठ लाख चालानों में 33 करोड़ रुपए की राशि बतौर जुर्माना वाहन नियमों का उल्लंघन करने वालों से प्राप्त हुई है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरवीर सिंह राठौर टीटीआर शिमला ने बताया कि हिमाचल प्रदेश में एकीकृत वाहन प्रबंधन प्रणाली (आईटीएमएस) का उपयोग करने पर वाहन दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं वाहन चालकों के व्यवहार में मनोवैज्ञानिक परिवर्तन आने से कई सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं।

दभोटा में युवकों पर तलवार और दराट से किया हमला, तीन घायल

अनंत ज्ञान, बीबीएन

पुलिस चौकी दभोटा क्षेत्र में युवकों के दो गुटों में जमकर तलवार व दराटियां चलीं। इस घटना में कम से कम तीन युवकों को चोटें आई हैं। पुलिस ने नौ लोगों के खिलाफ नामजद और तीन-चार अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करके मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है।

उपमहानिरीक्षक मोहित चावला के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस चौकी दभोटा में संदीप कुमार नामक युवक ने तहरीर सौंपी कि वह कुछ दोस्तों के साथ जा रहा था तभी दभोटा के रहने वाले सतीश सैणी, राजीव, अमित, हनी, कुलवीर सिंह, संजू, बिल्ला व संजू के साथ तीन चार अन्य युवकों ने उनपर तलवार व दराटियों के साथ अन्य तेजधार हथियारों से हमला कर दिया। इस घटना में उसके व उसके दो दोस्तों को चोटें आई हैं। नालागढ़ पुलिस थाने में इस मामले में रिपोर्ट दर्ज करके पुलिस की ओर से कार्रवाई की जा रही है।

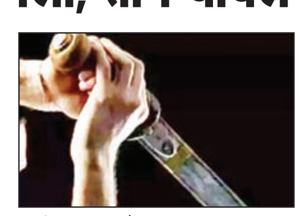

मौसम शीतलहर की चपेट में हिमाचल, छह स्थानों का पारा माइनस में पहुंचा

26 से हिमाचल में बर्फबारी की संभावना

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

हिमाचल प्रदेश में मौसम के लगातार साफ रहने के बावजूद प्रदेश में ठंड का प्रकोप देखने को मिल रहा है, समूचा प्रदेश शीतलहर की चपेट में है। प्रदेश में करीब छह जगहों पर पारा माइनस में चला गया है और कई स्थानों पर रात का तापमान सामान्य से नीचे चल रहा है। मैदानी व निचले इलाकों में भारी कोहरा पड़ रहा है।

कोहरे ने जहां एक तरफ रफ्तार थाम ली है, वहीं दूसरी और इससे तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। हिमाचल प्रदेश में सुंदरनगर, भुंतर, कल्पा, कुकुमसेरी, सेओबाग, समधो में तापमान शून्य से नीचे चला गया है। सुंदरनगर में रात का तापमान माइनस 0.4 डिग्री, माइनस 0.6 डिग्री, कल्पा माइनस 1.2 डिग्री, कुकुमसेरी में माइनस 10.9 डिग्री, सेओबाग में माइनस 0.2 डिग्री और समधो में माइनस 6.7 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया है, जबकि सोलन में पारा 0.0 डिग्री तक पहुंच गया है और मनाली में 0.6 डिग्री, मंडी में 0.2 डिग्री, कांगड़ा में 1.6 डिग्री, नारकंडा में 1.1 डिग्री, रिकांगपिओ में 1.5 डिग्री और सराहन में 2.0 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया है।

इसके अलावा शिमला में न्यूनतम तापमान 3.0 डिग्री और धर्मशाला में 5.2 डिग्री रहा है। हालांकि प्रदेश में अभी भी कई जगह दिन का तापमान सामान्य से ज्यादा चल रहा है। भुंतर में तापमान सामान्य से 4.1 डिग्री, कल्पा में 7.7 डिग्री, केलांग में 11.1 डिग्री और कांगड़ा में 2.1 डिग्री अधिक है। भुंतर में अधिकतम तापमान 19.6 डिग्री, कल्पा में 12.0 डिग्री, केलांग में 7.1 डिग्री और कांगड़ा में 18.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया है। इसके अलावा शिमला में अधिकतम तापमान 12.1 डिग्री, धर्मशाला में 17.0 डिग्री, सोलन में 18.2 डिग्री और डलहौजी में 9.9 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। वहीं, प्रदेश में 26 जनवरी से मौसम खराब होने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक 26 से 28 जनवरी तक प्रदेश में कुछ स्थानों पर बारिश व बर्फबारी हो सकती है।

फाइल फोटो

लाहौल में मशालें जलाकर भगाईं बुरी आत्माएं

तोद व रंगलो में हालड़ा उत्सव की धूम, विधायक रवि ठाकुर व पूर्व मंत्री रामलाल मार्कंडेय ने दी बधाई

कमलेश वर्मा, केलांग

शीतमरुस्थल जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति में देवी-देवताओं और पुण्य आत्माओं को समर्पित हालड़ा उत्सव की धूम शुरू हो गई है। इसी कड़ी में हालड़ा पर्व रविवार को रंगलो घाटी से इसका आगाज हो गया है। हालड़ा उत्सव 21 से 25 जनवरी तक मनाया जाएगा।

मंगलवार को तोद घाटी, 23 को तिनन तथा गाहर, जबकि 25 जनवरी को पट्टन घाटी में इस उत्सव की धूम रहेगी। वहीं, गाहर वैली में हालड़ा यानी नववर्ष इस साल जनवरी माह के 23 जनवरी को होना निश्चित हुआ है। शाशुर गोंपा के भंडारी नवांग उपासक ने बताया कि गाहर वैली का हालड़ा त्यौहार इस बार बौद्ध पंचांग के 12वें महीने के त्रयोदशी, यानी छेपा को मनाना तय किया गया है। उधर, सोमवार को तोद घाटी के सभी ग्रामीणों ने अपने ईष्ट देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना कर शाम को मशालें जलाई। ग्रामीणों ने एक-दूसरे को खुशहाली के लिए कामना की। ग्रामीणों सोनम, टशी, पलजोर, दोरजे, राहुल व विक्रम ने बताया कि ग्रामीण जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति अपनी अनूठी परंपरा और समृद्ध संस्कृति को संजोए हैं। उन्होंने बताया कि मशाल को पतली लकड़ियों से तैयार किया गया। मशाल बनाने वाले के सामने एक बर्तन में अर्क या छांग पेय, जिसके तीन कोनों में मक्खन के टुकड़े से सजाया।

व्यक्ति जिसके मां-बाप जीवित हैं, उसके द्वारा देवदार के पत्ते से इष्ट देवता के नाम पर पेय को छिड़काव करते ही हालड़ा शुरू हो गया। लाहौल-स्पीति के विधायक रवि ठाकुर सहित पूर्व मंत्री रामलाल मार्कंडेय ने लाहौल घाटी के लोगों को हालड़ा उत्सव की बधाई दी। (अनंत ज्ञान)

भूत-प्रेत से बचने के लिए मनाते हैं हालड़ा

लाहुल-स्पीति के इतिहासकार मोहन लाल के अनुसार माघ के महीने में लोग भूत-प्रेत से बचने के लिए हालड़ा उत्सव मनाते हैं। कहा जाता है कि माघ महीने में देवी-देवता स्वर्ग प्रवास पर जाते हैं। ऐसे में इलाके में भूत-प्रेतों का खतरा बढ़ जाता है। इन भूत-प्रेतों से बचने के लिए लाहौल-स्पीति में हालड़ा उत्सव मनाया जा रहा है। इसकी शुरुआत तोद घाटी से हो गई है। आने वाले दिनों में फरवरी में अन्य त्योहार, कुं, कुस, फागली, गोची, योर, दछांग आदि त्योहार मनाए जाएंगे।

लाहॉल घाटी के सिस्सू में हालड़ा उत्सव मनाते लोग।

प्राण प्रतिष्ठा को लेकर कार्यक्रम आयोजित

सोलन में निकाली शोभायात्राओं के दृश्य

सोलन में आयोजित शोभायात्रा में लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा और एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सोलन के चिल्ड्रन पार्क में जलाए गए दीपक।

राममयी हुआ राजगढ़, हवन-यज्ञ का आयोजन

राजगढ़ बाजार में लड्डू बांटते रामभक्त।

राजगढ़। मर्यादा पुरुषोत्तम राम की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा एवं स्थापना के पावन मौके पर सनातन धर्म मंदिर राजगढ़ में आज सुबह सर्व प्रथम पूजन व सुंदरकांड पाठ किया गया। उसके बाद हवन यज्ञ संपन्न करवाया गया। इसमें दर्जनों कई राम भक्तों ने आहुति डाल कर पुण्य प्राप्त किया और मंदिर परिसर में लगातार भजन कीर्तन चलता रहा। इसके बाद उपस्थित प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भक्तों को दिखाया गया। इसके साथ-साथ क्षेत्र के आराध्य देव शिरगुल महाराज के मंदिर में भी भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। उधर, पूरे बाजार में जगह जगह प्रसाद वितरण का कार्यक्रम चलता रहा। उधर, सनातन धर्म मंदिर परिसर में मंदिर कमेटी द्वारा विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया।

तारूवाला चौराहा बना श्रीराम चौक

श्रीराम चौक पर श्रीराम की जय का उद्घोष करते रामभक्त।

पांवटा साहिब। एक और जहां पूरा देश राममय है वहीं, आस्था की नगरी पांवटा साहिब भी पूरा दिन जय श्री राम के नारों से गूंजती रही। जगह- जगह सभी मंदिरों में भजन-कीर्तन और विशाल भंडारों का आयोजन किया गया। पांवटा साहिब के बद्रीपुर-राजबन रोड पर स्थित तारूवाला चौक आज के बाद श्रीराम चौक के नाम से जाना जाएगा। पांवटा के विधायक सुखराम चौधरी ने विधिवत इस चौक का श्री राम चौक के नाम से नामकरण किया। इस मौके पर स्थानीय पार्षद के अलावा तारूवाला के कई गणमान्य व्यक्ति रहे मौजूद रहे।

शूलिनी मंदिर में सुबह-शाम जले 551 दीप

शूलिनी माता के दरबार में दीप जलाते लोग।

सोलन। रामलला की अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर सोमवार की सुबह सोलन के मां शूलिनी मंदिर में 551 दीये जलाए गए। सोमवार की सुबह साढ़े छह बजे ही शूलिनी मंदिर परिसर में 551 दीप प्रज्वलित किए गए। मां शूलिनी सेवा ट्रस्ट ने आज शूलिनी मंदिर परिसर में सुबह 6.30 बजे 551 दीप जलाकर भगवान राम का स्वागत किया। रमां शूलिनी सेवा ट्रस्ट के ट्रस्टी सूरज ने बताया कि साढ़े पांच सौ साल बाद यह ऐतिहासिक पल आया है। हमें इसे दिवाली की तरह ही मनाना चाहिए। जिस तरह हमने दीपावली पर दीप जलाएं हैं, उसी तरह प्रत्येक देशवासी अपने घर में आज दीप जलाएं।

परशुराम की तपोस्थली भी हुई राममय

भंडारे का वितरण करते युवा।

श्रीरेणुका जी। ददाहू- रेणुका जी तीर्थ के प्रवेश द्वार में सोमवार को एक विशाल रैली का आयोजन किया गया। उत्साही राम भक्तों की ओर से किए जा रहे श्री राम के उद्घोष से पूरे क्षेत्र का माहौल भक्तिमय हो उठा। इस अवसर पर जगह-जगह छबील लगाकर विभिन्न तरह के प्रसाद वितरित किए गए। दिन भर चले इस कार्यक्रम के पश्चात विभिन्न संगठनों द्वारा आतिशबाजी का आयोजन किया गया। इस दिन को दीपावली की तरह मनाया।

पांवटा बार एसोसिएशन ने लगाया भंडारा

पांवटा साहिब कोर्ट परिसर में भंडारे का प्रसाद बांटते अधिवक्ता।

पांवटा साहिब। भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा पर सभी मंदिरों में विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया। भक्तों ने भंडारा भी ग्रहण किया। वहीं, बार एसोसिएशन पांवटा साहिब ने भी कोर्ट परिसर में ही प्रसाद वितरित किया।

किसानों पर सूखे की मार, दो माह में फसलों को 49.18 लाख का नुकसान

जिला कृषि विभाग सोलन ने प्रदेश सरकार को भेजी सूखे से हुए नुकसान की रिपोर्ट

आर मोहन चौहान, सोलन

पिछले लंबे अरसे से बारिश न होने के कारण सोलन जिले के किसानों को सूखे की मार झेलनी पड़ रही है। इस वर्ग को अब अपनी आजीविका की चिंता सताने लगी है। सूखे की स्थिति के कारण जिला में दो माह के दौरान फसलों को 49.18 लाख का नुकसान हो चुका है। जिला कृषि विभाग ने प्रदेश सरकार को सूखे की रिपोर्ट भेजी है।

बारिश न होने से रबी सीजन की लगभग सभी फसलें सूखे की चपेट में हैं। यदि आगामी दिनों में बारिश न हुई तो स्थिति गंभीर हो सकती है। जिला कृषि उपनिदेशक कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार कृषि विभाग ने जिला में विभिन्न फसलों को हुए नुकसान की रिपोर्ट को कंपाइल करके कृषि निदेशक कार्यालय शिमला भेज दिया है, जहां से यह रिपोर्ट प्रदेश सरकार को भेजी जाएगी।

जिला सोलन में सूखे के चलते बीते दो माह में फसलों को करीब 49.18 लाख का नुकसान हो चुका है। विभाग ने नुकसान की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर सरकार को भेज दी है। वर्तमान में सबसे अधिक क्षेत्र में गेहूं की फसल को हुआ है।

-डॉ. सीमा, जिला कृषि अधिकारी सोलन।

विभाग से मिली जानकारी के अनुसार पिछले दो माह मे सबसे अधिक नुकसान गेहूं की फसल को हुआ है। आंकड़ों पर गौर करें तो गेहूं को 26 लाख, मटर को अढ़ाई लाख, अन्य सब्जियों को 7.33 लाख के करीब नुकसान सूखे के चलते हो चुका है। विभाग का कहना है कि वर्तमान में जिला सोलन में किसानों ने 24 हजार हेक्टेयर में फसलों की बिजाई की हुई है, जिसमें से सात हजार हेक्टेयर के करीब क्षेत्र सूखे की चपेट में आ गया है।

किसान लंबे समय से बारिश का इंतजार कर रहे है। जिला में अब तक 30 प्रतिशत गेहूं की फसल सूखे के चलते प्रभावित हो चुकी है। यदि जनवरी माह में भी बारिश न हुई तो स्थिति गंभीर हो सकती है। जिला सोलन में 15 दिसंबर तक किसान गेहूं की बिजाई का कार्य पूरा कर लेते है। इसके बाद सिंचाई की आवश्यकता होती है। यदि 15 दिसंबर के बाद बारिश हो जाए तो पैदावार अच्छी हो जाती है, लेकिन इस बार तो जनवरी माह भी आधा बीत चुका है व अभी तक बारिश नहीं हुई है। (अनंत ज्ञान)

12 हजार हेक्टेयर क्षेत्र बारिश पर निर्भर

सोलन जिले में 21300 हेक्टेयर क्षेत्र में गेहूं की खेती होती है। इसमें से 12 हजार हेक्टेयर क्षेत्र बारिश पर निर्भर है, जबकि शेष क्षेत्र में सिंचाई की अच्छी सुविधा है। बीबीएन, धर्मपुर, कुनिहार, अर्की सहित अन्य क्षेत्रों में गेहूं की अच्छी पैदावार होती है। सिंचाई की सुविधा अधिकतर बीबीएन क्षेत्र में है।

जिला में गेहूं की बिजाई 15 दिसंबर तक होती है। इसके बाद अगले 15 दिन तक सिंचाई के लिए बारिश की आवश्यकता होती है। सूखा पड़ने से गेहूं की फसल पर काफी प्रभाव पड़ा है। सूखा पड़ने से गेहूं का दाना विकसित नहीं हो पाता।

फतेहगढ़ में आठ दिन जेल में काटी आज मिला फल : कुलदीप गुप्ता

अनंत ज्ञान ब्यूरो, सोलन

अपनी राम कहानी सुनाते कुलदीप गुप्ता

अयोध्या में राम मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा को देखते हुए सोलन में भी कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। सोलन के कई लोग ऐसे हैं, जो इस राम मंदिर निर्माण के संघर्ष में शामिल रहे हैं। सोलन के माल रोड निवासी कुलदीप गुप्ता 1990 में इस संघर्ष में आठ दिन तक फतेहगढ़ जेल में रह चुके हैं। आज जब अयोध्या में मंदिर बनकर तैयार हो चुका है और राम मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा हुई, कुलदीप गुप्ता इससे बेहद प्रसन्न हैं। 33 साल बाद उनका सपना साकार हुआ है।

उन्होंने कहा कि 1990 का वह दौर उन्हें आज भी याद है, जब वह कार सेवक के तौर पर हिमाचल प्रदेश के 51 लोगों के साथ अयोध्या के लिए रवाना हुए थे। उत्तर प्रदेश में उनकी गिरफ्तारी हुई थी। इस दौरान आठ दिन तक उन्हें जेल में रहना पड़ा था। उन्होंने कहा कि आज उनके लिए गौरव का क्षण है। जिस संघर्ष में वह शामिल हुए उस संघर्ष का आज फल मिल गया है।

राहुल गांधी की न्याय यात्रा में अवरोध डालना गलत

सोलन। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डा. कर्नल धनीराम शांडिल ने असम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में अवरोध डालना उनके साथ अभद्र व्यवहार करने की निंदा की है। उन्हें कहा कि भारत जोड़ो यात्रा शांतिपूर्ण तरीके से बेरोजगारी, कानून व्यवस्था और नशे की कुरीति खिलाफ शुरू की गई है, जिसका उद्देश्य सामाजिक समरसता लाना और युवाओं को रोजगार दिलाना है। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्वक यात्रा में अवरोध डालना लोकतंत्र के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। देश के विकास तभी तेजी आएगी जब देश का माहौल में स्थिरता और शांति होगी। उन्होंने कहा कि असम सरकार को इसका संज्ञान लेना चाहिए और उचित कार्रवाई भी की जानी चाहिए। कर्नल ने कहा कि राहुल गांधी की आंतरिक शक्ति से यह यात्रा नियंत्रण जारी रहेगी और अपने मुकाम तक पहुंचेगी। इस अवसर पर जिला सोलन कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शिव कुमार और जोगिंद्रा सहकारी बैंक के चेयरमैन मुकेश शर्मा भी मौजूद थे।

कंडाघाट क्षेत्र में आज रहेगी बिजली

सोलन। आज 33/11 केवी उपकेंद्र में किए जाने वाले आवश्यक रखरखाव व बिजली की लाइनों की मरम्मत के कार्य को कुछ विशेष कारणों से स्थगित कर दिया है। इस कारण आज कंडाघाट उपमंडल के कुछ क्षेत्रों में लगने वाला बिजली कट अब नहीं लगेगा। कंडाघाट बिजली उपमंडल के सहायक अभियंता चंदन कुमार शर्मा ने बताया कि भविष्य में बाधित होने वाली बिजली आपूर्ति के

जखरोड़ा में आज सरकार गांव के द्वार कार्यक्रम

सोलन। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल आज प्रात: 11 बजे कसौली विधानसभा क्षेत्र की पंचायत नारायणी के जखरोड़ा में आयोजित होने वाले 'सरकार गांव के द्वार' कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

समिति अध्यक्ष ने किया अरट में एकल विद्यालय का उद्घाटन

समिति अध्यक्ष अरट गांव में एकल विद्यालय का उद्घाटन करते हुए।

अनंत ज्ञान, संगड़ाह

पंचायत समिति संगड़ाह के निवर्तमान अध्यक्ष मेलाराम शर्मा ने आज संगड़ाह विकास खंड के गांव अरट में एकल विद्यालय का उद्घाटन किया। भारत लोक शिक्षा परिषद स्वयंसेवी संगठन के सौजन्य से खोले गए इस एकल विद्यालय में 15 वर्ष तक के बच्चों को प्रतिदिन नैतिक शिक्षा का पाठ पढ़ाया जाएगा। मेला राम शर्मा ने बताया कि अरट गांव में इस विद्यालय के खुलने से रेणुका क्षेत्र में एकल विद्यालयों की संख्या बढ़ कर 360 हो गई है] जबकि सिरमौर जिले में इन विद्यालयों की संख्या 1200 से अधिक हो गई है।

इस अवसर पर पूर्व पंचायत समिति सदस्य मोहन सिंह पूर्व पंचायत प्रधान ज्ञान ठाकुर और पंचायत सदस्य अनीता देवी भी उपस्थित थे।

प्राण प्रतिष्ठा को रक्तदान शिविर लगाकर क्योरटेक ग्रुप ने बनाया यादगार

101 यूनिट रक्त एकत्रित कर होगी लोगों की मदद

अनंत ज्ञान, बीबीएन

सीपीएस राम कुमार रक्तदान शिविर का शुभारंभ करते हुए।

अमित सिंगला सोशल वेलफेयर सोसायटी व क्योरटेक ग्रुप की ओर से भगवान रामलला की मूर्ति प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर में 101 लोगों ने रक्तदान किया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ सीपीएस राम कुमार चौधरी ने किया।

भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में आयोजित रक्तदान शिविर में कंपनी परिसर में 5100 दीप जलाकर हर्ष व्यक्त किया गया। सीपीएस राम कुमार चौधरी ने कहा कि देश के लिए हर्ष का विषय है और इस दिन को बड़ा बनाने का काम क्योरटेक ग्रुप व अमित सिंगला सोसायटी ने किया। उन्होंने कहा कि आज के दिन रक्तदान शिविर लगाकर रक्त एकत्रित किया गया है ताकि जरूरतमंदों को मदद मिल सके।

बद्दी क्योरटेक ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर सुमित सिंगला ने बताया कि उनके पिता स्व. प्रेमचंद सिंगला की पुण्यतिथि आज ही है। दूसरी ओर इसी दिन 500 वर्षों पश्चात भगवान रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा श्रीराम मंदिर में हो रही है। इस अवसर पर रक्तदान शिविर आयोजित कने का निर्णय लिया गया।

उन्होंने बताया कि इस रक्तदान शिविर में रोटरी क्लब व पीजीआई चंडीगढ़ की टीम के सहयोग से 101 लोगों द्वारा रक्तदान दिया गया। सिंगला ने कहा कि बीबीएन क्षेत्र में माहौल राममय हुआ है और लोगों में भारी उत्साह है। उन्होंने बताया कि स्व. प्रेम चंद सिंगला को श्रद्धासुमन अर्पित करने पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ से गणमान्य व्यक्ति पहुंचे। इस अवसर पर रामकथा का भी आयोजन किया गया।

अमित सिंगला सोशल वेलफेयर सोसायटी और क्योरटेक ग्रुप वर्ष में तीन से चार रक्तदान शिविर आयोजित करता है। इस अवसर पर तरसेम चौधरी चेयरमैन, मदन चौधरी पूर्व चेयरमैन, सुरजीत चौधरी, राहुल बंसल सहित क्योरटेक परिवार के अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित थे।

प्राण प्रतिष्ठा के दिन बसंतीबाग में रखी राम मंदिर की नींव

अनंत ज्ञान, बीबीएन

दून विधानसभा क्षेत्र के बसंती बाग में राम मंदिर निर्माण कार्य का सोमवार को भूमि पूजन हुआ। सीपीएस राम कुमार चौधरी ने भूमि पूजन करते हुए मंदिर निर्माण के लिए अपनी ओर से पांच लाख रुपए प्रदान करने की घोषणा की। उन्होंने इस अवसर पर मंदिर में स्थापित की जाने वाली मूर्तियों का व्यय वहन करने की घोषणा भी की।

उन्होंने कहा कि बद्दी में भगवान श्री राम का प्रथम मंदिर होगा और मंदिर का निर्माण एक वर्ष में पूर्ण कर लिया जाएगा वहीं, इस अवसर पर ग्राम पंचायत मंधाला में लोगों की समस्याओं सुनीं और अधिकारियों को इनके शीघ्र निपटारे के निर्देश दिए। राम कुमार ने बद्दी शहर में सोलर लाइटें और साई मार्ग के दोनों ओर डिवाइडर लगाने के लिए लगभग एक करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की।

राम मंदिर की नींव का पत्थर रखने से पहले पूजन करते हुए सीपीएस

उन्होंने कहा कि बद्दी से कालूझंडा सड़क मार्ग पर जल्द ही स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएंगी।

उन्होंने कहा कि बरोटीवाला, बनलगी, सुबाथू सड़क विस्तारीकरण के लिए 134 करोड़ रुपए की डीपीआर तैयार कर दी गई है।

जित देखो तित राम, दिनभर धार्मिक अनुष्ठान, रात को आतिशबाजी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, सोलन

प्रभु श्री राम की जन्मस्थली अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण और मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा की पावन अवसर पर सोमवार शहर के मंदिरों, देवालयों और घरों में भव्य आयोजन किए गए। एक तरफ शहर भर के मंदिरों में हवन पूजन का आयोजन किया गया, वहीं शहर भर में भंडारे लगाए गए।

श्री सनातन धर्म मंदिर लोअर बाजार में हवन पूजन और प्रदास का वितरण किया गया। वहीं, नरसिंह मंदिर टैंक रोड में हवन और भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। इसी तरह महाकालेश्वर मंदिर हाउसिंग कॉलोनी फेस-एक में भी राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य पर हवन का आयोजन किया गया। श्री सनातन धर्म मंदिर रबोन में हवन पूजन और भंडारे का प्रसाद बांटा गया। हरि मंदिर सोलन, दुर्गा मंदिर मुरारी मार्के सहित सभी मंदिरों में कोई न कोई धार्मिक अनुष्ठान किए गए। इससे पूरी सोलन नगरी राममय हो गई। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर शहर को सजावटी लाइटों से दुल्हन की तरह सजाया गया है, जिसका रात के समय नजारा देखते ही बनता है। इस पावन अवसर पर लोगों सामाजिक समरसता का संदेश देते हुए शहर के गुरुद्वारा और मस्जिद को भी सजावटी लाइटों से सजाया।

अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर मंदिर में पूजा करते भक्तजन।

इस ऐतिहासिक क्षण को यादगार बनाने के लिए खाटू श्याम सेवा समिति सोलन एक भव्य शोभायात्रा निकाली, साथ ही मुरारी मार्केट में 11000 दीये भी जलाए गए। बाद में ठोडो मैदान में आतिशबाजी भी की गई। इससे पहले खाटू श्याम सेवा समिति ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में भंडारे व धार्मिक अनुष्ठान भी आयोजित किए। श्याम परिवार ट्रस्ट सोलन ने घरों में दीये जलाने के लिए लोगों को 21 हजार दीयों का वितरण किए हैं।

श्याम परिवार ट्रस्ट सोलन के प्रधान त्रिलोक अग्रवाल ने बताया कि शोभायात्रा के बाद पुराने बस स्टैंड पर आतिशबाजी का शानदार प्रदर्शन हुआ। पुराने बस स्टैंड पर 11 हज़ार दीये जलाए कर दिवाली मनाई गई। श्रीरामलला के स्वागत में पूजा और घरों को सजाने के लिए फूलों की ऐसी कमी पड़ी कि उनके दाम आज आसमान छूने निकल पड़े। जहां बीते दिनों 70 से 80 रुपए किलो तक गेंदा बिक रहा था, सोमवार को उसके दाम 200 पर कर गए।

प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का सीधा प्रसारण

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने दुर्गा क्लब स्थित मैदान में हवन किया और भंडारे का प्रसाद वितरित किया। इसके बाद उपस्थित प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भक्तों को दिखाया गया। मर्यादा पुरुषोत्तम राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा एवं स्थापना के पावन मौके पर सनातन धर्म सभा हाउसिंग कॉलोनी की तरफ से महाकालेश्वर मंदिर में सर्वप्रथम पूजन किया गया। इसके बाद हवन यज्ञ संपन्न करवाया गया। मंदिर परिसर में लगातार भजन कीर्तन चलता रहा।

इंतजार निगम को रूट परमिट का इंतजार, श्रद्धालु आसानी से कर सकेंगे अयोध्या राम मंदिर के दर्शन

नालागढ़ से अयोध्या के लिए बस सेवा की स्वीकृति

अनंत ज्ञान, बीबीएन

नालागढ़ से अयोध्या के लिए जल्द ही बस सेवा शुरू कर दी जाएगी। हिमाचल पथ परिवहन निगम के मुख्य कार्यालय से स्वीकृति मिलने के बाद अब रूट परमिट के लिए आवेदन कर दिया गया है। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी नालागढ़ ने रूट परमिट जारी करने के लिए पत्र भेजा है। इसके मिलते ही रूट पर बस सेवा शुरू होगी। इस बस सेवा के शुरू होने से लोगों को अयोध्या में भगवान राम मंदिर के आसानी से दर्शन हो सकेंगे।

विभाग की समयसारिणी के मुताबिक बस रोजाना शाम करीब चार बजे नालागढ़ से रवाना होकर 18 से 19 घंटों के भीतर अयोध्या पहुंचेगी।

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने बस रूट जारी करने के लिए पूरी समयसारिणी बनाकर उच्च अधिकारियों को भेज दी है। इस रूट पर परमिट मिलने के बाद परिवहन विभाग घोषणा के मुताबिक नालागढ़ से वृंदावन, बद्दी से अमृतसर तक श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों के लिए बस सेवाएं आरंभ करने की प्रक्रिया शुरू करेगा।

गौरतलब रहे कि 15 जनवरी को नालागढ़ के पीरस्थान में लोहड़ी मेले में सभ्याचारक मेले में उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने नालागढ़ से अयोध्या के लिए नया रूट चलाने की घोषणा की थी, ताकि लोगों को आसानी से अयोध्या के दर्शन करवाए जा सकें।

मुकेश अग्निहोत्री ने कहा था कि दर्शन सेवा योजना के तहत हिमाचल प्रदेश के धार्मिक स्थलों से प्रदेश में स्थित एवं अन्य राज्यों के धार्मिक स्थलों के लिए भी लगभग 100 नए बस रूट आरंभ किए जाएंगे। इससे श्रद्धालुओं को प्रदेश व प्रदेश के बाहर स्थित धार्मिक स्थलों में आने-जाने की बेहतरीन सुविधा प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि नालागढ़ से अयोध्या, नालागढ़ से वृंदावन तथा बद्दी से अमृतसर तक श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों के लिए बस सेवाएं आरंभ की जाएंगी।

नालागढ़ बस स्टैंड जहां से अयोध्या के लिए बस चलाने की कोशिश की जा रही है।

बस 19 घंटे में पूरा करेगी रूट

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी नालागढ़ ने रूट परमिट के लिए आवेदन कर दिया है जिसमें समयसारिणी व रूट भी अस्थायी तौर पर तय किया गया है। जिसके मुताबिक रोजाना शाम चार बजे नालागढ़ से बस चलेगी जो कि बद्दी, चंडीगढ़, मेरठ, रामपुर, बरेली, सीतापुर, लखनऊ होकर 19 घंटों में अयोध्या पहुंचेगी।

रूट परमिट के लिए किया आवेदन : हरपाल

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी हरपाल ने बताया कि उपमुख्यमंत्री की घोषणा के मुताबिक नालागढ़ से अयोध्या के लिए बस सेवा शुरू करने की प्रक्रिया चल रही है, जिसके लिए मुख्य कार्यालय से स्वीकृति मिल चुकी है। अब बस के रूट परमिट के लिए आवेदन किया गया है, जैसे ही परमिट मिलेगा, बस सेवा शुरू कर दी जाएगी।

क्षेत्रवासी कर सकेंगे दर्शन : विधायक

नालागढ़ के विधायक केएल ठाकुर ने बताया कि उपमुख्यमंत्री ने पीरस्थान मेले से नालागढ़ से अयोध्या के लिए बस सेवा शुरू करने की घोषणा की थी, वह अतिंम चरण पर है। उन्होंने बताया कि परिवहन विभाग को स्वीकृति मिल चुकी है, अब रूट परमिट के लिए आवेदन कर दिया है। कुछ दिनों में परमिट जारी होने के बाद बस सेवा शुरू कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासियों को अयोध्या समेत अन्य धार्मिक स्थलों में आने-जाने की सुविधा मुहैया करवाने के लिए काम किया जा रहा है।

पांवटा में आज निकलेगी शोभायात्रा

पांवटा साहिब। भगवान राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर कार्यक्रम जोरों पर चल रहे हैं। इसी कड़ी में पांवटा साहिब शहर में 23 जनवरी को शोभायात्रा श्रद्धा व उत्साह के साथ निकाली जाएगी। इसको लेकर सभी हिंदू संगठनों के सदस्यों ने तैयारियां पूरी कर ली हैं।

23 जनवरी को शहर में शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा को ध्यान में रखते हुए विधायक सुखराम चौधरी व हिंदू संगठनों के लोगों ने पांवटा के डीएसपी मानवेंद्र ठाकुर के साथ शोभायात्रा के चलते रूट प्लान की चर्चा की व रूट प्लान जारी किया। इस दौरान डीएसपी पांवटा मानवेंद्र ठाकुर ने बताया कि शिव मंदिर पातलियों से यह शोभायात्रा आरंभ होगी। इस दौरान पीसीआर व ट्रैफिक पुलिस कर्मी यातायात व्यवस्था को सुचारु रूप से चलाने के लिए मुस्तैद रहेंगे।

हर दिल, हर जगह राम ही राम

कांगड़ा जिले में हर गली और मोहल्ले में श्रीराम के उद्घोष की गूंज

500 साल बाद देश में भगवान श्रीराम का मंदिर बना है। यह सभी के लिए गौरव की बात है। इस दिन को पूरे भारत वर्ष में एक उत्सव की तरह मनाया जा रहा है

मंदिरों में दिनभर गूंजते रहे भजन-कीर्तन, जगह-जगह सजे भंडारे

रमेश ठाकुर, शाहपुर

अयोध्या में बने राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर देशभर के मंदिरों में एक उत्सव का माहौल है। इसी को लेकर जगह-जगह कई प्रकार के आयोजन किया जा रहे हैं। इसी कड़ी में शाहपुर के भाजपा नेता और समाजसेवी कमल शर्मा की ओर से शाहपुर बाजार में जलेबी का लंगर लगाया गया।

इसी के साथ श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का लाइव प्रसारण भी लोगों को दिखाया गया। कमल शर्मा ने कहा कि 500 साल बाद देश में भगवान श्रीराम का मंदिर बन रहा है। यह सभी के लिए गौरव की बात है। इस दिन को पूरे भारतवर्ष में एक उत्सव की तरह मनाया जा रहा है। वहीं, अयोध्या में बने श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर देशभर के मंदिरों में एक उत्सव का माहौल है। इसी कड़ी में शाहपुर की करतार मार्केट के दुकानदारों की तरफ से करतार मार्केट में चाय, लड्डू और चने का लंगर लगाया गया। इस मौके पर करतार मार्केट के मालिक अभिषेक शर्मा ने कहा कि 500 साल बाद देश में भगवान श्रीराम का मंदिर बन रहा है। यह सभी के लिए गौरव की बात है इस दिन को पूरे भारत वर्ष में एक उत्सव की तरह मनाया जा रहा है। (अनंत ज्ञान)

गरली। दयाल नैहरनपुखर में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, सीता माता व हनुमान जी की भव्य झांकी के साथ अयोध्या में आयोजित प्रभु श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा का जश्न मनाया।

सद्दूं में भक्तों ने निकाली शोभायात्रा

नगरोटा बगवां। नगरोटा बगवां विधानसभा हलके के तहत सद्दूं बाजार में रविवार को लोगों ने शोभायात्रा निकाली। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर यह शोभायात्रा निकाली गई। इसमें हर वर्ग से सैकड़ों भक्तों ने शिरकत की। इस अवसर पर एंटी टेररिस्ट फ्रंट के अध्यक्ष बलविंद्र सिंह बबलू, सुनील चौधरी, पंकज कौशल, डिंपल कुमार, शुभम ठाकुर, कश्मीर सिंह, सुनील ठाकुर, महेंद्र चौधरी मनु ठाकुर आदि मौजूद रहे। एंटी टेररिस्ट फ्रंट के अध्यक्ष बलविंद्र सिंह बबलू ने बताया कि सोमवार को अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य पर सद्दूं में स्थानीय लोगों द्वारा विशाल लंगर लगाया जाएगा। एंटी टेररिस्ट फ्रंट के अध्यक्ष बलविंद्र सिंह बबलू ने बताया कि क्षेत्र के मंदिरों में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर खूब उत्साह है। वहीं, पूरे इलाके में दिवाली का माहौल है।

कहीं निकली झांकियां, तो कहीं लगे भंडारे

पालमपुर। भगवान राम के मंदिर अयोध्या में हुई प्राण प्रतिष्ठा की खुशी में पूरे पालमपुर उपमंडल में भी उत्स्व जैसा माहौल बन गया। क्षेत्र में ऐसा कोई मंदिर नहीं बच जहां पूजा-अर्चना नहीं हुई हो। राम भगवान में आस्था रखने वाले हर छोटे-बड़े आदमी ने अपने-अपने तरीके से इस उत्सव को मनाते हुए नजर आए। सोमवार को भक्तों ने राम, सीता लक्ष्मण हनुमान की जगह-जगह झांकियां निकाल कर आस्था का परिचय दिया, तो मंदिरों में खीर और हलवा तो कई जगह पर भोजन के भंडारे लगा कर इस रामोउत्सव मनाया गया।

लड्डू बांटकर मनाई खुशी

डाडासीबा। सोमवार को डाडासीबा में अयोध्या में श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर स्थानीय लोगों ने लड्डू बांटकर खुशी मनाई। इस अवसर पर पूर्व कर्मचारी एवं कामगार कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष सुरेंद्र मनकोटिया, ब्लॉक महिला अध्यक्ष अनुराधा सपेहिया, जिला परिषद सदस्य पुष्पा मिन्हास, प्रधान पंचायत डाडासीबा परमेश्वरी दास, व्यापार मंडल के अध्यक्ष राजेंद्र गोगा सहित स्थानीय लोग व दुकानदार शामिल रहे। इस दौरान डाडासीबा बाजार में श्रीराम के उद्घोषों से गूंज उठा।

जगह-जगह भंडारों का आयोजन

नगरोटा बगवां विधानसभा हलके के तहत सद्दूं बाजार में श्रीराम भगवान के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के उपलक्ष्य पर शोभायात्रा निकालते हुए भक्तजन।

नगरोटा बगवां बाजार में श्रीराम भगवान के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के उपलक्ष्य पर चाय पिलाते हुए।

सिविल अस्पताल नगरोटा बगवां के समीप व्यापारी वर्ग ने श्रीराम लला मूर्ति स्थापना अवसर पर लंगर लगाया।

तंगरोटी। विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता नरेंद्र वालिया और महिलामंडल के कुलदेह धीमान और बंदना चौधरी के सहयोग से राम मंदिर में पूजा-अर्चना करते हुए।

बस्सी फर्नीचर हाउस ठारू में श्रीराम लला की अयोध्या में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा की खुशी में लोगों को प्रसाद बांटा गया।

वाल्मीकि सभा योल के पदाधिकारी खीर का लंगर बांटते हुए।

न्यूगल पब्लिक स्कूल भवारना में श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य पर विभिन्न कार्यक्रम हुए। सुंदरकांड व हनुमान चालीसा के अतिरिक्त भजन-कीर्तन बच्चों व अध्यापकों द्वारा किया गया। राम परिवार की मनमोहक छवि बच्चों द्वारा प्रस्तुत की गई।

किशोरी लाल ने भगवान श्रीराम को किया याद

बैजनाथ। मुख्य संसदीय सचिव कृषि, पशुपालन, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज किशोरी लाल ने कहा कि अयोध्या में भगवान राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के ऐतिहासिक अवसर है। उन्होंने कहा कि शिव मंदिर बैजनाथ में भी भगवान राम को याद किया गया। इस अवसर पर उनके चरणों में दीप जलाकर भगवान राम का भव्य स्वागत किया है। उन्होंने यहां आयोजित सुंदरकांड पाठ में भाग लिया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में वे स्वयं अयोध्या जा कर राम भगवान के दर्शन करेंगे। इसके अलावा बैजनाथ में आज विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा श्रीराम नाम के गीत-गाते हुए रेलियां भी निकाली।

सवा क्विंटल खीर व देसी घी हलवे का प्रसाद किया वितरित

राममयी हुई ज्वालामुखी नगरी

पंकज सोनी, ज्वालामुखी

शक्तिपीठ ज्वालामुखी में आज अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के चलते स्थानीय कीर्तन मंडलियों ने प्रभात फेरी निकाली और भगवान राम का गुणगान किया।

कीर्तन मंडली की महिलाओं व स्थानीय राम भक्तों ने शहर की परिक्रमा के बाद ज्वालामुखी मंदिर में शीश नवाया और भजन कीर्तन किया। स्थानीय युवाओं ने श्री राम के नारे लगाकर माहौल को राममयी बनाया। इसी उपलक्ष्य पर आज ज्वालामुखी मंदिर न्यास व पुजारी वर्ग के सहयोग से सवा क्विंटल खीर व देशी घी के हलवे का भोग ज्वालामुखी माता को लगाया। इसके बाद प्रसाद सभी भक्तों में वितरित किया गया। ज्वालामुखी नगरी में जगह-जगह चौक चौराहों पर राम भजन कीर्तन व भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। पुजारी व न्यास सदस्य अविनेद्र शर्मा ने बताया कि आज भगवन राम की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य पर सवा क्विंटल खीर व हलवे का प्रसाद वितरित किया जा रहा है। (अनंत ज्ञान)

न्यूज ब्रीफ

भाजपा नेताओं ने लिया प्रभु श्रीराम का आशीर्वाद

पालमपुर। प्रधानमंत्री के आह्वान पर देश के हर मंदिर में 22 जनवरी को पूजा कई दृष्टि से पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार ने पालमपुर के राधा कृष्ण मंदिर में पूजा-अर्चना की। वहीं, भाजपा के महामंत्री त्रिलोक ने पट्टी के प्राचीन मंदिर बनोटू में इसी कड़ी में माथा टेक कर प्रभु राम का गुणगान किया। उधर, पूरा विधायक प्रवीण शर्मा ने चिंबलहार के नागनी मंदिर इस अनुष्ठान में भाग लिया।

श्रीराम सेवादल ने निकाली शोभा यात्रा

कांगड़ा। श्रीराम सेवादल शाहपुर द्वारा अयोध्या में श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य पर शोभा यात्रा निकाली गई। यह शोभा यात्रा डोहब से शुरू हो कर छतरी, रैत, कुठार ओर शाहपुर से हो कर डोहब में समाप्त हुई। इस शोभा यात्रा में लगभग 50 कार जीप व बाइक शामिल हुए। जानकारी देते हुए सेवादल के कावेश, रजत, गोलू ने बताया कि यात्रा के दौरान हलवा पूरी भी बांटा गया। यात्रा में श्रीराम का गुणगान करते हुए भारी संख्या में महिलाएं शामिल हुई।

मंत्री यादविंद्र गोमा 27 को दरगेला में

शाहपुर। यादविंद्र गोमा आयुष एवं खेल मंत्री दिनांक 27 जनवरी को शाहपुर के दरगेला गांव के छिंज मैदान में जनसभा को संबोंधित करेंगे। यह जानकारी देते हुए भूतपूर्व अर्द्धसैनिक बल कल्याण संगठन जिला कांगड़ा अध्यक्ष एमएल ठाकुर ने भूतपूर्व अर्द्धसैनिक बलों के सदस्यों से अनुरोध है कि 27 जनवरी को उक्त स्थान पर परिवार के सदस्यों सहित अधिक से अधिक संख्या में सुबह दस बजे उपस्थित होने की कृपा करें व जिससे आयुष एवं खेल मंत्री को अपनी समस्याओं के बारे में जानकारी दे सकें।

रैली को लेकर विधायक केवल पठानिया से की भेंट

शाहपुर। भूतपूर्व अर्द्धसैनिक बल कल्याण संगठन का एक शीर्षमंडल संगठन के प्रदेश चीफ पैटर्न एवं जिला कांगड़ा अध्यक्ष एमएल ठाकुर के नेतृत्व में सोमवार को रैत में विभिन्न मुद्दों को ले कर शाहपुर के विधायक केवल सिंह पठानिया से मिला। एमएल ठाकुर ने बताया कि भूतपूर्व अर्द्धसैनिक बलों की प्रदेश स्तरीय होने वाली संभावित रैली, जिसमे मुख्यातिथि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू होंगे। तथा पूर्व अर्द्धसैनिक बल के लिए शाहपुर में विश्राम गृह की भूमि की स्वीकृति को ले कर केवल सिंह पठानिया को अवगत करवाया।

जिला स्तरीय लोक शिकायत निवारण समिति की गठित

डाडासीबा। हिमाचल प्रदेश सरकार के लोक शिकायत निवारण विभाग द्वारा जिला स्तरीय लोक शिकायत निवारण समिति गठित की। इसमें जसवां परागपुर विधानसभा क्षेत्र से अनुराधा ठाकुर, करतार जस्सल, मुल्तान सिंह, अंजना कुमारी, सूरज राणा, वरिंद्र राणा, ममता कुटाल, रतन चंद कौंडल, रंजीत सिंह परमार, भाग सिंह को सदस्य के रूप में शामिल किया गया। कमेटी में शामिल किए जाने पर सदस्यों ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू व पूर्व कर्मचारी एवं कामगार कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह मनकोटिया का धन्यवाद किया।

नगरोटा बगवां के पंचायत चाहड़ी के सदस्यों ने सोमवार को अयोध्या में भगवान रामजी के मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य पर हलवे के प्रसाद का भंडारा लगाया गया।

इंदौरा में राम भक्तों ने निकाली प्रभात फेरी

अनंत ज्ञान, इंदौरा

विधानसभा क्षेत्र इंदौरा में आज कई शंख ध्वनि के बीच संत महात्माओं के सानिध्य में आज दोपहर एक बजे अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में चलते इंदौरा कीर्तन मंडलियों ने प्रभात फेरी निकाली और भगवान श्रीराम का गुणगान किया।

इंदौरा बाजार में प्रभात फेरी निकालते हुए राम भक्त।

विभिन्न स्थानों पर विभिन्न रामलीला क्लबों द्वारा कीर्तन मंडलियों द्वारा आज विशाल रथ पर स्वर श्रीराम, सीता, लक्ष्मण व हनुमान की विशाल रथ शोभा यात्राएं बैंड बाजे डीजे की धुन पर शोभा यात्रा निकाली और स्थानीय युवाओं व महिलाओं ने श्रीराम के नारे लगाकर माहौल को राममयी बनाया। वहीं, जगह-जगह चौक चौराहे पर राम भजन-कीर्तन व भंडारे का आयोजन किया गया। भगवान श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के उपलक्ष्य पर कई जगह पर बड़ी-बड़ी स्क्रीन पर लाइव प्रशासन दिखाने की व्यवस्था की गई थी। वहीं, भंडारे का आयोजन किया गया। आज रात को देसी घी के दीपक घर-घर में जलाए जाएंगे और मंदिर में भी दीपमालाएं की गई। इस विशाल रथ शोभा यात्रा में इंदौरा क्षेत्र के विधायक मलेंद्र राजन बतौर मुख्यातिथि उपस्थित रहे। उन्हें बताया कि आज बच्चे बच्चे की जुबान पर भगवान श्रीराम का नाम है पूरा इंदौरा शहर भगवान श्री राम के नाम से गूंज रहा है। आज एक ऐतिहासिक दिन है, जिसके हम सभी साक्षी बने हैं और भगवान राम 500 वर्ष बाद अपने भव्य मंदिर अयोध्या में विराजमान हुए हैं।

लड्डू बांटे

डाडासीबा। सोमवार को डाडासीबा में अयोध्या में श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर स्थानीय लोगों ने लड्डू बांटकर खुशी मनाई। इस अवसर पर पूर्व कर्मचारी एवं कामगार कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष सुरेंद्र मनकोटिया, ब्लॉक महिला अध्यक्ष अनुराधा सपेहिया, जिला परिषद सदस्य पुष्पा मिन्हास, प्रधान पंचायत डाडासीबा परमेश्वरी दास, व्यापार मंडल के अध्यक्ष राजेंद्र गोगा सहित स्थानीय लोग व दुकानदार शामिल रहे।

भंडारा सजा

नगरोटा बगवां। सोमवार को श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में नगरोटा बगवां बाजार में जगह-जगह कीर्तन व भंडारे का आयोजन किया गया।

पंचरुखी में निकाली शोभायात्रा

अजय पाल, पंचरुखी

ऐतिहासिक नगरी अयोध्या में आयोजित युगांतकारी दिवस श्री रामलला मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा का महोत्सव विधानसभा जयसिंहपुर के पंचरुखी में भी बड़ी धूमधाम से मनाया।

जय श्रीराम के जयकारों के साथ सैकड़ों राम भक्तों संग पंचरुखी के मच्छयाल घाट अंद्रेटा से राम परिवार का रथ अगोजर व पंचरुखी होता हुआ सलियाना में राम कथा भवन पहुंचा। पंचरुखी में भाजपा मीडिया प्रभारी प्रकाश चंद ने हलवा बांट कर शोभायात्रा का स्वागत किया।

सलियाणा में विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया। मच्छयाल घाट से श्रीराम लक्ष्मण सीता की झांकी के साथ चली पैदल शोभा यात्रा का राम भक्तों ने जगह जगह स्वागत किया।

पंचरुखी में दीपक जलाकर श्रीरामलला मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को मनाते भक्त।

देवी पंचायत में भजन-कीर्तन का दौर

डरोह। सोमवार को अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य पर एकल अभियान की संच समिति डरोह व ग्राम वासियों ने मिलजुल कर देवी पंचायत में हनुमान चालीसा, राम स्तुति का पाठ किया। अंत में प्रसाद वितरित किया गया। इससे पहले एक भव्य यात्रा भी निकाली गई। इस कार्यक्रम में आंचल अध्यक्ष विक्रम चंद, संच अध्यक्षा उर्मिला, समिति सदस्य अनु सुज्ञान, भाग अरोग्य प्रमुख मोनिका शर्मा, अशोक आदि मौजूद रहे।

चामुंडा माता मंदिर में 1008 दीप प्रज्वलित किए, भंडारा भी लगाया

अनंत ज्ञान, चामुंडा

श्री चामुंडा नंदीकेश्वर धाम बड़ोई चौक में आज अयोध्या में श्रीराम लला की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर राम भक्तों ने सभी आने-जाने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों के लिए पूरी, हलवा, चने आदि का लंगर लगाया और प्रसाद बांटा। इसके साथ ही सभी स्थानीय लोगों ने मिलकर 1008 दीप प्रज्वलित किए। राम भक्तों में मुख्य प्रदीप चड्ढा, दमन पिस्तू, समीर वालिया, राज वालिया, सचिन वालिया, अजय सांडिल, अनूप चौधरी, रोहित जमवाल, रिशु धीमान, कीकर कपूर, अश्वनी चौधरी, ऋषि वालिया, अमित वालिया, उपप्रधान पदर पंचायत बोबी गोस्वामी और बड़ोई चौक के स्थानीय व्यापारी इत्यादि शामिल रहे।

सर्दी जुकाम और आयुर्वेद

अनंत ज्ञान विशेष

हेल्थ टिप्स

डॉ. रामस्वरूप चांद
बीएएमएस,डीएनएनवाई, नगरोटा बगवां

आमतौर पर सितंबर महीने के आखिरी और अक्तूबर महीने की शुरुआत में ही सर्दी जुकाम अपनी उपस्थिति दर्ज करवा देता है। लेकिन इस बार काफी दिनों से बारिश न होने से सर्दी जुकाम के लक्षण वाली बीमारियां ज्यादा हो रही हैं।

रोजमर्रा की भागम दौड़ में हम इसे ज्यादा महत्व नहीं देते और यहीं पर हम गलती कर बैठते हैं, जोकि देर सबेर शारीरिक कष्ट का कारण बन जाता है। सर्दी और जुकाम दो अलग-अलग बीमारियां हैं, लेकिन लक्षणों की समानता से एक ही बीमारी समझ ली जाती है। हालांकि सर्दी और जुकाम दोनों ही वायरल हैं तथा नाक, गले व छाती से संबंधित हैं। दोनों में ही नाक बहने के साथ छींकों की भरमार रहती है। लेकिन सर्दी में गले की खिचखिच के साथ हल्की खांसी, थोड़ी थकान और न के बराबर बुखार आ सकता है। जबकि जुकाम में गले की खराश, खांसी, सिरदर्द और कंपकंपाहट के साथ तेज बुखार आता है। जुकाम में थकान ज्यादा होती है और मांसपेशियों में खिचाव महसूस होता है। सर्दी में ऐसा नहीं होता। महज सर्दी में सिर्फ कुछ ऐहतियात बरत कर बचाव हो जाता है पर जुकाम में बाकायदा इलाज करवा कर ही लाभ हो पाता है। आमतौर पर सर्दी का कारण वो 200 के लगभग वायरस हैं जो व्यस्कों को दो से चार बार तथा बच्चों को चार से आठ बार एक साल में अपनी गिरफ्त में लेतें हैं। जबकि जुकाम के लिए मुख्यता इंफ्लूएंजा ए और बी की कुछ वायरस साल में एक आध बार ही बीमारी का कारण बनतीं हैं। आधुनिक चिकित्सा पद्धति में लक्षणों के आधार पर डी-कंजेस्टेंट, अनलजेसिक्स, एंटिपयरेटिक्स और एंटी बोयॉटिक्स का प्रयोग करवाया जाता है जबकि आयुर्वेद में सर्दी जुकाम के इलाज के साथ साथ इस से बचने के भी कारगर नुस्खे उपलब्ध हैं। जिन्हें घर पर ही तैयार कर लाभ पाया जा सकता है। सर्दी जुकाम की आहट होने पर ही तुलसी, अदरक और मुलैठी का काढ़ा लाभ कर देता है। अगर सर्दी के साथ खांसी और हल्का बुखार हो तो इस काढ़े में छोटी इलाइची व काली मर्च मिलाई जाती है। काढ़ा तैयार करने के उक्त सभी चीजों को थोड़ी मात्रा में कूट फान कर एक गिलास पानी में मिला कर उबाला जाता है, जब उबल कर एक चौथाई रह जाता है तभी इसे छान कर चाय की तरह पिया जाता है। इस काढ़े का दिन में दो से तीन बार का सेवन सर्दी दूर कर देता है।

जुकाम की स्थिति में तुलसी, अदरक, हल्दी, दालचीनी, काली मर्च, छोटी इलाइची, लौंग और मघां (पिप्पली)का काढ़ा अगर दिन में तीन वार पिया जाए, तो लाभ हो जाता है। इस काढ़े का सेवन अगर सर्दियों में हर सुबह एक बार भी किया जाए, तो सर्दी जुकाम ही नहीं अपितु स्वाइन फ्लू और कोरोना वाइरस से भी बचने की शारीरिक क्षमता बढ़ जाती है।

नगरोटा बगवां के ढारु कुलदेवी माता मंदिर में श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य पर लगाया गया खीर का भंडारा।

न्यूज ब्रीफ

छह हजार मिलीलीटर शराब पकड़ी

पपरोला। थाना बैजनाथ में देसी शराब को लेकर एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने ग्वाल गांव के निवासी संदीप राणा से छह हजार मिलीलीटर शराब बरामद की है। पुलिस के अनुसार उक्त व्यक्ति को हिरासत में लेकर जमानत पर रिहा कर दिया गया है।

रास्ता रोककर की मारपीट, मामला दर्ज

देहरा। पुलिस थाना देहरा के तहत मारपीट के एक मामले में शिकायतकर्ता मदन लाल निवासी मलोट, सियूल ने आरोप लगाया है कि सुबह करीब आठ बजे में जब व मॉर्निंग वॉक पर था तो दीप कुमार निवासी जसवां ने उनका रास्ता रोका और मारपीट शुरू कर दी। इससे उन्हें चोटें आई हैं। पुलिस ने उक्त मामले को दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

कच्छियारी में मारपीट पर केस दर्ज, छानबीन शुरू

कांगड़ा। पुलिस थाना कांगड़ा के तहत मारपीट का एक मामला सामने आया है। शिकायतकर्ता देश राज निवासी कच्छियारी ने आरोप लगाया है कि रविवार का वह शाम करीब साढ़े आठ बजे कच्छियारी स्थित मंदिर जा रहा था तो उसी के गांव के निवासी रामपाल और उसके साथियों ने उनका रास्ता रोका और उस से मारपीट शुरू कर दी। पुलिस ने उक्त मामले का दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुरानी रंजिश के चलते चालक से भीड़े युवक

बैजनाथ। पुलिस थाना बैजनाथ के तहत पुरानी रंजिश के चलते हुई मारपीट का एक मामला दर्ज हुआ है। शिकायतकर्ता अजय कुमार निवासी लोगणी, धर्मपुर जिला मंडी ने आरोप लगाया है कि वह एक बस चालक है और 14 जनवरी को वह कुल्लू से पालमपुर अपने रूटीन रूट पर जा रहा था। दोपहर करीब डेढ़ बजे जब उसने अपनी बस बैजनाथ में खड़ी की तो सचिन राणा निवासी गलोटी, खुंडियां जिला कांगड़ा ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। शिकायतकर्ता का कहना है कि पुरानी रंजिश के चलते उसने ऐसा किया। पुलिस ने उक्त मामले को दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

मारपीट मामले में तीन पर एफआईआर

शाहपुर। पुलिस थाना शाहुपर के अंतर्गत एक महिला और उसके बेटे से साथ मारपीट के एक मामले में तीन व्यक्तियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। पीड़ित महिला सुनिता देवी निवासी नौशहरा, रैत ने अपनी शिकायत में बताया कि उसके घर में तीन व्यक्ति किशोरी लाल, सागर चंद और लखविंद्र आए और उसे गालियां देने लगे। इस दौरान उन्होंने और उनके बेटे संजय ने आरोपियों से कारण पूछा तो तीनों ने मिल कर उनसे मारपीट शुरू कर दी है। सुनीता देवी ने अपनी शिकायत में लिखा है कि उक्त तीनों आरोपी द्वारा मारपीट तो की ही गई, साथ ही उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने उक्त मामले का दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

निदेशक राजीव कुमार ने जांचे होटल

धर्मशाला। पर्यटन विकास निगम (एचपीटीडीसी) के प्रबंध निदेशक डॉ. राजीव कुमार ने सोमवार को निगम में धर्मशाला में स्थित होटलों का औचक निरीक्षण किया। पर्यटन विकास निगम के उपाध्यक्ष रघुवीर सिंह बाली के निर्देशों पर यह कार्रवाई की गई। इस दौरान उन्होंने धौलाधार होटल, भागसू कन्वेंशन सेंटर, क्लब हाउस मैक्लोडगंज, कश्मीर हाउस व होटल कुनाल आदि होटलों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान प्रबंध निदेशक ने होटलों में व्यवस्थाओं को जांचा। उन्होंने होटलों के स्टाफ को साफ-सफाई व अन्य व्यवस्थाओं को लेकर उचित दिशा-निर्देश भी दिए। इस बारे में जानकारी देते हुए हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम के निदेशक राजीव कुमार ने बताया कि कुल मिलाकर होटलों में व्यवस्थाएं सही पाई गईं।

डुगियारी स्कूल के वार्षिक समारोह में छात्रों ने दी एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां

कृषि मंत्री ने नवाजे होनहार

अनंत ज्ञान, कांगड़ा

कृषि मंत्री प्रो. चंद्र कुमार ने कहा कि प्रदेश में 2050 उत्कृष्ट पाठशालाएं स्थापित करने का निर्णय लिया है और अगले शैक्षणिक शिक्षा सत्र से सरकारी स्कूलों में भी छात्रों को इंग्लिश मीडियम में शिक्षा ग्रहण करने की सुविधा रहेगी।

सोमवार को राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला डुगियारी के वार्षिक समारोह में बतौर मुख्यातिथि विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री ने कहा कि शिक्षा पद्धति में सुधार और बच्चों को आधुनिक माध्यमों से शिक्षा उपलब्ध करवाने के दृष्टिगत 17 हजार से अधिक प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों को टैबलेट उपलब्ध करवाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि डॉ. यशवंत सिंह परमार विद्यार्थी ऋण योजना आरंभ कर प्रदेश के पात्र विद्यार्थियों को व्यावसायिक तथा तकनीकी शिक्षा के लिए एक प्रतिशत ब्याज की दर पर ऋण के लिए अधिकतम 20 लाख रुपए तक शैक्षणिक ऋण का प्रावधान किया गया है। उन्होंने छात्रों को वार्षिक उत्सव की बधाई देते हुए कहा कि जीवन मे सफलता प्राप्त करने के लिए अनुशासन और कड़ी मेहनत को अपना साथी बनाए। उन्होंने अध्यापकों से बच्चों की रुचि तथा प्रतिभा की पहचान कर मार्गदर्शित करने का आह्वान किया। कृषि व पशुपालन मंत्री प्रो. चंद्र कुमार ने कहा कि शिक्षक बच्चों के लिए सबसे बड़े प्रेरक और मार्गदर्शक होते हैं। इनसे बच्चे आगे बढ़ने की प्रेरणा लेते हैं व जीवन में ऊंचा मुकाम हासिल करते हैं। इससे पहले स्कूल के प्रधानाचार्य ने विद्यालय की वार्षिक गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। इस अवसर पर मुख्यातिथि ने मेधावी बच्चों को पुरस्कृत भी किया तथा विद्यालय में सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए 21 हजार देने की स्वीकृति भी प्रदान की। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि एसडीएम कांगड़ा ईशांत जसवाल, प्रधानाचार्य शक्ति प्रसाद, एसएचओ गगल प्यारे लाल, एसएमसी प्रधान पूजा, अमित शर्मा, धनीराम प्रधान निशा, अध्यापक और बच्चे मौजूद रहे।

कार्यक्रम में पहुंचने पर कृषि मंत्री चंद्र कुमार को सम्मानित करते स्कूल के स्टाफ सदस्य।

नगरोटा बगवां। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में सोमवार को अनंत ज्ञान टीम ने नगरोटा बगवां के इंडस्ट्रियल एरिया में स्थित हैड ऑफिस में हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस मौके पर मौजूद अखबार के एमडी डॉ. दिलीप धाकड़, संपादक समरजीत, जीएम मार्केटिंग विशाल धीमान, जीएम एडमिनिस्ट्रेशन प्रतिभा धीमान, सर्कुलेशन हैड रमेश वर्मा, प्रोडक्शन हैड पुरुषोत्तम चंद एवं स्टाफ के कर्मचारी।

सड़क पर खर्च होंगे 14.20 करोड़

शाहपुर। विधायक केवल सिंह पठानिया ने कहा कि शाहपुर-बोह सड़क पर 14 करोड़ 20 लाख की राशि व्यय की जाएगी, ताकि लोगों को आवागमन की बेहतर सुविधाएं मिल सकें। सोमवार को सरकार गांव के द्वार कार्यक्रम के तहत विधायक केवल सिंह पठानिया ने गोरड़ा पंचायत में लोगों की समस्याएं सुनीं तथा अधिकांश का मौके पर ही निपटारा किया गया। इस अवसर पर विधायक केवल सिंह पठानिया ने कहा कि गोरड़ा पंचायत में दस लाख की लागत से पटवार घर का निर्माण किया जाएगा। इसके साथ ही 50 लाख की लागत से गोरड़ा में तालाब के सौंदर्यीकरण का कार्य भी किया जाएगा।

पांचवें दिन भी डटे रहे धरने में

धर्मशाला। सोमवार को क्रमिक धरने के पांचवें दिन भूतपूर्व सैनिकों की टोली ने धरने पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। अतुल भारद्वाज ने बताया कि आज प्रभु श्रीरामजी की भव्य राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा हुई है तथा धरना स्थल पर व्यापार मंडल व राम भक्तों ने श्रीराम मंदिर से सीधे प्रसारण को देखने हेतु व्यवस्था हुई थी। अतुल भारद्वाज ने यह स्पष्ट करते हुए कहा कि कोई भी श्रीराम जी का कार्य हनुमान जी के बिना संभव नहीं हो सकता है। यह संयोग ही है कि एक तरफ अयोध्या में श्रीराम जी के भव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा हो रही है, तो दूसरी तरफ कचहरी अड्डा में श्री हनुमान मंदिर का भी जीर्णोद्धार हो रहा है। इसके लिए काफी समय से संघर्षरत थे तथा अब यह इंतजार भी समाप्त हुआ है। उन्होंने जल्द इस समस्या का समाधान मांगा है।

झांकी निकाली

जवाली। उपमंडल जवाली में श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा समारोह धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न मंदिरों, समाज सेवी संस्थाओं व व्यापार मंडलों द्वारा, झांकियों, भजन-कीर्तन, हवन एवं अयोध्या से लाइव प्रसारण किया गया। समाजसेवी अभिजीत जम्वाल व डॉ. राजिंद्र जरयाल के नेतृव युवा राम लीला क्लब लब में श्रीराम सीता की झांकी निकाली गई।

जय श्रीराम के नारों से गूंजा धर्मशाला, निकाली झांकियां

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

अयोध्या राम मंदिर में प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के ऐतिहासिक दिन समस्त जिला राममयी हो गया। राजनीतिक, गैर-राजनीतिक, बुद्धिजीवी वर्ग एवं आम लोगों ने जगह-जगह झांकियां निकाल कर जय श्री राम के नारे लगाए। धर्मशाला में योल, दाड़ी, कचहरी, चरान, शाम नगर, कोतवाली बाजार, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला सहित विभिन्न स्थानों पर लोगों को प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा लाइव दिखाई।

ऐसी कोई जगह नहीं थी जहां जय श्री राम के नारे न गूंज रहे हों। इस दौरान लोगों ने जगह-जगह लंगर लगा कर प्रसाद बांटा। लोगों ने इस पर्व को दीपावली पर तर्ज पर मनाया। कांगड़ा-चंबा सांसद किशन कपूर ने भी कचहरी में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान किशन कपूर के अतिरिक्त भाजपा जिला अध्यक्ष सचिन शर्मा, पूर्व विधायक विशाल नैहरिया व एचपीसीए प्रवक्ता संजय शर्मा सहित विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों सहित आम लोग मौजूद रहे। वहीं, राममयी हुई धर्मशाला में तिब्बती समुदाय के लोगों ने भी भाग लिया और झांकियों में शामिल हो कर जय श्रीराम के नारे लगाए। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर पूर्व विधायक विशाल नैहरिया द्वारा चलाये गए स्वच्छ तीर्थ अभियान का सोमवार को सिद्ध गोरिया मंदिर सिद्धबाड़ी में सफाई कर समापन किया गया।

नगरोटा में आरएस बाली ने सुनी लोगों की समस्याएं

अनंत ज्ञान, नगरोटा बगवां

पर्यटन निगम के अध्यक्ष कैबिनेट रैंक आरएस बाली ने कहा कि ने कहा कि लोगों को राजस्व संबंधी कार्यों के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे। इससे आम लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। उन्होंने कहा कि आम लोगों की समस्या को देखते हुए प्रदेश सरकार ने विशेष इंतकाल राजस्व लोक अदालतों का आयोजन शुरू किया।

इसके तहत अब लोगों के राजस्व संबंधित कार्य तय समय के अंदर हल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन राजस्व लोक अदालतों के जरिए अब तक 65 हजार से अधिक इंतकाल के मामलों का निपटारा किया जा चुका है। सोमवार को पर्यटन निगम के अध्यक्ष आरएस बाली ने नगरोटा विधानसभा क्षेत्र के चाहड़ी, मुहालकड़, लाखामंडल, पंचायत में विकास कार्यों का जायजा लिया तथा लोगों की समस्याएं सुनने के उपरांत कहा कि प्रदेश सरकार कई जनहितैषी योजनाएं लागू कर समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक अपनी पहुंच सुनिश्चित कर रही है, ताकि पात्र लोगों तक प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ मिल सके। इस अवसर पर एसडीएम मुनीष शर्मा, बीडीओ राजेश सिंह, अधिशाषी अभियंता पीडब्ल्यूडी सुरेश वालिया, अधिशाषी अभियंता जल शक्ति विभाग विवेक ठाकुर, अधिशाषी अभियंता बिजली बोर्ड कमल चैधरी, तहसील कल्याण अधिकारी दीपाली, महासचिव अजय सिपहिया, धर्म चंद, प्यार चंद पंचायत प्रधान, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मान सिंह आदि मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

भरमौर में कई जगह हवन और भंडारे

भरमौर में पारंपरिक वेशभूषा में शोभायात्रा में शामिल महिलाएं।

भरमौर। अयोध्या में हुए राम प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का जनजातीय क्षेत्र भरमौर में भी बड़ी धूमधाम से कई जगह आयोजन किया गया। इस आयोजन में भरमौर के चौरासी मंदिर, गरोला व ढकोग सहित कई जगह हवन व भंडारों का आयोजन किया गया। वही इस अवसर पर कई जगह झांकियां भी निकाली गई। बहरहाल समूचे जनजातीय क्षेत्र भरमौर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम को बड़ी धूमधाम के साथ आयोजित किया गया और कई जगह इस मौके पर लोगों को रामलाल की जीवनी से भी अवगत करवाया गया। इस मौके पर कई जगह महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा पहनकर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए। इस मौके पर यहां पर हो रहे हवन में कई लोगों ने आहुतियां भी डाली।

सरोल में दिखाया गया लाइव प्रसारण

सरोल में सोमवार को शोभायात्रा निकालते लोग।

चंबा। अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की कड़ी में सरोल में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जहां शोभायात्रा निकाली गई तो वहीं भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी शक्ति माता मंदिर परिसर सरोल में लोगों को दिखाया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण भगवान श्रीराम, सीता, लक्ष्मण और हनुमान की वेशभूषा में सजे बच्चे रहे। इस कार्यक्रम में सभी वर्ग के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेकर कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। कार्यक्रम में हिस्सा लेने वालों को शक्ति माता मंदिर परिसर सरोल में प्रसाद का वितरण करने के साथ-साथ भंडारा भी लगाया गया। जिसमें लोगों ने पहुंच कर प्रसाद ग्रहण किया। सनातन धर्म से जुड़े लोगों की संस्थाओं की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में समाज के अन्य धर्म के अनुयायियों ने भी इस कार्यक्रम में हिस्सा लेकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई।

चुवाड़ी बाजार में निकाली शोभायात्रा

चुवाड़ी। भटियात विधानसभा हलके के तहत चुवाड़ी बाजार में लोगों ने शोभायात्रा निकाली। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर यह शोभायात्रा निकाली गई। इसमें हर वर्ग से सैकड़ों भक्तों ने शिरकत की। इस अवसर पर बबलू ने सभी जिला व प्रदेशवासियों को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की शुभकामनाएं दी हैं। नेहर नाला मंदिर सेवा कमेटी के प्रधान विकास गौड़ सहित ईशान महाजन , हरबंस, सुशील, सुभाष आदि ने भाग लिया।

एनएसयूआई ने पुलिस मैदान में खीर बांटी

पुलिस मैदान बारगाह में हलवा बांटते एनएसयूआई के कार्यकर्ता।

चंबा। चंबा महाविद्यालय की एनएसयूआई इकाई की ओर से अयोध्या में प्रभु श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के सुअवसर पर समस्त इकाई द्वारा पुलिस मैदान बारगाह में भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान हलवा और खीर बांटी गई। इस उपलक्ष्य पर इकाई अध्यक्ष मुकेश शर्मा ने कहा कि प्रभु श्रीराम हम सभी के प्रभु व सभी के इष्ट हैं और हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत भी हैं। इस मौके पर इकाई वरिष्ठ उपाध्यक्ष नींदु कुमार, अंकु शर्मा, सौरभ, उपाध्यक्ष पंकज, महासचिव यमन राणा, सहित इकाई के पदाधिकारियों सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भगवान श्रीराम के नाम में रमा चंबा

श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा पर जिले के मंदिरों में आयोजित किए गए भव्य समारोह, जगह-जगह लगाए गए भंडारे

अनंत ज्ञान, चंबा

जिला चंबा के कोने-कोने में 22 जनवरी सुबह की पहली किरण के साथ राम नाम अलख जगाना आरंभ हो गया। जो कि भोर होते-होते रामभक्ति स्मरण की ओर बढ़ता चला गया। जिलाभर के श्रीराम मंदिरों को भक्तों द्वारा फूल-मालाओं व रंग बिरंगी लाइटों के साथ सजाया गया। वहीं शहर मुख्यालय में स्थित विभिन्न वार्डों से श्रीराम लीला क्लब चंबा, विश्व हिंदू परिषद चंबा, राधा-कृष्ण कमेटी, हरिभक्त कमेटी सहित अन्य कई धार्मिक संगठनों सहित सैकड़ों की संख्या में रामभक्तों ने एकत्रित होकर प्रभात फेरी निकाली।

मुख्य बाजार परिसर में एलईडी के माध्यम से अयोध्या में श्रीराम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम का लाइव प्रसारण दिखाया गया। इस अवसर पर सदर विधायक चंबा नीरज नैय्यर ने जिला व ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पदाधिकारियों व सदस्यों सहित विशेष रूप से उपस्थिति दर्ज करवा श्रीराम भगवान नाम का गुणगान करने सहित भव्य दिन की आरती में भाग लिया। इस अवसर पर सदर विधायक नीरज नैय्यर ने कहा कि भगवान श्रीराम मर्यादा पुरुष के जीवन का शीर्ष उदाहरण है। जिनके मार्गदर्शन का हर व्यक्ति को अनुसरण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा एवं निर्माण से वर्षों से चल रहे आपस में विवादित मुद्दे पर विराम लग गया है। जिससे देश में अमन-चैन और भाईचारे में वृद्धि हुई है।

उन्होंने भगवान श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठ के सुअवसर पर चंबा वासियों को शुभकामनाएं प्रदान की। चंबा मुख्यालय में पिंक पैलेस के एक छोर में निर्मित सीता राम मंदिर बंगोटू, ऐतिहासिक लक्ष्मीनारयण मंदिर में, नगर परिषद कार्यालय व न्यायलय परिसर चंबा के समीप सीता-राम मंदिर में सोमवार को सुबह से श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। वहीं दोपहर बाद अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा पूजन होते ही भीड़ में हर मंदिर परिसर में इजाफा हो गया।

अयोध्या में श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य पर सोमवार को चंबा शहर में प्रभात फेरी निकालते राम भक्त।

भगवान श्रीराम आरती में शामिल विधायक नीरज नैय्यर, श्रीराम लीला क्लब चंबा के अध्यक्ष धीरज महाजन व अन्य।

चंबा बाजार में श्रीराम का अभिषेक

धार्मिक संगठनों ने निकाली शोभायात्रा, आतिशबाजी की

शोभायात्रा में श्रीराम, सीता, लक्ष्मण, हनुमान की भव्य झांकी।

एमएम डैनियल, चंबा

अयोध्या में भगवान श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य पर चंबा मुख्यालय में सांयकाल श्रीराम लीला क्लब चंबा, विश्व हिंदू परिषद चंबा, राधा-कृष्ण कमेटी, हरिभक्त कमेटी सहित अन्य कई धार्मिक संगठनों की अगुआई में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इसमें सदर विधायक नीरज नैय्यर ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। वहीं विपक्ष की ओर से पूर्व विधायक पवन नैय्यर, नगर परिषद चंबा अध्यक्ष एवं भाजपा प्रत्याशी रही नीलम नैय्यर ने विशेष अतिथि के रूप से उपस्थिति दर्ज करवाई। पुराने बस अड्डे से भव्य श्रीराम, सीता, लक्ष्मण, हनुमान की भव्य झांकी के साथ शोभायात्रा का आगाज हुआ, जो कि पूरे शहर की परिक्रमा करते हुए बाजार में स्थित मुख्य चौक पर पहुंची। जहां श्रीराम, सीता, लक्ष्मण, हनुमान का अभिषेक तिलक करने सहित उनकी आरती की गई।

जिसके पश्चात आतिशबाजी कर श्रीराम भक्तों ने अपनी खुशी व्यक्त की। वहीं शोभायात्रा के दौरान जहजगह भक्तों द्वारा प्रसाद काउंटर लगा कर लोगों में हलवा, मिठाइयां व फलों का प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर सदर विधायक नीरज नैय्यर ने कहा कि आज का दिन एक ऐतिहासिक दिन है। जिसमें शामिल होकर वह हर्ष महसूस कर रहे है। वहीं विपक्ष की ओर से पूर्व विधायक पवन नैय्यर ने भी समस्त जनता को श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दशकों से श्रीराम भक्तों की प्रतिक्षा समाप्त हुई है। आज का दिन दीपावली के दिन से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा श्रीराम मंदिर निर्माण व प्राण प्रतिष्ठा का जो वादा जनता से किया वह पूरा करके दिखाया है। इस मौके पर हजारों की संख्या में श्रीराम भक्तों महिला, पुरुषों, युवक व युवतियां मौजूदगी दर्ज करवा श्रीराम भजनों पर थिरकने सहित गुणगान करते हुए नजर आए। (अनंत ज्ञान)

शीतला माता मंदिर में कार्यक्रम आयोजित

तीसा। प्रभु श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम मंडल थल्ली के शक्ति और शीतला माता मंदिर भटकार में संपन्न हुआ। जिसमें यज्ञ हवन अखंड पाठ ध्वजारोहण और प्रसाद और लंगर कार्यक्रम सभी राम भक्तों के सहयोग से संपन्न हुआ। सभी राम भक्तों का इसमें सहयोग रहा।

श्रीराम भक्तों ने बाजार में लगाया लंगर

श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा पर विभिन्न धार्मिक संगठनों व भक्तों द्वारा हलवा, फल व मिठाइयों का प्रसाद बांटा गया। वहीं कुछ श्रीराम भक्तों द्वारा मुख्य बाजार परिसर में लंगर का भी आयोजन किया गया ताकि लाइव कार्यक्रम व श्रीराम दर्शन को पहुंचे दूरदराज क्षेत्रों के लोगों को भोजन अभाव से न गुजरना पड़ा। वहीं लोगों ने भी प्रसाद व लंगर ग्रहण कर श्रीराम भगवान का गुणगान किया। जिस तरह से लोगों ने इस अभियान में भाग लिया है वह देश के लोगों की राष्ट्रभक्ति को दर्शाता है।

दुल्हन की तरह सजे भागवान श्रीराम के मंदिर

चंबा मुख्यालय में पिंक पैलेस के एक छोर में निर्मित सीता राम मंदिर बंगोटू, ऐतिहासिक लक्ष्मीनारयण श्रीराम चंद्र मंदिर, नगर परिषद कार्यालय व न्यायलय परिसर चंबा के समीप सीता-राम मंदिर, वार्ड जनसाली में सीता-राम मंदिर, भगवान श्रीराम सीता, लक्ष्मण व पवन पुत्र हनुमान सहित अन्य वानर राज सुग्रीव, नल, नील की प्रतिमा सरौथा, डलहौजी में श्री रघुनाथ मंदिर, चुराह विस क्षेत्र में गांव लेसूई में भगवान श्रीराम मंदिर, प्रसिद्ध पर्यटक स्थल डलहौजी के पवित्र नारवुड कॉटेज परम धाम श्रीराम शरणम आश्रम, प्राचीन जालपा मंदिर कमेटी साहो समक्ष भगवान श्रीराम मंदिरों को अयोध्या में आयोजित हो रहे प्राण प्रतिष्ठा के तहत दुल्हन की तरह सजाया गया था। मंदिरों को पुष्पों, रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया गया था।

शोभायात्रा के पश्चात मुख्य चौक में भगवान श्रीराम की आरती करते हुए।

डलहौजी अस्पताल में 76 लोगों ने किया रक्तदान

सिविल अस्पताल डलहौजी में रक्तदान शिविर में मौजूद लोग।

अनंत ज्ञान, डलहौजी

अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य पर सिविल अस्पताल डलहौजी में फेडरेशन होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन डलहौजी व प्रेरणा द इंस्पिरेशन संस्था द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 76 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया।

इस शिविर में महिलाओं ने भी काफी संख्या में रक्तदान किया। फेडरेशन होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन डलहौजी के अध्यक्ष नरेंद्र पूरी ने सभी रक्तदाताओं का धन्यवाद किया। प्रेरणा द इंस्पिरेशन संस्था के अध्यक्ष दीपक भाटिया ने कहा कि अपने काम के साथ-साथ हमें अपने सामाजिक कार्यों में भी हिस्सा लेना चाहिए।

इस मौके पर होटल एसोसिएशन डलहौजी के मुख्य संरक्षक मनोज, नरेंद्र पूरी, हरप्रीत सिंह ,कुणाल दीप सिंह, अमित गंडोत्रा, विक्रम जरयाल, लक्षित सोनी, राकेश चंबियाल, ब्लड बैंक चंबा की टीम से संजय कुमार, शीतल, काका राम, विनोद, डॉ. बिपिन ठाकुर, डॉ. अत्री ,ममता, हर्षित ठाकुर, सोनू खान व रवि मौजूद रहे।

रघुनाथ मंदिर में भजन-कीर्तन का दौर

बनीखेत में प्रभात फेरी के बाद लगाया गया लंगर, मिठाइयां भी बांटी

मुकेश कुमार, डलहौजी

अयोध्या में रामलता की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न होने के साथ ही 500 वर्षों से अधिक का इंतजार भी खत्म हो गया है। डलहौजी में भी इस दिन को धूमधाम से मनाया गया। रघुनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ भजन-कीर्तन और लंगर का आयोजन किया गया। वहीं बनीखेत में प्रभात फेरी का आयोजन किया गया।

पूजा-अर्चना के साथ हवन की पूर्णाहुति के पश्चात सुंदरकांड पाठ एवं हनुमान चालीसा के साथ ही अयोध्या से हो रहे प्राण प्रतिष्ठा आयोजन का सीधा प्रसारण भी प्रस्तुत किया गया। आज के इस आयोजन में बनीखेत वासियों द्वारा 1991 में अयोध्या का सेवा में गए गांव बाथरी से संबंध रखने वाले गौरंग बनोट एवं उनकी धर्मपत्नी संतोष को शॉल, टोपी पहनाकर सम्मानित किया गया। अमरजीत अरोड़ा ने भी हजारों हिंदुओं कार सेवकों की व्यथा लोगों के समक्ष प्रस्तुत की।

तत्पश्चात भारी आतिशबाजियां चलाई गई मोतीचूर के लड्डू बांटे गए। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में लोगों को भव्य लंगर भी बरताया गया। डलहौजी क्षेत्र के बाथरी देवीदेहरा गोली के बाजारों को भी दुल्हन की तरह सजाया गया। मंदिरों में भव्य पूजा-अर्चना के साथ राम भजनों की गूंज सुनाई दी लोगों ने एक दूसरे को मिठाईयां बांटी।

ग्राम पंचायत शेरपुर के तहत छोटे बड़े गांवों में भी हवन पाठ का आयोजन किया गया और मिठाइयां बांटी गई। बताते चलें की तमाम डलहौजी क्षेत्र में इस आयोजन को दीपावली के रूप में मनाया गया। इस आयोजन को लेकर विधानसभा क्षेत्र डलहौजी के विधायक डीएस ठाकुर ने इस महापर्व को लेकर लोगों को शुभकामनाएं दी।

उन्होंने कामना की कि भगवान श्रीराम समस्त देश पर अपना आशीर्वाद बनाए रखेंगे तथा बुराई पर अच्छाई की जीत के लिए मार्ग प्रशस्त करते रहेंगे। उन्होंने यह भी कामना जिला कि चंबा आसमान की बुलंदियों को छुए और सभी जिलावासियों पर श्रीराम भगवान अपना आशीर्वाद बनाए रखें। (अनंत ज्ञान)

दुल्हन की तरह सजाया गया बनीखेत मंदिर।

चंबा अस्पताल के नर्सिंग ड्यूटी रूम से हटाया निजी लैब का पोस्टर

समाचार छपने के बाद हरकत में आया प्रबंधन

अनंत ज्ञान इंपैक्ट

अनंत ज्ञान ब्यूरो, चंबा

पंडित जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय चंबा में चल रहे निजी लैब को बढ़ावा देने पर अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र द्वारा इस विषय को जनहित में प्रमुखता से उजागर किया गया। जिसके पश्चात मेडिकल कॉलेज चंबा प्रबंधन द्वारा इस दिशा में कड़ी कार्रवाई करते हुए जहां नर्सिंग ड्यूटी रूम की दीवार पर निजी लैब के पोस्टर को हटवाया गया, वहीं विभागीय स्टाफ की जमकर क्लास भी लगाई गई।

जिसमें विभागीय स्टाफ को निकट भविष्य में ऐसी कोताही न बरतने व ऐसी बातों का विशेष ध्यान रखने का परामर्श दिया गया है। गौर हो कि अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र द्वारा 21 जनवरी को प्रकाशित अंक में मेडिकल कॉलेज चंबा में हो रहा निजी लैब का प्रचार समाचार को प्रकाशित किया गया। जिसमें पंडित जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय चंबा के न्यू ब्लॉक में स्थित सारी वार्ड के नर्सिंग ड्यूटी रूम में चिकित्सालय के समीप मोहल्ले में मौजूद निजी लैब का पोस्टर लगा कर उसके नाम एवं मोबाइल नंबर का प्रचार प्रसार किया जा रहा है।

अक्सर रोगी स्वयं अथवा विभागीय स्टाफ के परामर्श पर कई टेस्टों को चिकित्सालय की लैबों की बजाय वार्ड में अंकित निजी लैब से टेस्ट करवा रहे थे। जिससे उन्हें अत्याधिक खर्च की मार से गुजरना पड़ रहा था। जैसे ही यह विषय अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र के ध्यानार्थ आया वैसे इस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए इस विषय को प्रकाशित ही नहीं किया गया बल्कि मेडिकल कॉलेज प्रबंधन से लेकर जिला प्रशासन सहित सरकार के ध्यानार्थ बात को लाया गया। विस अध्यक्ष कुलदीप पठानिया, उपायुक्त चंबा अपूर्व देवगन द्वारा इस पर गंभीरता दिखाते हुए निजी लैब पोस्टर को हटवाने के मेडिकल कॉलेज प्रबंधन चंबा को निर्देश दिए। पंडित जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय चंबा के प्राचार्य डॉ.एसएस डोगरा ने बताया कि पंडित जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय चंबा के सारी वार्ड में निजी लैब के नाम व नंबर पोस्टर को विभागीय निरीक्षण के पश्चात तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है। इस दिशा में विभागीय स्टाफ से उचित जवाब तलबी की गई है।

कारोबार

चमीणू में चल रहा, स्वयं सहायता समूहों की संचालन में रहती है मुख्य भूमिका

एचटूओ हाउस बना आउटलुक ट्रैवलर की पसंद

आरके रांगड़ा, चंबा

चंबा जिला के चमीणू में चल रहा एचटूओ हाउस आउटलुक ट्रैवलर की पहली पसंद बना हुआ है। आउटलुक ट्रैवलर ने एचटूओ हाउस को अपनी वेबसाइट में पहला स्थान दिया है। ट्रैवलर ने पूरे देशभर से बेहतरीन होमस्टे की एक सूची जारी करते हुए उनकी खासियत को बताया है।

इन 12 होमस्टे की श्रेणी में एचटूओ हाउस को पहला स्थान मिलने पर इसे संचालित करने में अहम योगदान देने वाले लोगों के सामूहिक प्रयास रंग लाए हैं। साथ ही इसे सामूहिक प्रयासों का एक सकारात्मक परिणाम बताया है। एचटूओ हाउस तथा नाट आन मैप संस्था की ओर से संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन को लेकर योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है। चंबा के लोगों के रहन-सहन, यहां के खान-पान सहित संस्कृति से जुड़े हर पहलु को ध्यान में रखते हुए कदम उठाए जा रहे हैं। एचटूओ हाउस ऐतिहासिक चंबा शहर से करीब आठ किलोमीटर दूर साल और हुल नालों के संगम पर स्थित है। यहां पर संस्कृति एवं प्रकृति का मिलन होता है। इसे स्थानीय समुदाय के साथ मिलकर चलाया जा रहा है, जो कि समुदाय संचालित पर्यटन स्थल का एक आदर्श उदाहरण प्रदान करता है। एचटूओ हाउस स्थानीय संस्कृति, क्राफ्ट के प्रचार के लिए भी मंच प्रदान करता है।

एचटूओ हाउस 13वीं सदी की घराट संस्कृति को संरक्षित करके बनाया गया है। एचटूओ हाउस को एयरबीएनबी कंपनी की ओर से भी भारत में शीर्ष 10 होमस्टे में सूचीबद्ध किया जा चुका है।

वहीं हाल ही में अंतरराष्ट्रीय साटे अवॉर्ड भी मिल चुका है। यहां की व्यवस्था स्वयं सहायता समूहों की ओर से संभाली जा रही है। इसी स्थान पर नाट आन मैप संस्था की ओर से एचटूओ हाउस के साथ-साथ अन्य होमस्टे की शुरुआत भी करवाई है।

आउटलुक ट्रैवलर में शीर्ष स्थान मिलने पर एचटूओ से जुड़े सदस्यों विकास, उषा शर्मा, तन्विंदर, सुरेंद्र, बुद्धी सिंह, दीवान चंद, सुमनी, ज्योति, अनूप, संजू, कमलेश व सोमराज सहित अन्य सदस्यों ने खुशी जताई है। मगनदीप व विकास ने कहा कि एचटूओ के संचालन में स्वयं सहायता समूहों की मुख्य भूमिका रहती है। आउटलुक ट्रैवलर की ओर से दिसंबर में बीड बिलिंग और केलांग को भी सम्मान मिल चुका है। (अनंत ज्ञान)

2015-16 में हुई थी शुरुआत

एचटूओ हाउस होमस्टे को वर्ष 2015-16 में शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य संस्कृति का संरक्षण करते हुए लोगों को रोजगार से जोड़ना है। यही कारण है कि 13वीं शताब्दी से एक परिवार ने अभी तक इसको बचाया है। साथ ही इसको बढ़ावा दे रहे हैं। महिला सशक्तिकरण का भी यह एक बेहतरीन उदाहरण है। यहां पर आने वाले पर्यटकों को चंबयाली धाम, सरसों का साग व मक्की की रोटी सहित अन्य पारंपरिक व्यंजन परोसे जाते हैं। यहां पर लोगों को हाउसकिपिंग तथा वेस्ट मैनेजमेंट सहित अन्य प्रशिक्षण भी दिया जाता है।

> आउटलुक ट्रैवलर ने एचटूओ हाउस को शीर्ष पर स्थान दिया है, जो कि हम सबके लिए बहुत खुशी की बात है। यह हम सबके लगातार बेहतर प्रयासों का नतीजा है। इसके लिए एचटूओ हाउस से जुड़े सभी लोगों को बधाई देती हूं।
>
> **-रेणू शर्मा, संचालक, एचटूओ हाउस।**

> एचटूओ हाउस को वर्ष 2015-16 में शुरू किया था। यहां पर जिम्मेदार पर्यटन को लेकर कार्य किया जा रहा है। इसे लोग मिलकर चलाते हैं। अपनी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण से लेकर लोगों को रोजगार से जोड़ने के लिए काम किया जा रहा है।
>
> **-कुमार अनुभव, संयोजक नाट आन मैप संस्था।**

बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर लगाए चार चांद, प्रतिभा को निखारने का काम कर रहा गैर राजनीतिक संगठन

लगघाटी शिक्षक कर्मचारी कल्याण संघ ने सम्मानित किए होनहार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

लगघाटी शिक्षक कर्मचारी कल्याण संघ ने 18वां वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह आदर्श स्कूल भुट्टी में धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर पूर्व प्रधानाचार्य पैना राम ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस दौरान संघ के अध्यक्ष देवेंद्र ठाकुर ने मुख्यातिथि को कुलवी टोपी मफलर व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यातिथि के द्वारा दीप प्रज्वलित व छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना गीत गाकर किया गया। वहीं, बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की भी प्रस्तुति दी।

इस अवसर पर डुघीलग स्कूल की छात्राओं ने शिमला नाटी प्रस्तुत कर खूब वाहवाही लूटी। वहीं, दोघरी स्कूल की छात्राओं ने सराजी नाटी प्रस्तुत की। छात्र धर्मेंद्र ने एकल गान प्रस्तुत किया, स्नेहा ने भी एकल गान की प्रस्तुति देकर कार्यक्रम में चार चांद लगाए। इस अवसर पर महासचिव रोशन लाल, कोषाध्यक्ष रतीराम, सह-सचिव वीर सिंह सहित सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यातिथि ने प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया, जिसमें प्लस टू आर्ट्स में ललिता

होनहारों को सम्मानित करते लगघाटी शिक्षक कर्मचारी कल्याण संघ के सदस्य।

देवी, अनामिका वर्मा और निखिल ठाकुर को संघ की ओर से सम्मानित किया गया। वहीं, साइंस में शबनम ठाकुर, कुणाल ठाकुर और तनिष्का को, कॉमर्स में आशीष, वहीं दसवीं बोर्ड की परीक्षा में संस्कृति शर्मा, समीर, आर्यन, सुरेंद्र सुधांशु, एनएमएस में साक्षी प्रेरणा, ईशान, कनिका, अक्षत चंदेल दीपक, अक्षिता, यश, दीक्षित, कंचन, स्नेहा, रोशनी देवी को सम्मानित किया गया। अध्यक्ष देवेंद्र ठाकुर ने बताया कि लगघाटी शिक्षक कर्मचारी कल्यांण संघ अपने आप में एक अलग संगठन है। इस संगठन की सबसे बड़ी विशेषता है यह पूर्णतया गैर राजनीतिक संगठन है। संगठन की एक और विशेषता है यह संगठन किसी पार्टी से किसी विभाग से राजनीतिक दल से कोई सहायता राशि नहीं लेता है, बल्कि इस संगठन में जुड़े हुए सभी मेंबर अपने-अपने इच्छा के अनुसार अंशदान करके इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन करते आ रहे हैं।

मुख्यातिथि पैना राम ने बताया कि भविष्य में बच्चे आगे चलकर लगघाटी का नाम रोशन करेंगे और विभिन्न क्षेत्रों में अपना योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि लगघाटी की प्रतिभा को निखारने के लिए लगघाटी शिक्षक कर्मचारी कल्याण संघ का 2004 में इसका गठन किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य लगघाटी की बच्चों में प्रतियोगिता को जागृत करना और लगघाटी के हुनर प्रतिभा को निखारना था और इसके बाद इसके अच्छे परिणाम आने शुरू हुई और बच्चों में प्रतिस्पर्धा की भावना भी जागृत हुई। लगघाटी के विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं और आने वाली पीढ़ी के लिए एक प्रेरणा स्रोत भी बनेंगे। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए अपनी निधि से दस हजार की राशि प्रदान की।

जिला युवा कांग्रेस कुल्लू ने रथ मैदान में लगाया खिचड़ी का भंडारा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

जिला युवा कांग्रेस कुल्लू ने ढालपुर में खिचड़ी भोज का भव्य आयोजन किया। सोमवार को ऐतिहासिक ढालपुर मैदान में जिला युवा कांग्रेस कुल्लू ने भगवान श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए भव्य खिचड़ी भोज का आयोजन किया।

इस दौरान भोज से पहले विधिवत हवन कर भगवान राम की पूजा-अर्चना की गई और उसके बाद भजन-कीर्तन का दौर लगातार जारी रहा। जिला परिषद के उपाध्यक्ष एवं जिला अध्यक्ष युवा कांग्रेस कुल्लू वीर सिंह ठाकुर ने बताया कि राजनीति से ऊपर उठकर अपने भगवान राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि हम सभी सनातनियों के लिए गर्व का विषय है कि 500 साल बाद खुशी का यह

जिला युवा कांग्रेस कुल्लू के सौजन्य से आयोजित खिचड़ी भोज का आनंद लेते लोग।

पल मिला है। इस ऐतिहासिक पल के जहां सोमवार को अयोध्या में लाखों लोग गवाह बने वहीं, जिला कुल्लू में भी खूब धूम रही। उन्होंने बताया कि जिला युवा कांग्रेस की ओर से भी रामभक्तों के लिए खिचड़ी का आयोजन किया गया। इस खिचड़ी भोज के आयोजन अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों से आए सैकड़ों लोगों ने खिचड़ी भोज का आनंद लिया और दर्जनों लोगों ने पंडाल के दूसरे भाग में चल रहे भजन-कीर्तन में भी भाग लिया। इस अवसर पर युवा कांग्रेस के भाविक ठाकुर, गिरीश ठाकुर, चमन ठाकुर, इशान और राकेश ठाकुर उर्फ सोनू सहित सैकड़ों युवा कांग्रेस के सदस्य भी उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

मनु मार्केट बाग में लगेगी भगवान राम की प्रतिमा

मनाली। जिला के मनाली स्थित मनु मार्केट बाग में भगवान राम की प्रतिमा लगाई जाएगी। इस बाग का नाम भी श्रीराम बाग रखा जाएगा। नगर परिषद मनाली के अध्यक्ष चमन कपूर ने सोमवार को मनाली में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा के चलते आयोजित कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि सभी सदस्यों से बैठक कर जल्द ही भगवान राम की प्रतिमा लगाइ जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी शहरवासियों के सहयोग से शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाया जाएगा। इससे पहले पूर्व मंत्री गोविंद ठाकुर ने पूर्व मनोनीत सदस्य नीलम ठाकुर व मनाली की जनता की मांग नगर परिषद के समक्ष रखी। उनकी मांग पर चमन कपूर ने कहा कि इस बाग को सुंदर बनाया जाएगा और सभी के सहयोग से भगवान राम की प्रतिमा लगाई जाएगी।

कान्हा को मिला हिम आइकॉन अवार्ड 2024

बंजार। नगर पंचायत बंजार में कान्हा डांस स्टूडियो चलाने वाले कान्हा स्टूडियो में आने वाले छोटे-छोटे बच्चों को डांस सिखाते हैं। सोमवार को आयोजित हिम जागृति मंच के कार्यक्रम में कान्हा को हिम आइकॉन अवार्ड से सम्मानित किया। कान्हा डांस स्टूडियो के एमडी और मुख्य कोरियोग्राफर कान्हा हैं, जोकि विभिन्न प्रकार की नृत्य शैली में पारंगत हैं। कान्हा को इससे पहले भी कई प्रकार के अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है, जिसमें मोस्ट पॉपुलर अवार्ड कनाडा के सांसद द्वारा दिया गया था ओर हिमाचल फिल्म एंटरटेनमेंट अवार्ड को तत्कालीन मंत्री गोविंद सिंह ठाकुर के द्वारा सम्मानित किया गया था और इसी तरह से दर्जनों अवॉर्ड से नवाजा गया है। कान्हा ने अपनी हुनर के दम पर डांस हिमाचल डांस भी प्रतिस्पधा जीत चुके हैं।

लाहौल-स्पीति वन अधिकार अधिनियम की बैठक कल

कुल्लू। लाहौल-स्पीति वन अधिकार अधिनियम 2006 डीएलसी की बैठक 24 जनवरी को आयोजित की जाएगी। जिला परिषद सदस्य एवं जिला लाहौल-स्पीति कांग्रेस प्रवक्ता कुंगा बौद्ध ने इस संदर्भ में जानकारी देते हुए बताया कि 24 जनवरी को केलांग में डीसी कार्यालय में स्थित सभागार में आयोजित की जाएगी। बैठक में एसडीएलसी से आये वन अधिकार अधिनियम 2006 के विभिन्न मामलों पर चर्चा की जायेगी। इस दौरान एसडीएलसी के नौ और स्पीति एसडीएलसी के 30 मामलों पर चर्चा की जाएगी।

कुल्लू में रामलला की भक्ति में डूबे रामभक्त

जय श्रीराम के जयघोषों से गूंजी देव भूमि; में जिलाभर निकली प्रभात फेरी और झांकियां, भजन-कीर्तन का चला दौर

कमलेश वर्मा, कुल्लू

भगवान श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या में रामलला के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर देशभर में जहां विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। वहीं, कुल्लू जिले में भी भगवान रघुनाथ जी के मंदिर सहित पूरे जिले में 459 से अधिक स्थानों में भजन-कीर्तन सहित रामभक्तों के लिए खिचड़ी व हलवे का भंडारा भी लगाया गया।

पूरे जिला में जहां सुबह से लेकर शाम तक भक्तों ने भगवान श्रीराम का गुणगान किया वहीं, अंधेरा होते ही पूरा जिला दीपों से जगमगा गया, घर-घर में लोगों ने दीये जलाकर भगवान की पूजा-अर्चना की और चारों ओर दिवाली जैसा माहौल रहा। जिला के विभिन्न मंदिरों व कई सार्वजनिक स्थानों पर एलइडी स्क्रीनें लगाकर रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह दिखाया गया। जिले का हर व्यक्ति श्रीराम की भक्ति में डूबा नजर आया। वहीं, आनी में भी व्यापार मंडल, दुर्गा माता मंदिर कमेटी, विश्व हिंदू परिषद, आरएसएस आदि विभिन्न संगठनों सहित क्षेत्र की जनता द्वारा बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर दुर्गा माता मंदिर आनी

अयोध्या राम मंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लाइव देखते लोग।

में विधिवत पूजा-अर्चना और हवन पाठ के बाद जय श्रीराम के नारों, भजनों और जयघोष के साथ प्रभातफेरी निकाली गई। इसके साथ ही विवेकानंद संस्कार केंद्र आनी के कलाकारों द्वारा भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, सीता माता की कई झांकियां भी पूरे कस्बे में भजन-कीर्तन और जय श्रीराम के जयघोषों के साथ निकलीं। इसके बाद राजा रघुबीर सिंह स्टेडियम में एक कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें एकल विद्यालय, हिमालयन मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सरस्वती विद्या मंदिर आनी के छात्र-छात्राओं ने राम भजन प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। आनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक लोकेंद्र कुमार सहित विभिन्न प्रबुद्धजनों ने श्रीराम के जीवन और अयोध्या में राम मंदिर को लेकर विभिन्न घटनाओं का वर्णन किया और लोगों को जागरूक किया। (अनंत ज्ञान)

सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा का किया पाठ

जिले के मंदिरों में जहां धार्मिक आयोजन हुए वहीं, जगह-जगह भंडारे और शोभायात्राएं और प्रभात फेरी का भी आयोजन हुआ। वहीं, जिला के 15 से अधिक स्थानों में सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ का भी आयोजन हुआ। सोमवार शाम करीब छह बजे मंदिरों व लोगों के घरों में दीपोत्सव हुआ। ढालपुर में स्थित रमणीक पार्क में दर्जनों महिलाओं ने सुंदरकांड का सामुहिक पाठ किया गया। इस सुंदरकांड पाठ का आयोजन वार्ड नंबर आठ के पार्षद तरुण विमल द्वारा किया गया। ढालपुर चौक के समीप मां भागासिद्ध मंदिर के सामने खिचड़ी का आयोजन किया गया। गौहरी देवता युवक मंडल ने सोमवार को माघ माह की खिचड़ी का आयोजन किया। गोहरी देवता युवक मंडल के अध्यक्ष रामेंद्र सिंह ने बताया माघ माह की खिचड़ी का आयोजन पहली बार किया जा रहा है।

प्रतिष्ठा समारोह का लाइव कार्यक्रम देख भावुक हुए लोग

अयोध्या में प्रतिष्ठा समारोह का लाइव कार्यक्रम देखकर लोग भावुक हो गए और जिस ऐतिहासिक पल का उन्हें बेसब्री से इंतजार था उसको साकार होते देख लोगों की आंखे अपने आप ही बहने लगीं।

मंदिर में दिये जलाते लोग।

स्नो लैंड स्काउट्स राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस परेड शिविर को सफल बनाने में देंगे सेवाएं

स्नो लैंड स्काउट्स के आठ सदस्य राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस परेड शिविर को सफल बनाने में देंगे सेवाएं।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स हिमाचल प्रदेश द्वारा राजकीय कन्या महाविद्यालय शिमला में गणतंत्र दिवस परेड शिविर का आयोजन 20 से 27 जनवरी को करवाया जा रहा है, जिसमें राज्य के दस जिलों के 27 महाविद्यालयों तथा एक ओपन ग्रुप के 140 रोवर तथा रेंजर्स भाग ले रहे हैं।

यह सभी रोवर्स तथा रेंजर्स यहां तक नवंबर माह में राज्य प्रशिक्षण केंद्र रिवालसर में आयोजित शिविर में हुई चयनित प्रक्रिया के बाद ही पहुंचे हैं। अब 25 जनवरी तक फिर एक बार तैयारियां करवाई जाएंगी कुछ ही चयनित रोवर्स तथा रेंजर्स 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के दिन होने वाले परेड में भाग लेंगे।

बीजू हिमदल, रोवर स्काउट लीडर ने बताया कि कुल्लू के लिए गौरव की बात है कि हमारे ओपन ग्रुप के चार रोवर्स एवं चार रेंजर्स शिमला में होने वाली राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस परेड में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की टुकड़ी को प्रशिक्षण देने में अहम सेवा कार्य करेंगे। इस शिविर में स्नो लैंड स्काउट्स एवं गाइड्स से रोवर अमन, श्रवण, सोनू तथा तेज सिंह और रेंजर योजना, भूमिका शर्मा, शेरोन शर्मा तथा भूमिका अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

भुंतर में बेसहारा पशुओं और कुत्तों का आतंक

भुंतर। भुंतर में आए दिन बेसहारा पशुओं व कुत्तों का आतंक बढ़ता ही जा रहा है। यह बेसहारा पशु कई लोगों को अपना निशाना बना चुके हैं। भुंतर मेन रोड में गत दिनों एक महिला को सांड ने हमला कर घायल कर दिया, जिसकी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुई। आढ़ती यूनियन सब्जी मंडी के मीडिया प्रभारी कश्मीर सिंह राणा ने कहा है कि भुंतर शहर, सब्जी मंडी में पुलिस थाना जाने वाले रास्ते में, वन विभाग कार्यालय की ओर जाने वाले रास्ते व अन्य स्थानों में बेसहारा पशुओं और कुत्तों का आतंक रहता है। यहां पर कई लोगों को पशुओं ने हमले से घायल कर दिया है। उन्होंने कहा कि हम पहले भी प्रशासन से इन आवारा पशुओं व कुत्तों से निजात दिलाने की गुहार लगा चुके हैं। कश्मीर सिंह राणा ने कहा कि आम जनता व किसान-बागवान सब्जी मंडी को आने-जाने के लिए जिन रास्तों का प्रयोग करते हैं, वहां पशुओं व कुत्तों के अटैक का खतरा रहता है।

बठाहड़ से बश्लेउ जोत सड़क बनाने की रखी आधारशिला

अनंत ज्ञान, तीर्थन

प्रदेश में व्यवस्था परिवर्तन का नारा दे चुकी सुखविंद्र सिंह सुक्खू सरकार द्वारा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अनछुए स्थलों को सड़क सुविधा से जोड़ने के लिए धरातल स्तर पर कसरत शुरू कर दी गई है। जिला कुल्लू के उपमंडल बंजार की तीर्थन घाटी में भी प्राकृतिक सौंदर्य से लबरेज बशलेऊ जोत सरीखे अनेक अनछुए और अनदेखे स्थल मौजूद हैं।

यहां तक देशी-विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने और इन स्थलों को विश्व पर्यटन मानचित्र पर लाने के लिए सरकार द्वारा बुनियादी ढांचे पर कार्य किया जा रहा है, जिसके लिए सड़क कनेक्टिविटी और अन्य मूलभूत सुविधाओं की जरूरत रहती है। इसी कड़ी में सोमवार को एपीएमसी जिला कुल्लू एवं लाहौल-स्पीति के अध्यक्ष राम सिंह मियां ने बठाहड़ से बश्लेउ जोत तक बनने वाले चार किलोमीटर जीप योग्य सड़क और ब्राइडल पाथ की विधिवत्त पूजा-अर्चना कर आधारशिला रखी है। इस सड़क मार्ग के बनने से इनर सराज और आउटर सराज के बीच की दूरियां कम होंगी। शीघ्र ही यहां के स्थानीय लोग और पर्यटक बठाहड़ से बागा सराहन तक इलेक्ट्रिक कार में सफर कर सकेंगे। ग्राम पंचायत पंचायत शिल्ली के उपप्रधान मोहर सिंह ठाकुर का कहना है कि समुद्रतट से 11500 फुट की ऊंचाई पर स्थित बश्लेउ पास से होकर बागासराहन के लिए ब्राइडल पाथ का निर्माण कार्य शुरू होने पर घाटी के लोगों में खुशी की लहर है। इस सड़क के निर्माण से निरमंड क्षेत्र की दर्जनों पंचायतों के लिए जिला मुख्यालय कल्लू की दूरी करीब 100 किलोमीटर कम हो जाएगी।

सैंज स्कूल में एनुअल फंक्शन आज

सैंज। शिक्षा खंड सैंज के राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सैंज में मंगलवार 23 जनवरी को वार्षिक पुरस्कार वितरण उत्सव का आयोजन किया जाएगा।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी आनी ने चुनाव को कसी कमर

आनी। सोमवार को आनी के विश्राम गृह परिस में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठक ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष युपेंद्र कांत मिश्रा की अगुआई में हुई। बैठक में सभी बूथों के अध्यक्षों को पार्टी की मजबूती के लिए दिलजान से कार्य करने और एकजुटता बनाए रखने को लेकर निर्देश दिए गए। साथ ही आने वाले आम चुनावों को लेकर भी कमर कसते हुए रणनीति तैयार की गई। इस अवसर पर कांग्रेस के पूर्व प्रत्याशी बंसी लाल, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के महासचिव एसपी ठाकुर, प्रताप ठाकुर, पूर्ण ठाकुर, सचिव सुरेंद्र ठाकुर, महिला कांग्रेस की अध्यक्ष सरोज बाला, अनुपम, अमला कश्यप, युवा कांग्रेस आनी के कार्यकारी अध्यक्ष रमेश ठाकुर, धनी राम ठाकुर, देव राज, अनुसूचित जाति के अध्यक्ष किशोरी लाल, एलआर अग्रवाल सहित सभी कांग्रेस पार्टी के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रोड टैक्स बढ़ोतरी को लेकर हुए मुखर

मनाली। हिम आंचल टैक्सी आपरेटर यूनियन मनाली व लग्जरी कोच यूनियम मुखर हो गई है। टैक्सी यूनियन व लग्जरी कोच यूनियन ने मनाली में सयुंक्त वार्ता कर प्रदेश सरकार द्वारा बढ़ाए गए रोड टैक्स पर आपत्ति दर्ज की है। उनका कहना है कि आपत्ति दर्ज करने के बावजूद प्रदेश सरकार ने व्यवसायिक वाहनों का रोड टैक्स बढ़ाकर उनकी दिक्कतों को बढ़ा दिया है। टैक्सी यूनियन के अध्यक्ष पूर्ण चंद ठाकुर ने कहा कि तीन महीने पहले रोड टैक्स बढ़ोतरी को लेकर जब सरकार द्वारा वाहन चालकों से आपत्तियां दर्ज करने को कहा था, तो मनाली टैक्सी यूनियन व लग्जरी कोच यूनियन ने हजारों वाहन चालकों की ओर से रोड टैक्स बढ़ोतरी के खिलाफ आपत्ति दर्ज की थी। उन्होंने सरकार को चेताया कि सरकार टैक्स बढ़ोतरी की इस निर्णय को अति शीघ्र बापस ले अन्यथा यूनियन कठोर कदम उठाने को तैयार है।

विद्यार्थियों ने बेसहारा पशुओं के लिए जुटाया चारा

कुल्लू। जिला कुल्लू की बाराहार पंचायत स्थित खल्याणी स्कूल के विद्यार्थियों ने एक अनूठी पहल की है। स्कूल के विद्यार्थियों ने अपने घर से एक-एक घास का पूला लाकर बेसहारा पशुओं के लिए जुटाया, विद्यार्थियों के इस प्रयास से तीन घास की जीप भर गईं। बच्चों द्वारा जुटाए गए इस घास को अब एमसी के अध्यक्ष और ग्रामीण बेसहारा पशुओं तक पहुंचने निकले हैं। एमसी के अध्यक्ष वीर सिंह और साहित्यकार चुन्नीलाल ने बताया कि उन्होंने तीन दिन पहले ही खल्याणी स्कूल के वार्षिक पारितोषिक कार्यक्रम के दौरान बच्चों से आग्रह किया था कि वे बेसहारा पशु की सेवा के लिए अपने-अपने घर से एक-एक घास का पूला लेकर आएं। लिहाजा बच्चों ने अपने-अपने घर से घास लाकर एकत्रित किया। उन्होंने बताया कि बच्चों के इस सहनीय प्रयास से बच्चे काफी प्रभावित हुए हैं ऐसे में उन्होंने बच्चों द्वारा एकत्र किए गए घास को बेसहारा घूम रहे मवेशियों तक पहुंचाने का निर्णय लिया।

सुविधा 108 सेवा ने पिछले दो वर्षों में 15,600 से अधिक चिकित्सा आपात स्थितियों में की मदद

लोगों के लिए वरदान बनी 108 एंबुलेंस सेवा

अनंत ज्ञान, कुल्लू

पूरे प्रदेश में 108 और 102 एंबुलेंस सेवा को आपातकाल के दौरान जान बचाने और मरीजों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने के लिए जाना जाता है और विशेष तौर पर उन गरीब वर्ग के लिए वरदान है, जो कि निर्धन हैं और टैक्सी का खर्चा उठा नहीं सकते। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और हिमाचल प्रदेश सरकार के कुशल मार्गदर्शन में मेडस्वान फाउंडेशन द्वारा हिमाचल प्रदेश राज्य में संचालित की जा रही 108 और 102 राष्ट्रीय एंबुलेंस सेवा ने आगामी 16 फरवरी को हिमाचल प्रदेश राज्य में अपनी सेवा के दो सफल वर्ष पूरे करने जा रहा है।

अपने दो वर्षों के संचालन में मेडस्वान फाउंडेशन द्वारा संचालित आपातकालीन एंबुलेंस सेवाओं से लाखों लाभार्थी लाभान्वित हुए हैं। 108 राष्ट्रीय एंबुलेंस सेवा के तहत प्रदेशभर में 248 एंबुलेंस संचालित की जा रही हैं। इसी प्रकार से 102 सेवा के तहत प्रदेश भर में 148 एंबुलेंस संचालित की जा

248 एंबुलेंस 108 सेवा की प्रदेशभर में की जा रहीं संचालित

16 फरवरी को प्रदेश में 108 और 102 सेवा के पूरे होने जा रहे दो साल

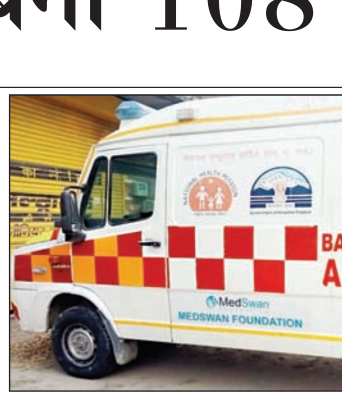

रही हैं। हिमाचल प्रदेश राज्य में औसतन लगभग हर चार मिनट में एक लाभार्थी 108 एंबुलेंस सेवा द्वारा लाभान्वित हुआ है। पिछले दो वर्षों के दौरान प्रदेशभर में औसतन प्रत्येक माह 11 हजार से अधिक लोग 108 एंबुलेंस सेवाओं से लाभान्वित हुए हैं, जिसमें कई गंभीर रेफरल आपात स्थितियों में समय पर सेवाएं भी शामिल हैं। 16 जनवरी 2024 तक पिछले दो वर्षों के दौरान 108 एंबुलेंस सेवाओं ने प्रदेश भर में 2,64,000 से अधिक चिकित्सा संबंधित आपातकालीन स्थिति में महत्वपूर्ण योगदान देकर बहुमूल्य मानव जीवन बचाया हैं। इसके इलावा इस सेवा ने 16,000 से अधिक पुलिस एवं 900 से अधिक अग्नि संबंधित आपातकालीन स्थिति में समय रहते सहायता प्रदान की है। 108 एंबुलेंस सेवा ने गर्भावस्था संबंधित आपात स्थितियों में कुशल प्रबंधन दिखाते हुए प्रशिक्षित एंबुलेंस कर्मचारियों द्वारा 1,964 सफल प्रसव करवाए गए है।

कुल्लू जिले में 108 सेवा के कर्मचारियों ने 200 से अधिक करवाए सफल प्रसव

जिला कुल्लू में 108 राष्ट्रीय एंबुलेंस सेवा एक वरदान साबित हुई है, क्योंकि राज्य के सबसे कठिन पर्वतीय जिलों में से एक जिला कुल्लू में 108 सेवा ने पिछले दो वर्षों की अवधि में 15,600 से अधिक चिकित्सा आपात स्थितियों में समय रहते सहायता प्रदान की है, जिनमें से 3,500 से अधिक गर्भावस्था संबंधित आपात स्थितियां थीं। इतना ही नहीं जिला कुल्लू में 108 एंबुलेंस के कर्मचारियों द्वारा 200 से अधिक सफल प्रसव करवाए गए हैं। मेडस्वान संस्था ने सरकार से पुरानी एंबुलेंस को बदलने की अनुमति देने का भी आग्रह किया है, ताकि भविष्य में पुरानी एंबुलेंस के स्थान पर नई एंबुलेंस के आने से सेवाओं की प्रभावशीलता में और अधिक वृद्धि हो।

" My Handloom My Pride"
जिला हथकरघा प्रदर्शनी
अंतिम दिन
"ताना-बाना" विरास्त
हिमाचल प्रदेश राज्य हस्तशिल्प एवं हथकरघा निगम द्वारा हथकरघा एवं हस्तशिल्प वस्तुओं की
प्रदर्शनी एवं बिक्री
कुल्लू-किन्नौरी शॉल, मफलर, स्टोल, कोट पट्टी, बार्डर, हस्त बुनाई, कैंडल मेकिंग, पेंटिंग, खिलौने इत्यादि
दिनांक: 17.01.2024 से 23.01.2024 तक
समय प्रात: 10:00 बजे से सायं 7:00 बजे तक
स्थान: प्रदर्शनी मैदान, ढालपुर, कुल्लू, जिला कुल्लू हि.प्र.
सौजन्य से:
विकास आयुक्त (हथकरघा)
वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार
आयोजक संस्था:
हिमाचल प्रदेश राज्य हस्तशिल्प एवं हथकरघा निगम लि. शिमला हि.प्र.

न्यूज ब्रीफ

लखदाता मंदिर में रंगारंग कार्यक्रम

लखदाता मंदिर में रामलला प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण।

मंडी। नरोला के लखदाता एवं चिंतपूर्णी माता मंदिर में नरोला गांव की लखदाता मंदिर कमेटी के सदस्यों की ओर से रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान कमेटी के सदस्यों व क्षेत्रवासियों ने एलईडी पर अयोध्या से सीधा प्रसारण देखा। सुबह से ही महिला मंडल नरोला की महिलाओं ने राम भजन से कार्यक्रम को शुरू कर बाद में अयोध्या में चल रहे ऐतिहासिक रामलला प्राण प्रतिष्ठा का उद्घाटन समारोह देखा। लखदाता मंदिर कमेटी के प्रधान हरीमन ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से न केवल हमारे धार्मिक विश्वास में वृद्धि होती है बल्कि हमारी अगली पीढ़ी भी परंपराओं को जानती है। इस मौके पर शालिग्राम सरकाघाट जिला संघ चालक व कै. जगदीश वर्मा सहित कई गणमान्य मौजूद रहे।

कांगणी माता मंदिर में भजन-कीर्तन किया

कांगणी माता मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेती महिलाएं।

मंडी। अयोध्या में श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में निर्माणाधीन शिव धाम के पास प्राचीन कांगणी माता मंदिर में भजन-कीर्तन किया गया। मंदिर कमेटी के प्रधान हेम सिंह रावत ने बताया कि इस दौरान महिला मंडल ओडी, छपौण व ढुदर के सदस्यों ने शिरकत की। इस दौरान श्रद्धालुओं को मिष्ठान भी बांटा गया। मंदिर प्रधान के अनुसार आने वाले दिनों में मंदिर को एक भव्य स्वरूप प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह इसलिए भी आवश्यक है क्योंकि जब शिव धाम पूर्ण रूप से निर्मित हो जाएगा तो यह प्राचीन मंदिर भी पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा।

शिव मंदिर पधर में हवन यज्ञ किया

अयोध्या में भगवान श्री राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का एलईडी के माध्यम से लाइव प्रसारण देखते लोग।

पधर। अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर उपमंडल मुख्यालय पधर में राम भक्तों में भारी उत्साह देखा गया। एकल अभियान के तहत श्री हरि रथ योजना भगवान श्रीराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का आयोजन शिव मंदिर पधर में किया गया, जिसके तहत सुबह नौ बजे हवन यज्ञ किया गया। उसके पश्चात भगवान श्रीराम की कथा का वर्णन किया गया। दोपहर 12 बजे से अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा का लाइव प्रसारण एलईडी के माध्यम से सभी ने देखा। कार्यक्रम के बाद डलाह से पैदल शोभायात्रा भी निकाली गई। इस दौरान विश्व हिंदू परिषद के मार्गदर्शक मंडल के संत श्री एकादशी गिरी महाराज, जिला मंत्री दीप चंद, संच समिति के अध्यक्ष प्रेम सिंह, संत राम, कैप्टन हेम सिंह, सुदर्शन अवस्थी, दलीप ठाकुर, निर्मल चौहान, टेक सिंह चौहान, दूनी चंद, किरपा धरवाल, विपिन सपहिया, दुर्गा वाहिनी सह संयोजिका कविता चौहान, मंदाकिनी शर्मा, रीना देवी, तामेश्वरी देवी तथा निर्मला देवी उपस्थित रहे।

हीरा सिंह श्रीराम साहित्य सम्मान से सम्मानित

सुंदरनगर। सुंदरनगर उपमंडल के गांव महादेव से संबंध रखने वाले शिक्षक, कवि,

लेखक व साहित्यकार हीरा सिंह कौशल को उनकी कविता 'मर्यादित राम' पर निजी क्षेत्र के चैनल डीडी भारती नेटवर्क के सीईओ विजय कुमार शर्मा द्वारा श्रीराम साहित्य सम्मान 2024 का सम्मान प्रत्र प्रदान किया गया। इससे पहले अंबेडकर फैलोशिप 1993 शताब्दी 2000 पद्म डॉ. लक्ष्मी नारायण दूबे स्मृति सम्मान राम वृक्ष बेनीपुरी शताब्दी सम्मान राष्ट्र भाषा सम्मान जैमिनी अकादमी पानीपत द्वारा शिक्षक गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया है। इनका लघुकथा संग्रह 'ख्यालों के साये में' गतवर्ष चर्चित रहा है। हीरा सिंह कौशल समाजसेवा के साथ-साथ साहित्य के क्षेत्र में भी काम कर रहे हैं। इनको पहले भी अनेक सम्मानों से नवाजा गया है।

महादेव मंदिर में लाइव दर्शन करवाए

महादेव मंदिर में भजन-कीर्तन करती महिलाएं।

मंडी। उपमंडल सुंदरनगर के मंदिरों में लोगों ने रामलला के दर्शन करने के साथ भजन-कीर्तन किया। अयोध्या राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर महादेव मंदिर में भी एक एलईडी स्क्रीन लगाकर लोगों को लाइव दर्शन करवाए गए। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के प्रांत अध्यक्ष लेखराज राणा भी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा की विश्व और देश में परिवर्तन हो रहा है। देश व प्रदेश के लोगों ने जिस तरह से इस अभियान में भाग लिया है वह देश के लोगों की राष्ट्रभक्ति को दर्शाता है।

पंचायत भवन की प्राण प्रतिष्ठा की

ग्राम पंचायत रीगड के भवन की प्राण प्रतिष्ठा में मौजूद जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण।

नेरचौक। अयोध्या धाम भव्य राम मंदिर में श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर ग्राम पंचायत रीगड में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पंचायत के नव निर्मित भवन की प्राण प्रतिष्ठा की गई। इस अवसर पर पंचायत जनप्रतिनिधियों ने विद्वान ब्राह्मणों द्वारा हवन यज्ञ एवं मंत्र उच्चारण एवं कन्या पूजन करवाया। इसके बाद समस्त जनप्रतिनिधियों ने पंचायत भवन में प्रवेश किया। प्रधान केदारनाथ ने बताया कि इस अवसर पर पंचायत भवन निर्माण के लिए 12 विस्वा भूमि दान करने वाले रमेश गुलेरिया को भी शॉल, टोपी भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपप्रधान केवल सिंह, वार्ड सदस्य रमा देवी, कौशल्या देवी, हरीश कुमार, हंसा देवी और भूमा देवी तथा वैभवी महिला मंडल, सभी स्वयं सहायता समूह और गांव के लोगों ने भजन-कीर्तन कर कार्यक्रम में भाग लिया।

राम भजनों की धुन से राममयी हुई छोटी काशी

जिले के 100 से अधिक मंदिरों में रामलला मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य पर समारोह किए गए आयोजित

अनिल शर्मा, मंडी

रामलला मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर छोटी काशी मंडी राममयी हो गई। जिले के 100 से अधिक मंदिरों में समारोह आयोजित किए गए। बाबा भूतनाथ मंदिर में हरिहर एक साथ देखे गए। छोटा सा बालक श्रीराम का रूप धारण कर बाबा भूतनाथ मंदिर पहुंचा जहां दर्जनों भक्त उसके दर्शन कर प्रसन्नता के अश्रुपात करने लगे। पलाख्या मोहल्ला में बालकरूपी मंदिर के बाहर मनीष कपूर के नेतृत्व में लड्डू बांटे गए। वहीं श्रीराज माधोराय मंडी, सिद्ध गणपति मंदिर सैण, श्रीराम मंदिर पड्डल, पुरानी मंडी योगसिद्ध आश्रम, वेदांत कुटीर, साई मंदिर, त्रिलोकीनाथ मंदिर, गुसाई शिव मंदिर सहित 27 जगह श्रीराम महोत्सव मनाया गया। वहीं प्रसिद्ध नौबाही देवी मंदिर सरकाघाट, महादेव मंदिर सुंदरनगर, द्रंग, पधर, जोगिंद्रनगर, नेरचौक, हणोगी देवी मंदिर, बलद्वाड़ा, चोलथरा, काली घाटी, सुंदरनगर शिव मंदिर सहित जिलाभर के सौ से अधिक मंदिरों में श्रीराम मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह मनाया गया। इसके साथ ही जगह जगह शोभायात्राएं निकाली गई और भजन-कीर्तन किया गया। वहीं एसपी मंडी सौम्या सांबशिवन ने बाबा भूतनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। वहीं पधर में राष्ट्रीय हिंदू मोर्चा ने असली साधु संतों की रक्षा करने और राजनीतिक दलों द्वारा नकली बनाए गए मठाधीशों का पर्दाफाश करने का संकल्प लिया।

सरकाघाट के नयना देवी मंदिर डबरोग में शोभायात्रा निकालते राम भक्त।

कंठी, तिलक धारण करने का संकल्प

स्वयंसेवियों ने जिला मंडी के हर घर में श्रीराम का प्रसाद वितरित किया और सबके माथे पर श्रीराम का तिलक किया। मंडी में इस अवसर पर हिंदुओं ने कंठी, शिखा और तिलक धारण करने का संकल्प लिया और मांस मदिरा का परित्याग कर सनातन मानबिंदुओं पर जीने का संकल्प लिया। सरकाघाट में गो हत्या बंद करने का प्रस्ताव पारित किया गया। वहीं बलद्वाड़ा में साधु संतों की सुरक्षा का संकल्प लिया गया। विशुद्ध सनातन धर्मनीति संगठन ने मंडी में गो हत्या बंद करने और मंदिरों के पास मांस मदिरा की दुकानों को बंद करने तथा हर हिंदू को शिखा तिलक और कंठी धारण करवाने का संकल्प लिया।

बाबा भूतनाथ मंदिर में श्रीराम की वेशभूषा में पहुंचा बालक।

माधव राय मंदिर में प्रज्वलित किए 1508 दीप

अनंत ज्ञान, मंडी

अयोध्या में भगवान श्रीराम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के चलते छोटीकाशी मंडी राममयी हुई। धर्म संघ भूतनाथ मंदिर की ओर से राजदेवता माधोराय मंदिर में दीप प्रज्वलित किए गए। जबकि लोगों ने भी घरों की छत पर श्रीराम ध्वज पताकाएं फहराने के अलावा दीप जलाकर इस उत्सव को मनाया। वहीं राजदेवता माधव राय मंदिर में 1508 दीप प्रज्वलित किए। इस अवसर पर मंडी शहर की सभी धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं तथा शहर की जनता भाग लिया और दीप प्रज्वलित करने के बाद आरती की गई।

बाबा भूतनाथ मंदिर में पूजा करती हुई एसपी मंडी।

करसोग के ममेल में श्रीराम के नवनिर्मित भव्य मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के उपलक्ष्य पर श्रीराम के परिधान में सजे नौनिहाल।

हंडेटी में नए मंदिर में विराजे भगवान जगन्नाथ

सुंदरनगर। जिला मंडी के सबसे प्राचीन भगवान जगन्नाथ की मूर्ति हंडेटी स्थित नवनिर्मित मंदिर में सोमवार को विधिवत पूजन के साथ विराजमान की गई। जहां एक ओर अयोध्या की पावन धरा पर रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जा रही थी, वहीं उसी समय ऋषि शुकदेव की धरा सुंदरनगर में भगवान जगन्नाथ नए मंदिर के गर्भगृह में विराजमान हुए। इस मौके पर बड़ी संख्या में मंदिर पहुंच कर स्थानीय लोग आयोजन के साक्षी बने और भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया। बता दें कि सुंदरनगर के हंडेटी स्थित भगवान जगन्नाथ के पुराने मंदिर के स्थान पर ही सैकड़ों वर्ष उपरांत अब नया स्वरूप दिया गया है। इस दौरान भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और माता लक्ष्मी की मूर्तियां अस्थायी तौर पर मंदिर के पुजारी रूपेश शर्मा के घर मौजूद रही। मंदिर के पुजारी ने बताया कि इस आयोजन के दौरान सोमवार को मंदिर में सबसे पहले गणपति पूजन किया गया और हवन यज्ञ के साथ मूर्ति स्थापित करने की परंपरा पूरी हुई। गौरतलब है कि सुंदरनगर शहर के हंडेटी में निर्मित इस प्राचीन मंदिर का निर्माण 250 वर्ष पूर्व हुआ था। यहां भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और मां लक्ष्मी चंदन की लकड़ी से निर्मित हैं। हर वर्ष सुंदरनगर में उनकी रथयात्रा निकाली जाती है। मान्यतानुसार एक फकीर इस मूर्ति को बेचने के लिए ओडिशा के तट से सुंदरनगर लाए थे।

भूतनाथ बाजार में खुला रेडीमेड गारमेंट शोरूम

मंडी। महिला सशक्तिकरण की दिशा में मंडी की महिला उद्यमियों ने बड़ी पहल की है। यहां महिलाओं द्वारा संचालित किरण एंपोरियम रेडिमेट गारमेंट शोरूम में महिलाएं अपनी मनपसंद के विभिन्न प्रकार के परिधान खरीद सकती हैं। मंडी के भूतनाथ बाजार स्थित किरण एंपोरियम ने महिलाओं द्वारा संचालित महिलाओं के लिए मंडी में पहले शोरूम का उद्घाटन किया गया। इस नए शोरूम में महिलाओं के वैडिंग लहंगा, रेडीमेड गारमेंट्स, वूलन ड्रेस और स्वेटर की लेटेस्ट रेंज उपलब्ध है। शुभारंभ पर ग्राहकों को 15 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। किरण एंपोरियम के एमडी किरणवीर ने बताया कि वह सन 1952 से रैमंड सूटिंग शर्टिंग के अधिकृत विक्रेता हैं। किरण एंपोरियम में ग्राहकों को वैन हुसैन ब्लैक वैरी, लुई फ्लिप्स, माउंटी कारलो आदि विभिन्न ब्रांड के परिधान उचित दामों पर उपलब्ध हैं।

25 जनवरी को लाल किले पर होगी लुड्डी

मंडी। गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में दिल्ली के लाल किला में एनजेडसीसी द्वारा आयोजित भारत पर्व 2024 में हिमाचल प्रदेश की विख्यात सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था मांडव्य कला मंच के लोक कलाकार प्रदेश का नेतृत्व कर लुड्डी की धूम मचाने जा रहे हैं। दल का नेतृत्व प्रदेश के मशहूर संस्कृति कर्मी एवं संस्थापक मांडव्य कला मंच कुलदीप गुलेरिया कर रहे है। उन्होंने बताया कि मंच के नौ कलाकार भारत पर्व में पहली बार देश के 20 राज्यों के 200 कलाकारों के साथ 25 जनवरी को दिल्ली के लाल किला में प्रदेश की सांस्कृतिक झलक प्रस्तुत कर देश के सभी कलाकारों के साथ फिनाले की बहुरंगी छठा बिखेरेंगे। इसके लिए देश के मशहूर कोरियोग्राफर सुशील शर्मा अपने सहयोगियों के साथ 18 जनवरी से खूब पसीना बहा रहे हैं। गौरतलब है कि गत वर्ष भी मांडव्य कला मंच के कलाकारों ने इतिहास रचते हुए वंदे भारतम कार्यक्रम में भी मंडी का गोरव बढ़ाया था।

बच्चों के साथ मनाया प्राण प्रतिष्ठा समारोह

स्वामी विवेकानंद छात्रावास पहुंचे विभिन्न संस्थाओं व संगठनों के सदस्य

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

अयोध्या में प्रभु श्रीराम के नवनिर्मित भव्य मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का उल्लास समाज के हर वर्ग में देखने को मिला। ऐसे में मंडी में एक ऐसे आयोजन की झलक भी देखने को मिली जहां पर उन बच्चों के साथ इसकी खुशियां मनाई गई जिनका या तो कोई नहीं या फिर वे गरीब परिवार से संबंध रखते हैं।

ऐसे 26 बच्चे मंडी शहर के साथ लगते बाड़ी गुमाणू स्थित स्वामी विवेकानंद छात्रावास में रहते हैं। ये बच्चे कहीं प्रभु श्रीराम के इस भव्य आयोजन की खुशियों से वंचित न रह जाएं इसके लिए यहां पर विशेष आयोजन किया गया जिसमें सोच संस्था सहित स्थानीय महिला एवं युवक मंडलों सहित अन्य लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

छात्रावास परिसर में अयोध्या में हुए भव्य आयोजन का सीधा प्रसारण दिखाया गया और यहां हवन यज्ञ करके पूर्णाहूति डाली गई। इसके साथ ही भजन कीर्तनों के माध्यम से प्रभु महिमा का बखान भी किया गया और इन भजनों पर लोग जमकर झूमे। इसके साथ ही सभी के लिए भोजन का प्रबंध भी किया गया था। स्वामी विवेकानंद छात्रावास समिति बाड़ी गुमाणू के अध्यक्ष खेम चंद शास्त्री और सोच संस्था के संस्थापक राजा सिंह मल्होत्रा ने बताया कि इस आयोजन की खुशी से कोई वंचित न रह जाए, इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है। सभी में इस बात को लेकर भारी उत्साह है कि 500 वर्षों का संघर्ष आज फलीभूत हुआ है और अयोध्या में प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर बनकर न सिर्फ तैयार हुआ है बल्कि रामलला भी वहां विराजे हैं। छात्रावास के बच्चों में भी खासा उत्साह देखने को मिला।

गुमाणू स्थित स्वामी विवेकानंद छात्रावास महवन के दौरान पूर्ण आहुति देते रामभक्त।

35 युवाओं ने रक्तदान किया

मंडी। लाल बहादुर शास्त्री मेडिकल कॉलेज नेरचौक में क्षत्रिय संघ के सौजन्य से बसेड़ू राजपूत युवाओं द्वारा रक्तदान किया गया। भगवान श्रीराम के पावन प्राण प्रतिष्ठा समारोह के उपलक्ष्य में यह रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इस मौके पर अंतरराष्ट्रीय पहलवान जितेंद्र चौहान, रवि, क्रांति कृष्ण, प्रशांत मंडयाल, सरदार सुरेंद्र, विकास, ज्योति प्रकाश, सुरेश कुमार, अतुल चौहान, सुरेंद्र सिंह, संजय सूर्यवंशी, सुनील,अजय, सुनील चौहान, पुनीत राजपूत, अजय चौहान, जितेंद्र, दीवान चंद्र, संजय चंदेल, सुनील सहवाल, लीलाधर ठाकुर, अजू समकल, पदम देव, देवेंद्र सहित 35 युवाओं ने रक्तदान किया। इस अवसर पर कृष्ण चंद्र महादेविया, श्याम चौहान, अतुल, अनिल ने मरीज और तीमारदारों को दूध, संतरे अमरूद वितरित किए। बल्ह संघ के कोषकार राजेंद्र पाल ने बताया कि क्षत्रिय संघ सुंदरनगर और बल्ह समाजसेवा के कार्य करता है।

सम्मान | शिव मंदिर बाग झलवान में विश्व हिंदू परिषद जोगिंद्रनगर ने नवाजा

कार सेवकों और उनके परिजनों को किया सम्मानित

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर

अयोध्या में 500 साल बाद आई शुभ घड़ी में समूचा भारत राममय हो गया। इसी कड़ी में जोगिंद्रनगर में भी जगह-जगह श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के अंतर्गत लोगों को एलईडी के माध्यम से प्राण प्रतिष्ठा का लाइव प्रसारण दिखाया गया और अनुष्ठान, अखंड रामायण का पाठ और सुंदर झाकियां निकाली गई।

इस दौरान शिव मंदिर बाग झलवान में भी अनुष्ठान किया गया और 1990 और 1992 में जोगिंद्रनगर से अयोध्या गए कार सेवकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शांति स्वरूप ने बताया कि 1990 और 92 में जोगिंद्रनगर से अयोध्या गए कार सेवकों व उनके परिजनों को विश्व हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा सम्मानित किया गया। उस समय 18 लोग अयोध्या गए थे। अक्तूबर 1990 की कार सेवा के लिए गए बलिदानी जत्थे का नेतृत्व स्व. रामस्वरूप शर्मा कर रहे थे, जिसमें स्व. अमृत लाल, स्व. शिव चंद, तारा चंद, सुनील दत्त शर्मा आदि को सम्मानित किया गया। इसी के साथ 1992 की कार सेवा में रहे कार सेवकों स्व. कैप्टन गंगा सिंह बिष्ट, जोगिंद्र शर्मा, अनिल ठाकुर, रूप सिंह, हेम सिंह वर्मा, स्व. निर्भय जम्वाल, रामचंद्र, नरेश भंडारी, स्व. देशराज ठाकुर, कश्मीर सिंह, कश्मीर ठाकुर, केहर सिंह ठाकुर, जय सिंह ठाकुर, पाल सिंह ठाकुर, आनंद ठाकुर, चतर सिंह कार सेवकों व उनके परिजनों को सम्मानित किया गया।

कार सेवक दल के सदस्य जोगिंद्र शर्मा ने बताया कि 1990 और 1992 में अलग-अलग जगह से गए बलिदानी जत्थों के प्रयास से हमें आज का दिन देखने को मिला। दुर्गा वाहिनी संयोजिका खुशबू शर्मा ने बताया कि आज कार सेवकों की मेहनत का नतीजा है कि हमें आज का दिन बड़ी धूमधाम से मानने को मिला और मैं अपनी और विश्व हिंदू परिषद की ओर से यहां पर आए कार सेवकों ओर उनके परिवार का धन्यवाद करती हूं।

शिव मंदिर बाग झलवान में कार्यक्रम के दौरान सम्मानित किए गए कार सेवक।

श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दौरान विश्व हिंदू परिषद ने लगाया भंडारा।

प्राण प्रतिष्ठा को लेकर कार्यक्रम आयोजित

अयोध्या में श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा पर घर में दीप जलाते केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल और परिवार के सदस्य।

पूर्व मुख्यमंत्री धूमल ने की पूजा-अर्चना

हमीरपुर। भारतवर्ष के साथ साथ आज पूरा विश्व राममय हो गया है। पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल ने सोमवार को समीरपुर स्थित निवास स्थान पर राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर आयोजित राम पूजन और भजन कीर्तन कार्यक्रम के दौरान यह बात कही। समीरपुर में दिन भर चले भजन कीर्तन समारोह में धूमल एवं उनकी धर्मप ी शीला धूमल सहित गांव की अन्य महिलाओं, पुरुषों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया और मधुर भजनों के साथ राम पूजन किया। इस मौके पर भंडारे का आयोजन भी किया गया।

बिझड़ी में रामलला के भजनों का गुणगान

बिझड़ी। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह को सफल बनाने के लिए बिझड़ी में बाजार में राम भक्तों ने रामलला के भजनों का गुणगान करते हुए बाजार में शोभायात्रा निकाली। बिझड़ी में राम भक्तों ने खीर, हलवे के जगह-जगह भंडारे लगा रखे थे। सारा दिन राम भक्तों ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण पर एक-दूसरे के गले मिलकर बधाई दी।

शोभायात्रा में लोगों ने लिया बढ़-चढ़कर भाग

बड़ा। अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दौरान कस्बा चोडू के रामलीला शिव शक्ति क्लब ने शोभायात्रा निकाली और क्षेत्र वासियों ने इस शोभायात्रा में बढ़-चढ़कर भाग लियाा ।

चोड़ू में शोभायात्रा के दौरान मौजूद श्रद्धालु।

बड़ा में त्रिकुंडीय महायज्ञ का आयोजन

राम मंदिर में त्रिकुंडीय महायज्ञ किया गया।

बड़ा। अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दौरान कस्बा बड़ा के राम मंदिर में त्रिकुंडीय महायज्ञ किया गया। क्षेत्र वासियों ने इस आयोजन में बढ़-चढ़कर भाग लिया।

भोरंज के मंदिरों में राम नाम का गुणगान

श्री राम को भोग लगाते श्रद्धालु।

भोरंज। अयोध्या में श्री रामलला जी की प्राण प्रतिष्ठा पर भोरंज के विभिन्न कस्वों के मंदिरों में आयोजित कार्यक्रम में सैकड़ों भक्तों ने श्री राम की गुणगान किया। इस मौके सुंदर कांड का पाठ किया गया। भोरंज के मुख्य मंदिरों लदरौर, अवाहदेवी टाऊन भराड़ी, जाहू, बस्सी, भरेड़ी इत्यादि में विशेष पूजा-अर्चना की साथ ही सभी ग्रामीणों में राम नाम की धूम रही। इस मौके पर सैकड़ों दीप प्रज्वलित किए गए। इस मौके पर सुबह से ही मंदिरों में भक्तों भी भीड़ उमडी। भरेड़ी बाजार से शोभायात्रा निकाली गई व बाजार में भी हनुमान चौक व पीएनवी भरेड़ी का पास भी भजन-कीर्तन किया गया। भक्तों ने शोभायात्रा निकाल श्री राम का गुणगान किया।

ग्रामीणों ने निकाली झांकियां, किया गुणगान

भोरंज। उपमंडल भोरंज के तहत टिककरी मिन्हासा पंचायत के तहत गांव सुंगरवाड़ से खतरवाड़ तक पंचायत प्रधान एकता कुमारी की अध्यक्षता में प्रभु श्रीराम, सीता और लक्ष्मण की झांकी निकली गई और गांव की महिलाओं ने राम भजन का गुणगान किया। ग्रामीण महिलाओं ने भजन गाए व अयोध्या में श्री राम की मूति की प्राण प्रतिष्ठा पर सबको बधाई दी। इस मौके पर बार्ड सदस्य सुनील कुमार, महिला मंडल प्रधान मोना ठाकुर, पूर्व प्रधान रेखा देवी, पुष्पा देवी, उमा देवी, सरोज कुमारी, लाजो देवी, दीपा देवी, राज कुमारी इत्यादि मौजूद रहीं।

गांव सुंगरवाड़ से खतरवाड़ तक भव्य झांकियां निकाली गईं।

राम धाम में गूंजे जय श्री राम के नारे

बीड़ बगेहड़ा पंचायत में बनाए गए रामधाम में विधायक राजेंद्र राणा ने शिरकत की।

सुजानपुर। बीड़ बगेहड़ा पंचायत में बनाए गए रामधाम में विधायक राजेंद्र राणा के आहवान पर राम भक्तों ने प्राण प्रतिष्ठा का लाइव कार्यक्रम देखा और विशेष पूजा-अर्चना में भाग लिया। इस दौरान रामधाम में जय श्री राम के नारे भी गूंजे। सुजानपुर ब्लॉक से कैप्टन ज्योति प्रकाश सर्व कल्याणकारी संस्था के जिला अध्यक्ष लेखराज ठाकुर ने इस पावन मेला पर लोगों को भव्य राम मंदिर बनने की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विधायक राजेंद्र राणा के निर्देश पर राम धाम में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

श्री राम की प्रतिमा का किया दूध से अभिषेक

हवन यज्ञ करते राम भक्त।

डिडवीं टिक्कर। प्रभु श्री राम प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर टिक्कर के कटोच वेंकट पैलेस में हवन यज्ञ के दौरान विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्थानीय लोगों ने पैलेस में चल रहे हवन यज्ञ के दौरान पूर्ण आहुति के साथ भगवान श्री राम की प्रतिमा का दूध से अभिषेक किया गया और पंडितों ने भगवान श्री राम की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन किया गया। इसके उपरांत लगभग 2000 श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर पैलेस के मालिक एवं पूर्व उपप्रधान सुरजीत कटोच ने श्रद्धालुओं और राम भक्तों का अभिनंदन करके उनका स्वागत किया।

श्री रामचंद्र मार्ग का शुभारंभ

बस्सी चौक का नाम बदल कर किया श्री रामचंद्र चौक

श्री रामचंद्र मार्ग का शुभारंभ करते भोरंज विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुरेश कुमार, साथ हैं अन्य।

रणबीर ठाकुर, भोरंज

विधायक सुरेश कुमार ने पुरानी हमीरपुर जाहू सड़क बस्सी से सम्मू तक श्री रामचंद्र मार्ग का शुभारंभ किया। गौरतलब है कि यह सड़क कई सालों से बंद पड़ी हुई थी। उन्होंने कहा कि इस सड़क का नाम श्री रामचंद्र मार्ग के नाम से रखा गया। इस सड़क की लंबाई लगभग 400 मीटर है।

विधायक सुरेश ने बताया कि हम सबके लिए आज का दिन बड़ा खुशी का दिन है और इस दिन श्री रामचंद्र मार्ग का शुभारंभ किया। इसके अलावा अब बस्सी चौक का नाम श्री रामचंद्र चौक किया गया। उन्होंने कहा की जल्द ही इस सड़क का निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

इस मौके पर भूमि विकास बैंक के चेयरमैन रामचंद्र पठानिया ने भी लोगों को बधाई दी और कहा की भगवान राम हम सब के लिए आदर्श हैं और हम सबको इनके बताए हुए मार्ग पर चलना होगा। इस पावन अवसर पर श्री रामचंद्र मार्ग का शुभारंभ होना खुद ही अपने आप में भोरंज के इतिहास में ऐतिहासिक पल है और हम सब इस पल के साक्षी हैं। यह हमारे लिए खुशी का दिन है।

इनके अलावा पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष राजीव लाल मैहर, ब्लॉक अध्यक्ष विजय बनयाल, राकेश गोल्डी, चंदन जैलदार, अनिल गौतम, मुकेश बनयाल, प्रकाश चौधरी, पवन बिट्टू, अमरदीप चंदेल, रिंकू जरयाल इत्यादि मौजूद थे। (अनंत ज्ञान)

मेले हमारी संस्कृति की विरासत: आशीष

हमीरपुर। सदर के विधायक आशीष शर्मा ने चौकी कनकरी पंचायत में आयोजित छिंज में बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। विधायक ने इस मौके पर कहा कि छिंज मेले हमारी सांस्कृतिक विरासत हैं और इन्हें संजोए रखना हमारी जिम्मेदारी है।

विधायक ने कहा कि छिंज स्थल पर लोगों के बैठने के लिए स्टेडियम की सीढ़ियां और लखदाता पीर का मंदिर छिंज कमेटी की मांग पर बनवाया गया है और आगे भी छिंज कमेटी की मांग पर सीढ़ियों का विस्तार किया जाएगा।

पहलवानों के साथ विधायक आशीष शर्मा।

थाइलैंड में 26 से 28 अप्रैल को होगी विश्वकप बीच कोर्फबाल प्रतियोगिता

भारतीय टीम के आठ खिलाड़ी लेंगे प्रतियोगिता में भाग

अनंत ज्ञान, भरेड़ी

द्वितीय विष्वकप बीच कोर्फबाल प्रतियोगिता थाईलैंड के पाट्य शहर में खेली जाएगी। अंतरराष्ट्रीय कोर्फबाल फेडरेशन ने इसकी अधिसूचना जारी हुए यह प्रतियोगिता 26 से 28 अप्रैल को करवाने का निर्णय लिया है।

अखिल भारतीय कोर्फबाल फेडरेशन के उपाध्यक्ष एवं हिमाचल प्रदेश महासचिव बीआर सुमन ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय विश्वकप बीच कोर्फबाल प्रतियोगिता में भारतीय टीम भाग लेगी।

प्रतियोगिता में भाग लेने वाली खिलाड़ियों का चयन ट्रॉयल के आधार पर होगा। खिलाड़ियों को ट्रॉयल दीनदयाल उपाध्याय कॉलेज नई दिल्ली में 28 जनवरी को लिया जाएगा। इससे भारतीय टीम के लिए दस खिलाड़ियों जिसमें पांच महिला व पांच ही पुरुष खिलाड़ी चयनित होंगे। उन्होंने बताया कि चयनित खिलाड़ियों का प्रशिक्षण कैंप 17 से 22 अप्रैल को लगेगा। कोचिंग कैंप में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में भारतीय टीम में आठ खिलाड़ी चयनित होंगे। इनमें चार महिला और चार पुरुष खिलाड़ी होंगे। ये चयनित खिलाड़ी प्रतियोगिता स्थल के लिए दिल्ली से 24 अप्रैल को थाईलैंड के लिए रवाना होंगे।

उन्होंने कहा कि वर्षा 23 में हुए प्रथम विश्वकप बीच कोर्फबाल प्रतियोगिता में हिमाचल प्रदेश के चार खिलाड़ियों विशाल शर्मा, बलविंद्र कौर, तमन्ना, कामिनी ढिल्लों ने भाग लेकर अच्छा प्रदर्शन किया है। इस बार भी हिमाचल प्रदेश के भारतीय टीम में शामिल होने के खिलाड़ी ट्रॉयल में भाग लेंगे। इसके लिए प्रदेश के जिलाध्यक्षों व महासचिवों को सूचित कर दिया गया है।

विधायक सुरेश कुमार ने की भगवान राम की मूर्ति स्थापित

बस्सी बाजार में भगवान राम की मूर्ति को स्थापित करने के लिए कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

अनंत ज्ञान, भोरंज

भोरंज में विधायक सुरेश कुमार ने बस्सी बाजार में भगवान राम की मूर्ति स्थापित की। इस कार्यक्रम में लोगों ने भजन-कीर्तन करके भगवान राम को याद किया। भोरंज विधायक सुरेश कुमार ने लोगों के साथ भजन-कीर्तन किया।

विधायक ने भगवान राम चंद्र की मूर्ति पर फूल-माला का प्रत्यर्पण किया। विधायक ने कहा की भगवान राम हम सबके हैं और हम सबको इनके बताए हुए मार्ग पर चलना होगा। भूमि विकास बैंक के चेयरमैन राम चंद्र पठानिया ने कहा की मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम हमारे आदर्श हैं और हमारे रोम रोम में बसे हैं।

इस मौके पर भूमि विकास बैंक के चेयरमैन राम चंद्र पठानिया, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष राजीव लाल मैहर, ब्लॉक अध्यक्ष विजय बनयाल, राकेश गोल्डी, चंदन जैलदार, अनिल गौतम, मुकेश बनयाल, प्रकाश चौधरी, पवन बिट्टू, रिंकू जरयाल, अमरदीप चंदेल इत्यादि मौजूद थे।

कार दुर्घटनाग्रस्त, बाल-बाल बचा चालक

गलोड़। क्षेत्र की उटप पंचायत के उपप्रधान प्रकाश चंद शर्मा उस समय बाल बाल बच गए, जब अचानक सड़क पर नील गउ सामने आ गई। इस कारण उनकी गाड़ी 25 फुट गहरे नाले में जा गिरी।

जानकारी के अनुसार दुर्घटना के दौरान जैसे ही गाड़ी गिरने लगी, प्रकाश चंद उपप्रधान गाड़ी का दरवाजा खोलकर बाहर आ गए और गाड़ी आगे पलट गई व 25 फुट के गहरे नाले में जा गिरी। गनीमत रही की उपप्रधान को इस हादसे में कोई भी चोट नहीं आई है, वरना वड़ा हादसा हो सकता था। वहीं दूसरी तरफ गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। इस मामले पर गलोड़ पुलिस चौकी प्रभारी विनय कुमार अत्री ने बताया कि पुलिस को सूचना मिलने के बाद पुलिस घटना स्थल पर गई थी व पुलिस हादसे की जांच कर रही है पुलिस ने उपप्रधान प्रकाश चंद शर्मा के बयान भी कलमबद्ध किए हैं।

विधायक इंद्रदत्त लखनपाल ने नवाजे घंगोट के मेधावी

कार्यक्रम में बच्चों को प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की खुशी में लड्डू खिलाते विधायक।

एसके ठाकुर, बिझड़ी

विधायक इंद्रदत्त लखनपाल ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला घंगोट के वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और शैक्षणिक, खेलकूद, सांस्कृतिक तथा अन्य गतिविधियों में सराहनीय उपलब्धियां हासिल करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। उन्होंने स्कूल के लिए अपनी ओर से 11 हजार रुपए, मिडल स्कूल नैन रप्पड़ और बल्ह ठाकरू के लिए पांच-पांच हजार रुपए की राशि देने की घोषणा भी की।

इस अवसर पर इंद्रदत्त लखनपाल ने कहा कि बड़सर विधानसभा क्षेत्र के शिक्षण संस्थानों में विभिन्न सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है, ताकि इन संस्थानों में बच्चों को बेहतरीन शिक्षा उपलब्ध हो सके। उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के अनुष्ठान के उपलक्ष्य पर बच्चों को लड्डू भी बांटे और लोगों से घर-घर दीप जलाने का आह्वान किया।

प्रधानाचार्य यशवीर पटियाल ने मुख्यातिथि एवं अभिभावकों का स्वागत किया तथा स्कूल की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। समारोह में प्रधान यशपाल सिंह, उपप्रधान युद्धवीर सिंह, एसएमसी अध्यक्ष रीना कुमारी, सेवानिवृत्त उपनिदेशक जगदीश ठाकुर, हाकम सिंह, कांग्रेस नेता होशियार सिंह आदि उपस्थित थे। अनंत

अवाहदेवी में अनुराग ने की पूजा-अर्चना

कुलदेवी मंदिर में पूजा-अर्चना करते अनुराग ठाकुर।

हमीरपुर। भव्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने संसदीय क्षेत्र हमीरपुर में रहकर लोगों संग श्री राम लला के आगमन की खुशियां मनाईं। ठाकुर ने कहा, 'शुभ घड़ी आई, विराजे रघुराई'। अनगिनत रामभक्तों का बलिदान, असंख्य रामभक्तों की कामना से श्री रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा का अनुष्ठान संपन्न हुआ। अनुराग के साथ जिला भाजपा के अध्यक्ष देशराज शर्मा के अलावा पूर्व विधायक कमलेश कुमारी व भाजपा के कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

हमीरपुर जिले में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर रहा उत्साह

विक्रम ढटवालिया, हमीरपुर

भंडारे में प्रसाद बांटते हुए आशीष शर्मा। मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार सुनील शर्मा भजन-कीर्तन में हिस्सा लेते हुए।

प्रभु श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम की एवज में हमीरपुर जिले में सोमवार को खूब धूम रही। हमीरपुर शहर में जगह-जगह कई कार्यक्रम आयोजित हुए। यही स्थिति जिला के ग्रामीण इलाकों और कस्बों में भी रही।

बीजेपी, बजरंग दल, आरएसएस और अन्य संगठनों के अलावा कांग्रेस के नेताओं ने भी अपने ढंग से इन कार्यक्रमों में शिरकत की। उन्होंने हमीरपुर शहर में मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार सुनील शर्मा बिट्टू की मौजूदगी में पहले तो सत्यनारायण मंदिर में माता टेका और भजन-कीर्तन में हिस्सा लिया। इसके बाद भगवान राम के नारे लगाते हुए शहर का दौरा भी किया।

हमीरपुर के विधायक आशीष शर्मा ने भी गांधी चौक हमीरपुर में आयोजित लाइव टेलीकास्ट कार्यक्रम व भंडारे में अपनी पत्नी साहित शिरकत की। इस मौके पर उन्होंने हमीरपुर की जनता साहित प्राण प्रतिष्ठा समारोह का लाइव टेलीकास्ट देखा व प्रभु श्रीराम के दर्शन किए। उन्होंने सभी को इस ऐतिहासिक दिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर उन्होंने भंडारे में जनता को प्रसाद भी वितरित किया।

विधायक ने कहा कि यह पूरे देशवासियों के लिए ऐतिहासिक पल है। माननीय प्रधानमंत्री के करकमलों से श्री राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम सम्पन्न हुआ है, यह पूरे देशवासियों के लिए खुशी एवं भावुक के क्षण रहे। जिस दिन का इंतजार देशवासी 500 सालों से कर रहे थे, वह इंतजार आज खत्म हुआ। विधायक ने कहा कि गांधी चौक हमीरपुर पर बजरंग दल, युवाओं व अन्य सभी के सहयोग से भव्य कार्यक्रम एवं भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

अधूरे, मंदिर का शिलान्यास करने पर पूछे एक सवाल पर आशीष ने कहा कि यह कोई राजनीति का विषय नहीं है और जो इस पर भी राजनीति कर रहे हैं, प्रभु राम उनको सद्बुधि दें।

इस मौके पर उनकी पत्नी स्वाति जार, बजरंग दल के पदाधिकारी व कार्यकर्ता साहित अन्य मौजूद रहे। शहर के मध्य में एडवोकेट रोहित शर्मा ने भी प्रसाद बताकर प्राण प्रतिष्ठा के इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

सम्राट कैफे के पास न्यायिक प्रक्रिया से जुड़े हुए लोगों ने भंडारे का आयोजन किया और जलेबी भी उन्होंने बांटी। ज्यादातर जगहों पर यह अहसास भी हुआ कि यह केवल भाजपा का कार्यक्रम नहीं कांग्रेस और भाजपा दोनों के लोग भंडारों में शामिल थे। देवपाल चौक के पास भी बड़े भंडारे का आयोजन किया गया था।

न्यूज ब्रीफ

कक्कड़ पंचायत में निकाली झांकी

कलश यात्रा के साथ राम लक्ष्मण सीता और हनुमान की झांकी निकाली गई।

टौणीदेवी। भगवान श्री राम जी की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम सुजानपुर के गांव छंब पंचायत कक्कड़ में पूरे हर्षोल्लास से मनाया गया। इस मौके पर कलश यात्रा के साथ राम लक्ष्मण सीता और हनुमान की झांकी निकाली गई। ढोल-नगाड़ों की गूंज में सभी लोग राममय हो गए। कार्यक्रम में भाजपा जिला सचिव विनोद ठाकुर ने इस बात की खुशी जाहिर करते हुए कहा कि आज लोग भगवान राम के लिए राजनीति से ऊपर उठकर कार्यक्रम में आए।

जियाना में लोग प्राण प्रतिष्ठा की खुशी में घी के दीपक जलाकर खुशी मनाते हुए।

आयोजन श्री राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा को नादौन शहर में एक पर्व के रूप में मनाया, लगाए लंगर, जगह-जगह कार्यक्रम आयोजित

श्री राम के भजनों व जयकारों के साथ निकाली भव्य शोभायात्रा

श्री राम मंदिर नादौन में श्री राम की मूर्ति में प्राण प्रतिष्ठा के दौरान हवन यज्ञ में भाग लेते राम लीला कमेटी के सदस्य, (मध्य) शोभायात्रा निकालते हुए श्रद्धालु (दाएं) नादौन बस स्टैंड पर प्रसाद वितरित करते हुए।

शशि सोनल, नादौन

अयोध्या में श्री राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा को नादौन शहर में एक पर्व के रूप में मनाया गया। मंदिरों में श्री राम के नारों व भजनों से माहौल श्री राममय हो गया।

नादौन शहर के राम मंदिर सहित अन्य मंदिरों को न केवल खूब सजाया गया, अपितु उनमें दीपावली जैसा माहौल देखने को मिला। इसमें काफी संख्या में लोगों ने भाग लिया। लोगों ने खुशी में आतिशबाजियां भी चलाईं।

नादौन शहर के पतन बाजार में स्थित एक मात्र श्री राम मंदिर में श्रीराम व सीता की मूर्ति में रामलीला कमेटी के अध्यक्ष शम्मी सोनी के नेतृत्व में पूजा-अर्चना व हवन यज्ञ के साथ प्राण-प्रतिष्ठा की गई। काबिलेगौर है कि नादौन एक ऐसा शहर हैं, जहां रामलीला का मंचन दिन के समय दशकों से होता आया है, जिसको लेकर लोगों में काफी श्रद्धा व उत्साह होता है। अयोध्या में श्री राम की मूर्ति में प्राणप्रतिष्ठा के बाद श्री राम मंदिर पतन बाजार से होते हुए शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई।

इस दौरान सारा नादौन शहर जय श्री राम के नारों व भजनों के उदघोष से श्री राममयी हो गया। इस कार्यक्रम में रामलीला कमेटी नादौन के अलावा शहर के न केवल धार्मिक संगठनों अपितु भाजपा व कांग्रेस के हिस्सा लिया।

इस अवसर पर राम लीला कमेटी के अध्यक्ष एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य काउंसलर शम्मी सोनी, किशोर शर्मा, एडवोकेट वीरेंद्र शर्मा, अमित कुमार, आशीष, राज कुमार सोंधी, बलदेव चौधरी, नगर पंचायत अध्यक्ष तरुण कपिल, उपाध्यक्ष योगराज, संतोष संधू, कमल कम्मी सहित विभिन्न धर्मिक संगठनों ने भाग लिया।

इसके अलावा नादौन शहर के दर्जनों मंदिरों, शिव मंदिर नौंहगी, बड़ा, रुद्र शक्ति हर्ब्स परिवार बढेड़ा व मौनी बाबा कुटिया फतेहपुर में सुंदर कांड पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें काफी संख्या में श्रद्धाालुओं ने भाग लिया। नादौन उपमंडल के कस्बा बड़ा, धनेटा, कांगू, भूंपल, रंगस, गौना आदि में स्थित मंदिरों में खूब चहल-पहल रही।

सुबह से ही इन मंदिरों में पूजा-अर्चना, भजन व यज्ञ का कार्यक्रम शुरू हो गया था। नादौन शहर सहित विभिन्न कस्बों व धार्मिक स्थलों में लंगर व प्रशाद वितरण का कार्यक्रम काफी श्रद्धा के साथ चलता रहा।

राममयी हुआ ऊना

ऊना।
प्रभु श्री राम के नाम में ऐसी ताकत है कि सोमवार को अयोध्या में श्री रामलला जैसे ही अपने सिंहासन पर विराजमान हुए वैसे ही सभी लोग बिना भेदभाव केसरिया रंग में रंग गए। चारों ओर दिवाली जैसे उत्सव का माहौल देखने को मिला। ऊना जिला के पांचों विधानसभा क्षेत्रों में ऐसा कोई मंदिर या मोहल्ला नहीं बचा जहां श्री राम भगवान को लेकर कार्यक्रम न हुआ हो। जगह-जगह भंडारे और हवन यज्ञ चल रहे थे। प्रभात फेरियां और शोभायात्राएं भी कई जगह निकाली गईं। ऊना में दिवाली जैसा माहौल था। सभी लोग एक दूसरे को बधाई दे रहे थे तो राजनीतिक दलों के लोग भी वैचारिक मतभेद छोड़कर प्रभु राम से जुड़े कार्यक्रमों में शामिल होकर लोगों के साथ उस पल के गवाह बन रहे थे। अयोध्या में प्रभु श्री राम की मूर्ति के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर सोमवार को बिना राजनीतिक भावना के जिले भर में हर वर्ग की ओर से उत्सव मनाया गया। राम भक्तों द्वारा जगह-जगह बड़ी-बड़ी स्क्रीन लगाकर अयोध्या का सीधा प्रसारण दिखाया जा रहा था।

भाजपा ने सुधारी भूल

ऊना। शायद देर से सही, लेकिन अयोध्या के उत्सव को लेकर आयोजकों से जो भूल हुई थी, उसको बड़े खूबसूरत तरीके से दूर किया गया। कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र के डोहक गांव से अयोध्या कार सेवक स्वर्गीय पंडित अमृत लाल के परिवार को इस कार्यक्रम का निमंत्रण देना आयोजक भूल गए थे। सोमवार को स्वयं पूर्व कैबिनेट मंत्री वीरेंद्र कंवर पंडित अमृत लाल के परिजनों से न केवल मिले बल्कि एक कार्यक्रम का आयोजन करके पंडित अमृत लाल को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर स्वर्गीय अमृत लाल जी के बेटे सुभाष चंद शर्मा के अलावा कृष्ण पाल आदि शामिल थे। अमृत लाल का परिवार सोमवार को अयोध्या में हुए उत्सव को लेकर काफी उत्साहित और संतुष्ट था।

बंगाणा और थानाकलां में व्यापार मंडल की ओर से अयोध्या में प्रभु श्री राम जी की मूर्ति के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के उपलक्ष्य में भंडारे के आयोजन में शामिल विधायक देवेंद्र भुट्टो व अन्य।

ऊना बाजार में अयोध्या में प्रभु श्रीराम जी की मूर्ति के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के उपलक्ष्य में भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में प्रसाद वितरित करते राम भक्त।

कलोह-बड़ोह में श्रीराम मंदिर के निर्माण की आधारशिला रखने के बाद राम भक्तों के साथ समाजसेवी विश्वजीत सिंह पटियाल। अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर बनने के बाद अब शिव मंदिर कलोह-बडोह में भी भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण किया जाएगा। यह राम मंदिर कलोह-बडोह के बाशिंदों के सामूहिक प्रयास से बनेगा।

उपमंडल बंगाणा क्षेत्र के मेन बाजार चौक बंगाणा में स्क्रीन पर भगवान राम के अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का पूरा कार्यक्रम देखा। **-राजेश शर्मा, राजेश ठाकुर, सन्नी पुरी**

न्यूज ब्रीफ

दधोल पंचायत में भंडारे का किया आयोजन

दधोल। दधोल पंचायत में ग्राम वासियों ने सोमवार को अयोध्या में श्री राम मंदिर में भगवान श्री राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में भंडारे का आयोजन किया। इसके साथ ही यात्रा निकाली गई और प्रत्येक घर में जाकर जय श्री राम के नारे लगा कर पूरे क्षेत्र को राममयी कर दिया।

सर्वेश्वर महादेव मंदिर में किया हवनयज्ञ

झंडूता। झंडूता श्री सर्वेश्वर महादेव मंदिर आनंद घाट में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में सभी ग्राम वासियों को एलईडी के माध्यम से लाइव तस्वीर दिखाई गई। इस मौके पर मंदिर में हवनयज्ञ और भंडारे का आयोजन किया गया। इस मौके पर झंडूता विस क्षेत्र के विधायक जीतराम कटवाल, मंदिर कमेटी प्रधान अनिल ठाकुर, महासचिव नारायण दास कपिल, उपप्रधान राज कुमार, नारायण दास, रचना ठाकुर, जोगिंदर सिंह, कुलदीप सिंह, राम लाल, लेखराम कौंडल, नंद लाल कपिल व अन्य लोग मौजूद रहे।

जाहरवीर गुग्गा महाराज की मूर्ति स्थापित की

डंगार चौक। सोमवार को जाहरवीर गुग्गा महाराज की मूर्ति स्थापना डंगार पंचायत के पुराने गुग्गा मंदिर चोखना में 500 साल बाद की गई। तीन दिवसीय पूजन के बाद मंदिर में मूर्ति स्थापित की गई। स्थापना से पूर्व गांव चोखना व दरब्यूत में कलश यात्रा बैंड बाजे के साथ निकाली गई। इसमें महिलाओं व युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। वहीं, युवक भक्ति गीतों पर जमकर झूमे। कलश यात्रा का

अखिल हिमालयन महोत्सव व्यास का आगाज

बिलासपुर। अखिल हिमालयन महोत्सव व्यास उत्सव का सोमवार को आगाज हो गया। शुभारंभ अवसर पर नेहा मानव संस्था के अध्यक्ष पवन ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि उन्हें याद है कि दुर्गा माता मंदिर के प्रांगण में लोहड़ी के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम होता था। वहां पर ही कमलेंद्र कश्यप की ओर से व्यास उत्सव मेला आयोजन समिति का गठन किया गया। यही नहीं उनके द्वारा व्यास रक्तदाता समिति का भी गठन किया गया, जिस समिति के सौजन्य से हजारों मरीजों को रक्त उपलब्ध करवाया जाता है, वहीं व्यास उत्सव मेले में बच्चों के लिए खेल व सांस्कृतिक में मंच प्रदान किया जाता है। दुर्गा माता मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ व्यास उत्सव का शुभारंभ हुआ।

100 किलो दूध की खीर का बांटा प्रसाद

डंगार चौक। रामलला के मंदिर में विराजमान होने की खुशी में डंगार चौक में एक किलो दूध की खीर बनाकर प्रसाद बांटा गया। पूरा देश पलके खोल रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का ऐतिहासिक पल का इंतजार कर रहा था, जो आज पूरा हुआ और पूरा देश दीपावली जैसी खुशी मना रहा है। इसी खुशी में आज डंगार चौक में व्यापार मंडल व टैक्सी यूनियन व जन सहयोग ने खुशी मनाते हुए 100 किलोग्राम दूध की खीर बनाकर प्रसाद बांटा।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य पर राममयी हुआ बिलासपुर

अनंत ज्ञान, बिलासपुर

राममय हुई बिलासपुर नगरी में अधिकांश मंदिरों में सुबह से ही पूजा-अर्चना व भजन-कीर्तन का दौर चला रहा। इसी के चलते नगर के डियारा सेक्टर में स्थित श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में भी भव्य कीर्तन का आयोजन किया गया, जिसमें नगर वासियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सुभाष ठाकुर ने भी इस भजन-कीर्तन में शिरकत की तथा श्रद्धालुओं का जोश बढ़ाया।

इस दौरान उनके साथ उनकी कोर टीम के युवा सदस्य मौजूद रहे। इसके बाद सुभाष ठाकुर ने अपनी टीम के साथ डियारा सेक्टर और मुख्य बाजार का दौरा किया तथा लोगों से मिले और उन्हें भगवान श्री राम जी की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा की अनंत शुभकामनाएं दीं। पूर्व विधायक सुभाष ठाकुर का जनता से मिलना सोमवार को नगर में चर्चा का विषय रहा। पूर्व विधायक बिना सुर्खियों में आए अपने विधानसभा क्षेत्र के हर पंचायत व गांव में लोगों के साथ संपर्क बनाए हुए हैं। आने वाले समय में पूर्व विधायक की यह रणनीति किस ओर करवट लेगी यह कहना जल्दबाजी होगा, लेकिन इतना तो तय है कि सदर भाजपा में सब कुछ ठीक नहीं है। इस अवसर पर उनके साथ पूर्व जिला महामंत्री आशीष ढिल्लों, पूर्व युवा मोर्चा मंडलाध्यक्ष विनोद ठाकुर, पूर्व सोशल मीडिया अध्यक्ष हर्ष मैहता, पंकज ठाकुर, विपन ठाकुर, अरुण, बंदला पंचायत प्रधान सतीश ठाकुर आदि युवा मौजूद रहे।

बिलासपुर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठ पर श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में भजन कीर्तन करते श्रदालु।

राम के रंग में रंगा नयना देवी मंदिर

नयना देवी। श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह के चलते प्रदेश का विश्व विख्यात शक्तिपीठ श्री नयना देवी पूरी तरह से भगवान राम के रंग में रंग गया। मंदिर क्षेत्र में कहीं पर भजन तो कहीं पर भंडारों का आयोजन किया गया। आज सुबह से ही पूरा नयना देवी का क्षेत्र धार्मिक रंग में रंगा हुआ नजर आया। किन्नर समाज एवं अर्धनारेश्वर संस्था की प्रधान बिजली महंत ने अपने साथियों के साथ जहां पर माता का खूब गुणगान किया, वहीं पर प्रसाद भी बांटा। मंदिर न्यास की ओर से जहां पर मंदिर में पूजा-पाठ, हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया, वहीं पर भंडारे का आयोजन भी किया गया। मंदिर अधिकारी विपिन ठाकुर ने बताया कि यह सौभाग्य की बात है कि इस तरह का भव्य आयोजन किया जा रहा है।

बिलासपुर मुख्यालय में सॉफ्ट ब्रेन कंप्यूटर संस्थान की ओर से शहर में रैली निकाली गई। संस्थान के सभी विद्यार्थियों सहित अन्य स्टाफ ने रैली निकालकर जिला वासियों को अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा की बधाई दी।

सम्मानित अभिषेक को हिम आइकन अवॉर्ड में टॉप डिवोशनल सिंगर के अवॉर्ड से नवाजा

'जय श्री राम' के उद्घोष से गूंजा ऑडिटोरियम

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

धार्मिक गायन में अपनी अलग पहचान बना चुके प्रदेश के प्रसिद्ध भजन गायक अभिषेक सोनी को हिम आइकन अवॉर्ड में टॉप डिवोशनल सिंगर के अवॉर्ड से नवाजा गया।

हाल ही में हिम जागृति मंच की ओर से केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय बलाहर देहरा (जिला कांगड़ा) में आयोजित सम्मान समारोह में यह अवॉर्ड दिया गया। समारोह में बतौर मुख्यातिथि पहुंची बेटियां फाउंडेशन की संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. ज्योत्षना जैन ने अभिषेक सोनी को अवॉर्ड देकर सम्मानित किया। साथ ही उन्होंने उनकी ओर से भजन गायन के क्षेत्र में किए जा रहे कार्य की भी खूब प्रशंसा की। वहीं, समारोह के दौरान भजन गायक अभिषेक सोनी ने अपने नए भजन 'मेरे रामलला घर आए है' सुनाकर माहौल को राममय बना दिया। पूरा ऑडिटोरियम 'जय श्री राम' के उद्घोष से गूंज उठा। इस सम्मान समारोह में हिमाचल के कई प्रसिद्ध कलाकारों को भी सम्मानित किया गया। भजन गायक अभिषेक सोनी का कहना है कि उनका यह सम्मान उनके परिवार और टीम को समर्पित है। उन्हीं के सहयोग से वह इस सम्मान को लेने के काबिल बन पाए हैं। बताते चलें कि भजन गायक अभिषेक सोनी बिलासपुर के रहने वाले हैं और पिछले कई वर्षों से धार्मिक गायन के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। इससे पहले उन्हें बेस्ट डिवोशनल सिंगर प्रदेश के अवॉर्ड से नवाजा जा चुका है।

अभिषेक सोनी को हिम आइकन अवॉर्ड में टॉप डिवोशनल सिंगर के अवॉर्ड से नवाजते हुए मुख्यातिथि और साथ में हैं अन्य।

प्रदेश सरकार के मंत्री ही उड़ा रहे सरकारी आदेश : राजेंद्र गर्ग

राजेंद्र गर्ग ने डंगार स्कूल के सालाना समारोह पर उठाए सवाल

अनंत ज्ञान, घुमारवीं

पूर्व खाद्य आपूर्ति मंत्री राजेंद्र गर्ग ने 22 जनवरी को डंगार स्कूल में क्लस्टर स्तर पर आयोजित वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह पर सवाल उठाते हुए तकनीकी शिक्षा मंत्री को घेरा है।

गर्ग ने कहा कि कांग्रेस सरकार के मंत्री सरकार के ही आदेशों को उड़ाने में लगे हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री सुक्खू ने सोमवार को प्रदेश में सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की है। लेकिन, घुमारवीं के डंगार में क्लस्टर स्तर पर वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह का आयोजन किया गया। उसमें सरकार के ही तकनीकी शिक्षा मंत्री एवं घुमारवीं के विधायक राजेश धर्माणी ने बतौर मुख्यातिथि भाग लिया। इससे सैकड़ों स्कूली बच्चे, अभिभावक व स्कूल के स्टाफ इस महत्वपूर्ण दिन पर आयोजित हुए भव्य कार्यक्रम से वंचित रह गए। हालांकि इस दिन के महत्व को समझते हुए हिमाचल प्रदेश में भी छुट्टी की गई थी। लेकिन, सरकार के ही मंत्री अपने ही मुख्यमंत्री के आदेशों को उड़ा रहे हैं। उन्होंने तकनीकी शिक्षा मंत्री पर सवाल दागा है कि ऐसी क्या जरूरत पड़ गई कि यह सालाना समारोह सोमवार को ही करना पड़ा, जो मंत्री अपने ही मुख्यमंत्री की घोषणा का निर्वहन न कर सके, उनसे क्या उम्मीद की जा सकती है। गर्ग ने कहा कि सोमवार को अयोध्या धाम में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को भारत में ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व में उल्लास है। इस महत्वपूर्ण पल से कोई वंचित न रह सके, इसके लिए अवकाश की घोषणा की गई थी। लेकिन, इस दिन घुमारवीं के डंगार स्कूल के सालाना समारोह आयोजित करवाकर मंत्री ने सैकड़ों बच्चों व लोगों को इस महत्वपूर्ण पल से दूर रखा।

मुश्किलों का आना पार्ट ऑफ लाइफ है और उनमें से हंसकर बाहर आना आर्ट ऑफ लाइफ है।
–अज्ञात

श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से पूरा देश आह्लादित

अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा से हिमाचल प्रदेश समेत पूरा देश आह्लादित है। दुनियाभर के देशों में उत्साह, उमंग का संचार हो रहा है। श्रीराम की जन्मभूमि पर पांच सौ साल से भी ज्यादा के संघर्ष और बलिदान के बाद भगवान का मंदिर दोबारा बना, यह बड़ी बात है। लोगों ने घरों में श्रीराम ज्योति जलाई। दीपावली जैसे उत्सवी माहौल से पूरा देश सराबोर हुआ। 22 जनवरी 2024 का दिन इतिहास में दर्ज हो गया है। निश्चित रूप से इसका श्रेय केंद्र की मोदी सरकार को जाता है, क्योंकि मोदी के कार्यकाल में ही राम मंदिर पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया और उन्हीं के कार्यकाल में यह भव्य मंदिर बनकर तैयार हुआ।

राम मंदिर का बनना हर हिंदू के लिए गर्व का विषय है। प्रभु श्रीराम सबके हैं। श्रीराम एक राजा या आराध्य ही नहीं, बल्कि भारत की आत्मा हैं और सांस्कृतिक पहचान भी हैं। श्रीराम की शक्ति देखिए। इमारतें नष्ट कर दी गईं, अस्तित्व मिटाने का कुत्सित प्रयास किया गया, लेकिन श्रीराम जनमानस के मन में बसे रहे। श्रीराम का जीवन चरित्र मानवता को प्रेरणा देता है। भगवान श्रीराम चौदह साल तक वन में रहे। इस दौरान वनवासियों के अपार समर्थन के बल पर ही उन्होंने रावण पर विजय पाई। श्रीराम चाहते तो रावण को एक पल में ही मार सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। बाबर ने 1528 में अपने सेनापति मीर बाकी को अयोध्या के भव्य श्रीराम मंदिर को तोड़ने का आदेश दिया था। श्रीराम मंदिर को बचाने के लिए हिंदुओं ने जान की बाजी लगा दी थी। हजारों हिंदू वीरों के बलिदान के बाद ही मुगल श्रीराम मंदिर को तोड़ने में सफल हुए थे। मंदिर इतना मजबूत था कि इसे तोड़ने के लिए तोपों का इस्तेमाल करना पड़ा था। छोटी से लेकर बड़ी अदालतों में मामले की सुनवाई के बाद जब मंदिर के दोबारा निर्माण पर मुहर लगी थी तो सारा देश झूम उठा था।

आज इतने लंबे अर्से बाद खुशी का मौका आया है तो लोग झूमें क्यों नहीं। यह प्रसन्नता का क्षण है और हर हिंदुस्तानी को इसमें शरीक होना चाहिए। अयोध्या में श्रीराम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के साथ ही देश का गौरव और पहचान वापस लौटी है। श्रीराम प्राचीनता और आधुनिकता के समागम हैं। श्रीराम न सिर्फ भारत के अतीत हैं, बल्कि वर्तमान और भविष्य भी हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम ने लौकिक धरातल पर रहकर धर्म एवं मर्यादा का पालन, असत्य से सत्य की ओर, अधर्म से धर्म की ओर तथा अन्याय से न्याय की ओर चलने की प्रेरणा दी। कर्तव्य की वेदी पर स्वयं चढ़कर अपने व्यक्तिगत सुख-प्रलोभनों की आहुति प्रभु श्रीराम के जीवन की कहानी का सार है। आज के भारत का मन अयोध्यामय हो चुका है। एक तरफ प्रगति का उत्सव है तो दूसरी तरफ परंपरा का उत्साह। विकास की भव्यता और विरासत की दिव्यता भी दिखाई दे रही है। इसमें कोई संदेह नहीं कि अब विकास और विरासत की संयुक्त शक्ति से 21वीं सदी में भारत विश्वगुरु के पद पर पुनर्प्रतिष्ठित होगा। अयोध्या देश ही नहीं संपूर्ण विश्व को दिशा देगी। हम सबको प्रभु श्रीराम के जीवन से प्रेरणा लेकर सद्मार्ग पर चलना चाहिए। श्रीराम का जीवन चरित्र ही हम सबका भविष्य संवार सकता है। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के चरित्र से हमें सहनशीलता और धैर्य, दयालुता, नेतृत्व क्षमता मित्रता का गुण और आदर्श भाई की सीख मिलती है, जिससे हमारा जीवन सफल हो सकता है। –डॉ. दिलीप धाकड़

नेताजी की दृष्टि में श्रीराम और रामराज्य

नेताजी लिखते हैं कि दक्षिण में पवित्र गोदावरी दो कुंडों को भरकर कलकल ध्वनि के साथ निरंतर बहती रहती है, कैसी पवित्र नदी है! जैसे ही मैं देखता या सोचता हूं, मुझे रामायण का पांचवां अध्याय याद आ जाता है। तब मैं अपने मन की आंखों में राम, लक्ष्मण और सीता को देखता हूं, जो राज्य और वैभव को त्याग कर गोदावरी के तट पर खुशी के साथ समय बिता रहे हैं, सांसारिक दुखों या चिंताओं को छोड़कर नैसर्गिक परमानंद के साथ। वे तीनों अपने दिन परमानंद में बिताते हैं, प्रकृति की पूजा करते हैं और भगवान की पूजा करते हैं और इस बीच हम लगातार सांसारिक दुखों से जल रहे हैं।

डॉ. जयंत चौधरी
(लेखक, नेताजी गवेषक हैं।)

उसी उम्र में, सुभाष चंद्र ने यह भी उल्लेख किया कि आम लोग सुख के लिए हाहाकार कर रहे हैं लेकिन उनका कारण हमारा कोई धर्म नहीं है, कुछ भी नहीं है, राष्ट्रीय जीवन भी नहीं है। अब हम एक कमजोर शरीर वाले गुलाम, भ्रष्ट, पापी राष्ट्र हैं। अफसोस! हे सर्वशक्तिमान! यह भारत की कैसी सोचनीय स्थिति है! क्या तुम हमें नहीं बचाओगे? यह तुम्हारा देश है, लेकिन भगवान देखो, तुम्हारे देश की क्या हालत है। आपके अवतारों द्वारा स्थापित सनातन धर्म कहां है? हमारे पूर्वजों आर्यों ने जिस जाति और धर्म को बनाया और स्थापित किया था, उसे अब त्याग दिया गया है। हे दयालु हरि, कृपया रक्षा करें। किशोरावस्था में ही सुभाष ने देश के लोगों की शांति के बारे में पत्र लिखा। उन्होंने लिखा, भगवान के दिखाए रास्ते को आत्मसात किए बिना और पूजा के बिना शांति नहीं है। नश्वर जीवन में कोई सुख है तो घर-घर जाकर गोविंद का नाम जपने के अलावा सुख का और कोई रास्ता नहीं है।

अमर स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने महात्मा गांधी की तरह सीधे रामराज्य की बात नहीं की। उनकी किसी भी राजनीतिक सभा में रामधुन नहीं बजाया जाता था लेकिन श्रीराम चंद्र के त्याग, आदर्श और संघर्ष की जीवन गाथा उनके पूरे जीवन के आदर्शों और दर्शन में मिलती है। सुभाष चंद्र जब किशोरावस्था में थे तभी से उन्होंने रामायण के आंतरिक भावों का चित्रण किया था। जब वह 13-14 वर्ष के थे, तब उन्होंने अपनी मां प्रभावती देवी को एक पत्र में लिखा कि मां, भारत भगवान के महान प्रेम की भूमि है। इस महाद्वीप में लोगों को रास्ता दिखाने के लिए भगवान ने हमेशा अवतार लिया है। युगों-युगों से भगवान के अवतार ने धरती को पाप-मुक्त किया और हर भारतीय के दिल में धर्म और सच्चाई के बीज बोए। भगवान ने मानव शरीर धारण किया है और अपने अवतार के रूप में कई देशों में जन्म लिया है, लेकिन उन्होंने किसी भी देश में इतनी बार अवतार नहीं लिया है, इसलिए हम कहते हैं कि हमारी मूल भारत माता ईश्वर के महान प्रेम की भूमि है।

नेताजी लिखते हैं कि दक्षिण में पवित्र गोदावरी दो कुंडों को भरकर कलकल ध्वनि के साथ निरंतर बहती रहती है, कैसी पवित्र नदी है! जैसे ही मैं देखता या सोचता हूं, मुझे रामायण का पांचवां अध्याय याद आ जाता है। तब मैं अपने मन की आंखों में राम, लक्ष्मण और सीता को देखता हूं, जो राज्य और वैभव को त्याग कर गोदावरी के तट पर खुशी के साथ समय बिता रहे हैं, सांसारिक दुखों या चिंताओं को छोड़कर नैसर्गिक परमानंद के साथ। वे तीनों अपने दिन परमानंद में बिताते हैं, प्रकृति की पूजा करते हैं और भगवान की पूजा करते हैं और इस बीच हम लगातार सांसारिक दुखों से जल रहे हैं।

उसी उम्र में, सुभाष चंद्र ने यह भी उल्लेख किया कि आम लोग सुख के लिए हाहाकार कर रहे हैं लेकिन उनका कारण हमारा कोई धर्म नहीं है, कुछ भी नहीं है, राष्ट्रीय जीवन भी नहीं है। अब हम एक कमजोर शरीर वाले गुलाम, भ्रष्ट, पापी राष्ट्र हैं। अफसोस! हे सर्वशक्तिमान! यह भारत की कैसी सोचनीय स्थिति है! क्या तुम हमें नहीं बचाओगे? यह तुम्हारा देश है, लेकिन भगवान देखो, तुम्हारे देश की क्या हालत है। आपके अवतारों द्वारा स्थापित सनातन धर्म कहां है? हमारे पूर्वजों आर्यों ने जिस जाति और धर्म को बनाया और स्थापित किया था, उसे अब त्याग दिया गया है। हे दयालु हरि, कृपया रक्षा करें। सुभाष की मां भी भगवान राम की भक्त थीं। किशोरावस्था में ही सुभाष ने देश के लोगों की शांति के बारे में भी पत्र लिखा। इसमें उन्होंने लिखा, भगवान के दिखाए रास्ते को आत्मसात किए बिना और पूजा के बिना शांति नहीं है। नश्वर जीवन में यदि कोई सुख है तो घर-घर जाकर गोविंद का नाम जपने के अलावा सुख का और कोई रास्ता नहीं है। जब मैं ऊपर देखता हूं, मां, मुझे और भी अधिक पवित्र दृश्य दिखाई देता है। मुझे रामायण का एक और दृश्य याद आता है। मैंने वाल्मीकि के पवित्र तपोवन में दिन-रात महर्षि की पवित्र वाणी में वेद मंत्र पढ़ते हुए देखा, मैंने वृद्ध महर्षि को ध्यान मुद्रा में बैठे देखा।

उनके चरणों में दो शिष्य कुश और लव दिखे। महर्षि उन्हें शिक्षा दे रहे थे। वेदों की पवित्र ध्वनि से आकर्षित होकर क्रूर सर्प भी अपना विष खो चुका है, फन उठाकर चुपचाप मंत्रों को सुन रहा है। गोकुल गंगा में जल पीने आए हैं। वे भी एक बार मुख उठाकर उस पवित्र मंत्र को सुन रहे हैं, जिसे सुनने से कान सार्थक हो जाते हैं। पास ही एक हिरण लेटा हुआ है। वह लगातार महर्षि के मुख की ओर बिना पलकें झपकाए देखता रहता है। रामायण में सब कुछ पवित्र है चाहे वह तिनका ही क्यों न हो लेकिन अफसोस! हम, धर्मत्यागी के रूप में, अब उस पवित्रता को नहीं समझ सकते। एक और पवित्र दृश्य याद आता है। भुवन तारिणी विपदा हरिणी भागीरथी बह रही हैं। इसके तट पर योगिकुल बैठे हैं। कुछ आधी बंद आंखों से ध्यान में डूबे हुए हैं। कुछ कानन के फूल लेकर मूर्तियां बनाकर पूजा कर रहे हैं, चंदन धूप जैसी पवित्र सुगंध फैली हैं। कुछ मंत्रोच्चारण कर रहे हैं। क्षितिज के समय कुछ लोग गंगा के पवित्र जल की ओर आ रहे हैं। कोई गीत गा रहा है और पूजा के लिए जंगली फूल चुन रहा है। ये दृश्य आंख और मन को प्रसन्न करते हैं लेकिन अफसोस! आज वे ऋषि कहां हैं? उनका पवित्र मंत्र कहां है? उनके यज्ञ, हवन आदि कहां हैं? सोचकर कलेजा फट जाता है।

युवावस्था की इसी भावना ने 1914 में मई-जून की चिलचिलाती गर्मी में सुभाष चंद्र को पहली बार हिमालय बुलाया। वह भगवा धारण कर घर से निकले। काशी, वृंदावन, हरिद्वार आदि अखाड़ों में संतों के जीवन के विभिन्न व्यवहारिक अनुभव लिए। उसके पहले वर्ष क्रिसमस की छुट्टियों में 18-19 दोस्तों के साथ सुभाष ने साधु जीवन जीने के इरादे से शांतिपुर में गंगा के किनारे एक खाली घर में कुछ दिन बिताए। बिलकुल नरेंद्रनाथ दत्त के स्वामी विवेकानंद बनने के जीवन की शुरुआत की तरह। सुभाष चंद्र बोस की विभिन्न क्रांतिकारी गतिविधियों के पीछे अनेक साधु-संतों और महापुरुषों का आशीर्वाद था। गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने अपने प्रिय सुभाष को देशनायक के संबोधन के साथ एक लंबा पत्र लिखा। उन्होंने लिखा, सुभाष चंद्र, बंगाली कवि, मैं आपको बंगाल के निवासी के रूप में देशनायक के तौर पर स्वीकार करता हूं। गीता कहती है कि सत्य की रक्षा और बुराई के अंत के लिए ईश्वर बार-बार प्रकट होते हैं। जब देश आपदा में फंस जाता है, तो नेता देश की पीड़ा से प्रेरित होकर उभरते हैं। उस समय कांग्रेस की राजनीति के दबाव के कारण यह पत्र प्रकाशित नहीं हुआ, न तो कवि रवींद्रनाथ ने और न ही सुभाष चंद्र बोस ने देशनायक की अभिव्यक्ति को छपते देखा। गुरुदेव ने अंत में लिखा, फिर मैं आपको यह आशीर्वाद देकर जाऊंगा कि देश के दुख को अपना दुख बनाओ, देश की मुक्ति हो रही है। देश की जनता के कष्टों ने नेताजी के जीवन को भी श्रीराम चंद्र के समान दुखमय, कष्टकारी, संघर्षपूर्ण बना दिया। भले ही सुभाष चंद्र का यह आध्यात्मिक पहलु खुलकर सामने नहीं आया, लेकिन

आजादी की लड़ाई में नेताजी के लिए यही प्रेरणा बनी रही। अन्याय के विरुद्ध युद्ध जीतने के लिए श्रीराम चंद्र की देवी शक्ति की भक्ति अपार थी। भगवान राम ने देवी दुर्गा को अपनी आंखें अर्पित करने में संकोच नहीं किया। साथियों, वनवासियों को लेकर एक सेना बनाई। हृदय में श्रीराम को बसा कर सुभाष चंद्र बोस मानो मृत्यु के भय को जीत गए थे। भगवान राम की तरह ही नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने अंग्रेजों के तत्कालीन शत्रु देशों के बीच दोस्ताना में बड़ी भूमिका निभाई। हिंदू-मुस्लिम, सिख-ईसाई और यहां तक कि पूर्वोत्तर भारत के नगालैंड, मणिपुर के आदिवासी लोगों ने भी सुभाष चंद्र बोस को अपना नेता मान लिया था। इन सबके साथ मिलकर नेताजी ने रामराज्य का सपना देखा था। त्रेता युग की दिवाली पर श्रीराम वनवास के बाद अयोध्या लौटे थे। आज इस कलयुग में सैकड़ों सालों के लंबे संघर्ष के बाद एक बार फिर इतिहास खुद को दोहरा रहा है। समय से पहले पूरे देश में दिवाली मनाई जा रही है। इसके लिए अयोध्या नगरी को एक बार फिर सजाया गया है। राम भक्त नेताजी सुभाष चंद्र के तपस्वी जीवन की विभिन्न वस्तुएं अयोध्या के रामकथा संग्रहालय में सुरक्षित रखी गई हैं। शायद आने वाले दिनों में तीर्थयात्रियों को अयोध्या नगरी में रामलला के दर्शन के बाद रामकथा संग्रहालय के दर्शन का भी सौभाग्य प्राप्त होगा।

आपकी कविता, आपकी आवाज

बेटी अनमोल है

बेटी अनमोल है,
समुचित शाश्वत बोल है।
बारहमासा यह पर्व है,
बेटियों पर पिया बाबुल को गर्व है।
एक बेटी पढ़े, दो परिवार पढ़े
कह गये महापुरुष विद्वान,
बेटी सृजन की अवधारिणी ,
ममता, स्वाभिमान की खान।
हिमालय की डगर पर,
अंतरिक्ष के सफर पर,
विपत्ति में अटल चट्टान।
शिक्षा-संस्कारों के ज्ञान में,
प्रतियोगिता के मैदान में,
मंजिल की दौड़ में,
नेताओं की कतार में,
शिक्षा-संस्कार ज्ञान में,
रूपहले परदे की डगर में,
घर-परिवार के फ़र्ज में,
मुसीबतों के एवरेस्ट पर ,
फतह पा लेती है बेटियां,
आओ सभी कसम खाएं,
नारी शाक्ति का सम्मान बढ़ाए ,
कन्या भ्रूण हत्या जघन्य पाप,
गांव शहर यह अलख जगाए।
विश्व गुरु वैदिक परंपरा आह्वान,
बेटी है ईश का अमूल्य वरदान।
बेटा-बेटी एक समान,
जगत में यह ज्ञानालोक फैलाएं।

रवि कुमार
साहित्यकार, बिलासपुर हि.प्र

प्रेरक कथा

कर्तव्य

प्राचीन समय की बात है, एक राज्य में तन्विक नाम का राजा राज करता था। उसका राज्य सुख वैभव से संपन्न था। एक वर्ष उस राज्य में भयंकर अकाल पड़ा। पानी की कमी से फसलें सूख गई। ऐसी स्थिति में किसान राजा को लगान नहीं दे पाए। लगान प्राप्त न होने के कारण राजस्व में कमी आ गई और राजकोष खाली होने लगा। यह देख राजा चिंता में पड़ गया। अकाल का समय निकल गया। स्थिति सामान्य हो गई, किंतु राजा के मन में चिंता घर कर गई। हर समय उसके दिमाग में यही रहता कि राज्य में पुन: अकाल पड़ गया, तो क्या होगा? इसके अतिरिक्त भी अन्य चिंताएं उसे घेरने लगी। पड़ोसी राज्य का भय, मंत्रियों का षड्यंत्र जैसी कई चिंताओं ने उसकी भूख-प्यास और रातों की नींद छीन ली। वह अपनी इस हालत से परेशान था। किंतु जब भी वह राजमहल के माली को देखता, तो आश्चर्य में पड़ जाता। एक दिन उसके राजदरबार में एक सिद्ध साधु पधारे। राजा ने अपनी समस्या साधु को बताई और उसे दूर करने का सुझाव मांगा। साधु राजा की समस्या अच्छी तरह समझ गए थे। वे बोले, राजन! तुम्हारी चिंता की जड़ राज-पाठ है। अपना राज-पाठ पुत्र को देकर चिंता मुक्त हो जाओ। इस पर राजा बोला, गुरुवर! मेरा पुत्र मात्र पांच वर्ष का है। वह अबोध बालक राज-पाठ कैसे संभालेगा? साधु बोले तो फिर ऐसा करो कि अपनी चिंता का भार तुम मुझे सौंप दो। राजा तैयार हो गया और उसने अपना राज-पाठ साधु को सौंप दिया। इसके बाद साधु ने पूछा कि अब तुम क्या करोगे? राजा बोला, मैं कोई नौकरी कर लूंगा। साधु बोला तुम यहीं नौकरी कर लो। मैं अपनी कुटिया में ही रहूंगा। राजमहल में ही रहकर मेरी ओर से तुम यह राज-पाठ संभालना। राजा ने साधु की बात मान ली। कुछ दिन बाद साधु पुन: राजमहल आए और राजा से भेंट कर पूछा, कहो राजन! अब तुम्हें भूख लगती है या नहीं और तुम्हारी नींद का क्या हाल है? राजा बोला गुरुवर! पहले भी मैं राज-पाठ का कार्य करता था, अब भी करता हूं फिर ये परिवर्तन कैसे? साधु मुस्कुराते हुए बोले, राजन! पहले तुमने काम को बोझ बना लिया था और उस बोझ को हर समय अपने मानस-पटल पर ढोया करते थ। किंतु राज-पाठ मुझे सौंपने के उपरांत तुम समस्त कार्य अपना कर्तव्य समझकर करते हो, इसलिए चिंतामुक्त हो।

संघर्ष से निकले युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत नेताजी

नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जीवन सर्वोच्च आदर्श और शांति के लिए संघर्षरत रहा है। यह ऐसे नौजवान युवा की कहानी है जो हर भारतीय के लिए संघर्ष और सफलता की गाथा का अनुभव करती है। आज हम जिस युग में जी रहे हैं, उसकी कल्पना समाज के महापुरुषों के बिना अधूरी है। ऐसे महापुरुषों में नेताजी अपनी प्रतिभा से समाज को आजादी दिलवाना चाहते थे और उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ एक ऐसी फौज खड़ी कर दी थी जिसके मुख से एक ही नारा निकलता था जय हिंद का।

भारतीय राष्ट्रीय स्वाधीनता संघर्ष में क्रांतिकारी आंदोलन की अपनी लड़ाई की भूमिका निभाने में वह सफल रहे थे और उनकी आंखों के सामने एक ही स्वप्न था भारत को आजाद करवाना है। सुभाष चंद्र बोस ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत देश में चल रहे असहयोग आंदोलन से की। उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की सदस्यता हासिल की। 20 जुलाई , 1921 को उनकी मुलाकात राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से भी हुई लेकिन वैचारिक समानता न होने के कारण उन्होंने देशबंधु चितरंजन दास के साथ मिलकर बंगाल आंदोलन का नेतृत्व किया। सुभाष चंद्र बोस क्रांतिकारी विचारों के व्यक्ति थे। उनके अंदर असीम साहस, अनूठे शौर्य और अनूठी संकल्प शक्ति का अनंत प्रवाह विद्यमान था। उन्हें वर्ष 1921 में अपने क्रांतिकारी विचारों और गतिविधियों का संचालन करने के कारण पहली बार छह माह जेल जाना पड़ा। इसके बाद तो जेल यात्राओं, अंग्रेजी अत्याचारों और प्रताड़नाओं को झेलने का सिलसिला चल निकला। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान उन्हें ग्यारह बार जेल जाना पड़ा। इसके साथ ही उन्हें अंग्रेजी सरकार द्वारा कई बार लंबे

डॉ. मनोज डोगरा
राजकीय महाविद्यालय बड़सर, जिला हमीरपुर

समय तक नजरबंद भी रखा गया लेकिन, सुभाष चंद्र बोस अपने इरादों से कभी भी टस से मस नहीं हुए। इसके लिए उन्होंने कई बार अंग्रेजों की आंखों में धूल झोंकी और अंग्रेजी शिकंजे से निकल भागे। 1939 में गांधी जी से मतभेद के कारण सुभाष चंद्र ने कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। फिर उन्होंने आजाद हिंद फौज और फॉरवर्ड ब्लॉक की स्थापना की। 18 अगस्त 1945 को एक विमान दुर्घटना में नेताजी की रहस्यमयी तरीके से मृत्यु हो गई। इस शोध-पत्र में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के भारत की आजादी में योगदान पर प्रकाश डाला गया है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 को उड़ीसा में कटक के एक संपन्न बंगाली परिवार में हुआ था। बोस के पिता का नाम जानकीनाथ बोस और मां का नाम प्रभावती था। जानकीनाथ बोस कटक शहर के मशहूर वकील थे। प्रभावती और जानकीनाथ बोस की कुल मिलाकर 14 संतानें थी, जिसमें छह बेटियां और 8 बेटे थे। सुभाष चंद्र उनकी नौवीं संतान और पांचवें बेटे थे। अपने सभी भाइयों में से सुभाष को सबसे अधिक लगाव शरदचंद्र से था। नेताजी ने अपनी प्रारंभिक पढ़ाई कटक के रेवेंशॉव कॉलेजिएट स्कूल में की। तत्पश्चात उनकी शिक्षा कोलकाता के प्रेसीडेंसी कॉलेज और स्कॉटिश चर्च कॉलेज से हुई और बाद में भारतीय प्रशासनिक सेवा इंडियन सिविल सर्विस की तैयारी के लिए उनके माता-पिता ने बोस को इंग्लैंड के कैंब्रिज विश्वविद्यालय भेज दिया। अंग्रेजी शासन काल में भारतीयों के लिए सिविल सर्विस में जाना बहुत कठिन था किंतु उन्होंने सिविल सर्विस की परीक्षा में चौथा स्थान प्राप्त किया। 1921 में भारत में बढ़ती राजनीतिक गतिविधियों का समाचार पाकर बोस ने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली और शीघ्र भारत लौट आए।

सिविल सर्विस छोड़ने के बाद से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के साथ जुड़ गए। सुभाष चंद्र बोस महात्मा गांधी के हिंसा के विचारों से सहमत नहीं थे। वास्तव में महात्मा गांधी उदार दल का नेतृत्व करते थे। महात्मा गांधी और सुभाष चंद्र बोस के विचार भिन्न-भिन्न थे लेकिन वह यह अच्छी तरह जानते थे कि महात्मा गांधी और उनका मकसद एक है यानी देश की आजादी। सबसे पहले गांधी जी को राष्ट्रपिता कहकर नेताजी ने ही संबोधित किया था। 1938 में भारतीय कांग्रेस का अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद उन्होंने राष्ट्रीय योजना आयोग का गठन किया। यह नीति गांधीवादी आर्थिक विचारों के अनुकूल नहीं थी। 1939 में पुणे में एक गांधीवादी प्रतिद्वंद को हराकर विजय हुए गांधी ने इसे अपनी हार के रूप में लिया। उनके अध्यक्ष चुने जाने पर गांधी जी ने कहा कि बोस की जीत मेरी हार है और ऐसा लगने लगा कि वह कांग्रेस वर्किंग कमेटी से त्याग पत्र दे देंगे। गांधी जी के विरोध के चलते इस विद्रोही अध्यक्ष ने त्याग पत्र देने की आवश्यकता महसूस की। गांधी के लगातार विरोध को देखते हुए उन्होंने स्वयं कांग्रेस छोड़ दी। देश की आजादी में अपना सब कुछ न्योछावर करने वाले अनेक महापुरुष हुए हैं। ऐसी ही महान विभूतियों में से एक थे सुभाष चंद्र बोस। महात्मा गांधी ने नेताजी को देशभक्ति का देशभक्त कहा था। स्वामी विवेकानंद को अपना आदर्श मानने वाले सुभाष चंद्र बोस जब भारत आए तो रवींद्र नाथ टैगोर के कहने पर सबसे पहले गांधी जी से मिले थे। गांधी जी से पहली मुलाकात मुंबई में 20 जुलाई 1921 को हुई थी। गांधी जी की सलाह पर सुभाष कोलकाता में दास बाबू के साथ मिलकर आजादी के लिए प्रयास करने लगे। जब दास बाबू कोलकाता के महापौर थे, तब उन्होंने सुभाष चंद्र बोस को महापालिका का प्रमुख कार्यकारी अधिकारी बनाया था। अपने कार्यकाल के दौरान सुभाष ने कोलकाता के रास्तों का अंग्रेजी नाम बदलकर भारतीय नाम कर दिया था।

सम्राट परिवार के होने के बावजूद उनका विचार सांसारिक धन वैभव या पदवी की ओर नहीं था। मित्रगण उन्हें संन्यासी पुकारते थे। जिस समय बोस विलायत में थे, उसी समय अंग्रेजी सरकार के नियमों के विरुद्ध गांधी जी ने सत्याग्रह आंदोलन कर दिया था। सरकार के साथ सहयोग करके उसका संचालन कठिन बनाना इस संग्राम की अपील थी। गांधी जी से प्रभावित होकर सुभाष अपनी प्रतिष्ठित नौकरी छोड़कर असहयोग आंदोलन में शामिल हो गए। आईसीएस की परीक्षा पास करके भी सरकारी नौकरी छोड़ देने वाले सबसे पहले व्यक्ति सुभाष चंद्र बोस थे।

आमजन के राम, राम की कहानी युगों से भारत को संवारने में उत्प्रेरक

राम की कहानी युगों से भारत को संवारने में उत्प्रेरक रही है। इसीलिए राष्ट्र के समक्ष सुरसा के जबड़ों की भांति फैले हुए संकटों की रामकहानी समझना और उनका मोचन इसी से मुमकिन है। शर्त यही है राम में रमना होगा, क्योंकि वे जन रंजन भंज न सोक भयं हैं।

ब्लॉगर

के. विक्रम राव
(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

यह कॉलम ब्लॉगर के लिए है। इस व्हाट्सऐप नंबर 9882400808 पर भेजें। ई-मेल editoranantgyaan@gmail.com

बापू का अनुभव था कि जीवन के अंधेरे और निराश क्षणों में रामचरित मानस में उन्हें सुकून मिलता था। राम मनोहर लोहिया ने कहा था कि राम का असर करोड़ों के दिमाग पर इसलिए नहीं है कि वे धर्म से जुड़े हैं, बल्कि इसलिए कि जिंदगी के हरेक पहलू और हरेक कामकाज के सिलसिले में मिसाल की तरह राम आते हैं। आदमी तब उसी मिसाल के अनुसार अपने कदम उठाने लग जाता है। इन्हीं मिसालों से भरी राम की किताब को एक बार विनोबा भावे ने सिवनी जेल में ब्रिटेन में शिक्षित सत्याग्रही जेसी कुमारप्पा को दिया और कहा, दिस रामचरित मानस ईज बाइबल एंड शेक्सपियर कंबाइंड लेकिन इन दोनों अंग्रेजी कृतियों की तुलना में राम के चरित की कहानी आधुनिक है, क्योंकि हर नई सदी की रोशनी में फिर से सुनी, पढ़ी और विचारित होती है। तरोताजा हो जाती है।

गांधी और लोहिया ने सुझाया भी था कि हर धर्म की बातों की युगीय मान्यताओं की कसौटी पर पुनर्समीक्षा होनी चाहिए। गांधी जी ने लिखा था, कोई भी (धार्मिक) त्रुटि शास्त्रों की दुहाई देकर मात्र अपवाद नहीं करार दी जा सकती है। (यंग इंडिया, 26 फरवरी 1925)। बापू ने नए जमाने के मुताबिक कुरान की भी विवेचना का जिक्र किया था। लोहिया तो और आगे बढ़े। उन्होंने मध्यकालीन रचनाकार संत तुलसीदास के आधुनिक आलोचकों को चेताया, मोती को चुनने के लिए कूड़ा निगलना जरूरी नहीं है और न कूड़ा साफ करते समय मोती को फेंक देना। रामकथा की उल्लास-भावना से अनुप्राणित होकर लोहिया ने चित्रकूट में रामायण मेला की सोची थी। उसके पीछे दो प्रकरण भी थे। कामदगिरी के समीप स्फटिक शिला पर बैठकर एक बार राम ने सुंदर फूल चुनकर काशाय वेशधारिणी सीता को अपने हाथों से सजाया था। (अविवाहित) लोहिया की दृष्टि में यह प्रसंग राम के सौंदर्यबोध और पत्नीव्रता का परिचायक है, जिसे हर पति को महसूस करना चाहिए। स्वयं लोहिया ने स्फटिक शिला पर से दिल्ली की ओर देखा था। सोचा भी था कि लंका की तरह केंद्र में भी सत्ता परिवर्तन करना होगा। तब नेहरू-कांग्रेस का राज था। फिर लोहिया को अपनी असहायता का बोध हुआ था, रावण रथी, विरथ रघुवीर की भांति। लोहिया रामचरित मानस के छोटे किस्सों का उद्धरण करते थे और आमजन की जिज्ञासा जगाते थे ताकि राम पर चर्चा व्यापक हो।

आपका पत्र

आज हिमाचल प्रदेश भी पर्यटन के क्षेत्र में उभरने लगा है, लेकिन आज भी प्रदेश में कई सुविधाओं की कमी है। हिमाचल में कई जगहें ऐसी हैं जो पर्यटन के क्षेत्र में उभर सकती हैं, लेकिन वर्तमान में जिन क्षेत्रों की वजह से देवभूमि की पहचान है और दुनियाभर के पर्यटक जहां पहुंचते हैं। वहां सुविधाओं की काफी कमी हैं। सबसे पहले बात शिमला की करें तो आज भी राजधानी का ऐतिहासिक महत्व है और यहां कई ऐतिहासिक स्थल हैं, जिन्हें देखने के लिए काफी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं लेकिन यहां सुविधाएं न पाकर परेशान होते हैं। हिमाचल की राजधानी में सबसे बड़ी समस्या पार्किंग की है। सर्दियां हो या गर्मियां हर साल हर महीने वीकेंड या अन्य अवसरों पर लाखों की संख्या में बाहरी राज्यों से पर्यटक यहां पहुंचते हैं। जो पर्यटक अपनी गाड़ियों में यहां पहुंचते हैं उन्हें पार्किंग की समस्या का सामना करना पड़ता है। ऐसे ही हालात हिमाचल के दूसरे पर्यटन स्थलों का है। जिला कांगड़ा, मंडी, कुल्लू और लाहौल-स्पीति में हर साल हर मौसम में पर्यटक पहुंचते हैं। यहां भी पार्किंग की बड़ी समस्या रहती है। हिमाचल प्रदेश में आने वाले पर्यटकों से हर साल राजस्व को काफी फायदा होता है। पर्यटकों की सुविधाओं का भी ख्याल रखा जाना जरूरी है। –आशीष, पालमपुर

आपकी डायरी

चुनाव
देश सेवा के नाम
सांठ गांठ
सौदे बाजी
आश्वाशन विश्वास प्रलोभन
देता सब को,,,,!
कौन भ्रष्ट कौन पाक
कोई खबर नहीं है,,,,!

डॉ. कमल के प्यासा।

अनंत ज्ञान
प्रकाशक एवं मुद्रक विशाल धीमान द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक समरजीत, समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी
आरएनआई संदर्भ संख्या-HPIN01099
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

न्यूज ब्रीफ

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में टेस्ट टीम में खुद को स्थापित कर सकता है यशस्वी : गावस्कर

चेन्नई। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर का मानना है कि युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल इंग्लैंड के खिलाफ स्वदेश में पांच मैच की आगामी टेस्ट सीरीज के दौरान भारतीय टेस्ट टीम में अपनी जगह पक्की कर सकते हैं। गावस्कर ने कहा कि घरेलू पिचें अलग होंगी। अतिरिक्त उछाल के कारण दक्षिण अफ्रीका की पिचों पर खेलना मुश्किल था और यहां तक कि अनुभवी बल्लेबाज संघर्ष कर रहे थे, जबकि यशस्वी तो युवा है। उन्होंने कहा कि हालांकि उसने सेंचुरियन में जो रवैया दिखाया और यहां तक कि वेस्टइंडीज में, उसे देखते हुए माना जा रहा है कि भारतीय पिचों पर खेलते हुए अपनी जगह पक्की कर लेगा।

सात्विक-चिराग हटे, इंडोनेशिया मास्टर्स में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे प्रणय

जकार्ता। स्टार एकल खिलाड़ी एचएस प्रणय मंगलवार से शुरू हो रहे इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे, क्योंकि सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की दुनिया की दूसरे नंबर की पुरुष युगल जोड़ी टूर्नामेंट से हट गई है। लगातार दो टूर्नामेंट मलेशिया मास्टर्स 1000 और इंडिया ओपन 750 में उपविजेता रहने के बाद एशियाई खेलों की चैंपियन सात्विक और चिराग की जोड़ी ने व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए काम के बोझ को कम करने के लिए टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया। भारतीय जोड़ी के हटने से टूर्नामेंट की चमक कुछ कम होगी, लेकिन दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी प्रणय अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखते हुए भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे। पुरुष एकल में 32 खिलाड़ियों में ड्रॉ में सातवीं वरीयता के साथ प्रणय एकमात्र वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी हैं।

दीपक, निशांत पेरिस ओलंपिक विश्व क्वालीफाई मुक्केबाजी टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम में

नई दिल्ली। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता दीपक भोरिया और निशांत देव को भारत की नौ सदस्यीय मुक्केबाजी टीम में जगह मिली है, जो 29 फरवरी से 12 मार्च तक इटली के बुस्तो अरसिजियो में होने वाले पहले क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट के साथ पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल करने की कोशिश करेंगे। छह बार के एशियाई चैंपियनशिप के पदक विजेता शिव थापा (63.5 किग्रा) और 2022 राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जैस्मिन लंबोरिया (60 किग्रा) को भी भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) द्वारा सोमवार को घोषित भारतीय टीम में जगह मिली है। दीपक (51 किग्रा) ने बीएफआई की मूल्यांकन प्रक्रिया के तहत 2019 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता अमित पंघाल को पछाड़कर टीम में जगह बनाई। दीपक और निशांत (71 किग्रा) के अलावा 2022 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किग्रा) की टीम में वापसी हुई है।

भारतीय डेविस कप टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले के लिए तैयारी शुरू की

नई दिल्ली। भारतीय डेविस कप टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ ग्रास कोर्ट पर खेले जाने वाले आगामी डेविस कप मुकाबले के लिए यहां कड़ाके की ठंड में आयोजित शिविर में तैयारी शुरू कर दी है। इस तैयारी शिविर में टीम का ध्यान अभ्यास के साथ दूसरे एकल मुकाबले को खेलने वाले खिलाड़ी को तय करने पर होगा। देश के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल (137वीं रैंकिंग) और शशिकुमार मुकुंद (463वीं रैंकिंग) ने इस्लामाबाद में तीन और चार फरवरी को होने वाले मुकाबले से अपना नाम वापस ले लिया है। उनकी अनुपस्थिति का मतलब है कि रामकुमार रामनाथन टीम में एकमात्र एकल विशेषज्ञ खिलाड़ी हैं। कप्तान रोहित राजपाल को दूसरा एकल खेलने के लिए युकी भांबरी और एन श्रीराम बालाजी में से किसी एक को चुनना होगा। एटीपी युगल रैंकिंग में 61 वें स्थान पर काबिज भांबरी टीम के सर्वोच्च रैंकिंग वाले खिलाड़ी हैं। उनका युगल मुकाबला खेलना लगभग निश्चित है।

रोहित अपने प्रदर्शन से उदाहरण पेश करने वाले कप्तान : जहीर

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत के बाएं हाथ के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने रोहित शर्मा को 'जिम्मेदारी लेने वाला कप्तान' बताते हुए शुक्रवार को कहा कि वह इंग्लैंड के खिलाफ आगामी पांच टेस्ट मैचों की शृंखला में एक कप्तान और बल्लेबाज दोनों के रूप में अच्छा योगदान देंगे। जहीर ने 'जियो सिनेमा' पर कहा कि हर कोई जानता है कि रोहित ने पूरी टीम पर कैसा प्रभाव डाला है। जहीर ने कहा कि रोहित की कप्तानी की पहचान उनकी अच्छी तरह से संवाद करने की क्षमता है।

इस पूर्व गेंदबाज ने कहा कि वह हर खिलाड़ी से संवाद करते है। वह प्रत्येक खिलाड़ी को जरूरी आत्मविश्वास देते हैं और उनसे सर्वश्रेष्ठ लेने की कोशिश करते है।

उन्होंने कहा कि वह जिम्मेदारी उठाकर कप्तानी करना पसंद करते है। यह उनकी कप्तानी की पहचान रही है और ऐसा विश्व कप में भी देखा गया है। वह खुद अच्छा प्रदर्शन कर दूसरों को प्रेरित करने की कोशिश करते है। जहीर ने कहा कि जब आपके पास ऐसा कप्तान हो जो खुद उदाहरण पेश करें तो इससे पूरे समूह का आत्मविश्वास बढ़ता है।

विराट कोहली निजी कारणों से इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती दो टेस्ट मैच से हटे

नई दिल्ली। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली निजी कारणों से इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती दो टेस्ट मैच से हट गए हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को यह जानकारी दी। बीसीसीआई ने साथ ही प्रशंसकों और मीडिया से अपील की कि वे इस स्टार क्रिकेटर के ब्रेक लेने के कारणों पर अटकलें लगाना बंद करें। पांच मैच की शृंखला हैदराबाद में 25 जनवरी से शुरू होगी।

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने बयान में कहा कि विराट कोहली ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से निजी कारणों से इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट शृंखला के शुरुआती दो टेस्ट से उन्हें हटाने का आग्रह किया है। बीसीसीआई ने साथ ही कहा कि कोहली ने हटने के अपने फैसले के बारे में कप्तान रोहित शर्मा और टीम प्रबंधन से भी बात की है। विज्ञप्ति के अनुसार कि विराट ने कप्तान रोहित शर्मा, टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं से बात की है और जोर देते हुए कहा कि देश का प्रतिनिधित्व करना हमेशा उनकी शीर्ष प्राथमिकता है, लेकिन कुछ निजी स्थितियों में उनकी मौजूदगी की जरूरत है। बीसीसीआई जल्द ही उनके विकल्प की घोषणा करेगा।

आईसीसी ने चुनी साल की सर्वश्रेष्ठ पुरुष टी-20 टीम

सूर्यकुमार को बनाया कप्तान

एजेंसी, दुबई

मध्यक्रम के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को आईसीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ पुरुष टी-20 अंतरराष्ट्रीय टीम का कप्तान चुना गया है, जिसमें सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल, स्पिनर रवि बिश्नोई और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के रूप में तीन और भारतीयों को जगह मिली है।

आईसीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ टीम में 11 बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को शामिल किया जाता है, जिन्होंने साल भर में अपने बल्ले, गेंद या ऑलराउंड प्रदर्शन से प्रभावित किया हो।

सूर्यकुमार को लगातार दूसरे साल टीम में जगह मिली है। वह आईसीसी के साल के सर्वश्रेष्ठ टी-20 अंतरराष्ट्रीय पुरुष खिलाड़ी के पुरस्कार की दौड़ में भी शामिल हैं। भारतीय चौकड़ी के अलावा 11 सदस्यीय टीम में इंग्लैंड के फिल सॉल्ट को जायसवाल के सलामी जोड़ीदार के रूप में चुना गया है। वेस्टइंडीज के निकोलस पूरण टीम के विकेटकीपर होंगे। न्यूजीलैंड के मार्क चैपमैन, जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा, युगांडा के अल्पेश रामजानी, आयरलैंड के मार्क एडेयर और जिम्बाब्वे के रिचर्ड नगारवा को भी टीम में जगह मिली है।

महिला टीम में दीप्ति शर्मा 11 सदस्यीय टीम में जगह बनाने वाली एकमात्र भारतीय

महिलाओं में ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा 11 सदस्यीय टीम में जगह बनाने वाली एकमात्र भारतीय हैं। टीम की अगुआई श्रीलंका की चामरी अटापट्टू करेंगी। टीम में बेथ मूनी (विकेटकीपर), एलिस पैरी, ऐश गार्डनर और मेगान शुट के रूप में ऑस्ट्रेलिया की चार, नैट स्विकर ब्रंट और सोफी एक्लेस्टोन के रूप में इंग्लैंड की दो खिलाड़ियों को जगह मिली है। दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोलवार्ट, वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज और न्यूजीलैंड की अमेलिया केर भी टीम का हिस्सा हैं।

केरल को शिकस्त देकर मुंबई ने लगातार तीसरी जीत दर्ज की

एजेंसी, थुम्बा (केरल)

शम्स मुलानी और तनुष कोटियान की शानदार फिरकी गेंदबाजी से केरल की दूसरी पारी को महज 94 रन पर समेट कर मुंबई ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप बी मैच में सोमवार को 232 रन की बड़ी जीत दर्ज की।

स्पिनरों की मददगार चौथे दिन की पिच पर मुलानी ने 16 ओवर में 44 रन देकर पांच विकेट झटके। कोटियान ने पांच ओवर में छह रन देकर दो विकेट लिए।

जीत के लिए 327 रन का पीछा करते हुए केरल की टीम ने दिन की शुरुआत बिना किसी नुकसान के 24 रन से की थी।

अनुभवी तेज गेंदबाज धवल कुलकर्णी (32 रन पर दो विकेट) ने जलज सक्सेना (16) को आउट कर दिन के पहले ओवर में केरल को बड़ा झटका दिया। उन्होंने फिर कृष्ण प्रसाद को चलता किया। इसके बाद स्पिनरों ने महज 27 ओवर में केरल की पारी को समेट दी। केरल के कप्तान संजू सैमसन 15 रन पर नाबाद रहे। जीत के बाद मुंबई 20 अंक के साथ शीर्ष पर है।

डिब्रूगढ़ में ग्रुप के अन्य मैच में आंध्र ने असम को 172 रन से हरा कर छह अंक हासिल किए। आंध्र के अब कुल नौ अंक हो गए है। जीत के लिए 363 रन का पीछा करते हुए असम की टीम 48.2 ओवर में 190 रन पर आउट हो गई। असम के लिए कप्तान रियान पराग (75) और विकेटकीपर बल्लेबाज सुमित घाडीगांवकर (62) ही दूसरी पारी में बल्ले से योगदान दे सके। आंध्र के लिए ललित मोहन ने चार, जबकि गिरिनाथ रेड्डी और मनीष गोलामारू ने तीन-तीन विकेट लिए। आशुतोष सिंह (240 गेंद में 88 रन) की धैर्यपूर्ण पारी से छत्तीसगढ़ ने बंगाल को तीन अंक लेने से रोक दिया।

बंगाल के आठ विकेट पर 381 रन के जवाब में छत्तीसगढ़ ने अपनी पहली पारी में छह विकेट पर 214 रन बनाए। पहली पारी खत्म नहीं होने के कारण दोनों टीमों को एक-एक अंक से संतोष करना पड़ा। इस मैच के तीसरे दिन रविवार को केवल नौ ओवर का खेल संभव हुआ था।

बिहार और उत्तर प्रदेश के बीच मेरठ में खेले गए मैच का भी ऐसा ही हश्र हुआ। बिहार के 260 रन के जवाब में उत्तर प्रदेश ने तीन विकेट पर 45 रन बनाए। दोनों टीमों को 1-1 अंक मिला।

गिल को साल के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर का अवॉर्ड

पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री को किया जाएगा लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित

एजेंसी, हैदराबाद

पूर्व भारतीय ऑलराउंडर और मुख्य कोच रवि शास्त्री को मंगलवार को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के 'लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार' से सम्मानित किया जाएगा।

सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल को 12 महीने में शानदार प्रदर्शन करने के लिए साल के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर का पुरस्कार दिया जाएगा। इन 12 महीनों के दौरान वह एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेज दो हजार रन बनाने वाले खिलाड़ी बने और इस प्रारूप में पांच शतक लगाए। बीसीसीआई अधिकारी ने कहा कि उसे (शास्त्री) सम्मान (लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार) के लिए चुना गया, जबकि गिल को साल के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर का पुरस्कार दिया जाएगा। बीसीसीआई पुरस्कार 2019 के बाद पहली बार दिए जा रहे हैं और वीरवार से शुरू हो रहे पहले टेस्ट से पूर्व भारत और इंग्लैंड दोनों टीमों के खिलाड़ियों के समारोह में मौजूद रहने की उम्मीद है। इकसठ साल के शास्त्री ने 80 टेस्ट और 150 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में भारत का प्रतिनिधित्व किया। संन्यास लेने के बाद उन्होंने कमेंटेटर के रूप में पहचान बनाई। शास्त्री दो बार राष्ट्रीय टीम के कोच रहे। वह 2014 से 2016 तक टीम निदेशक के रूप में राष्ट्रीय टीम से जुड़े और फिर विराट कोहली की कप्तानी में 2017 से 2021 में टी-20 विश्व कप तक मुख्य कोच की भूमिका निभाई। उनके मार्गदर्शन में भारत ने ऑस्ट्रेलिया में लगातार दो टेस्ट शृंखला जीती। शास्त्री के मार्गदर्शन में भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचा, लेकिन न्यूजीलैंड से हार गया। भारत 2019 में एकदिवसीय विश्व कप के सेमीफाइनल में भी पहुंचा था।

सुपर कप में इंटर काशी और बेंगलुरु एफसी ने ड्रॉ खेला

भुवनेश्वर। बेंगलुरू एफसी और इंटर काशी ने सोमवार को यहां सुपर कप फुटबाल टूर्नामेंट के ग्रुप डी के महज औपचारिकता के मैच में एक-एक से ड्रॉ खेला।

दोनों टीम पहले ही प्रतियोगिता से बाहर हो चुकी हैं और इस ड्रॉ के साथ टूर्नामेंट में अपना पहला अंक जुटाने में सफल रहीं।

इंटर काशी की ओर से 15वें मिनट में एडमंड लालरिंदिका ने गोल दागा जबकि बेंगलुरू एफसी की ओर से 58वें मिनट में जावी हर्नांडिज ने पेनल्टी पर गोल दागा।

अब्दुल समद ने जम्मू-कश्मीर को दिलाई पहली जीत

कटक। अब्दुल समद के नाबाद 66 रन की मदद से जम्मू-कश्मीर ने सोमवार को ओडिशा को दो विकेट से हराकर रणजी ट्रॉफी सत्र की पहली जीत दर्ज की। जम्मू-कश्मीर ने इससे पहले ग्रुप डी के अपने शुरुआती दो मैच दिल्ली और हिमाचल के खिलाफ ड्रॉ खेले थे। जम्मू-कश्मीर ने दिन की शुरुआत चार विकेट पर 72 रन से की। टीम को इस समय जीत के लिए 77 रन की दरकार थी और समद की पारी से टीम लक्ष्य हासिल करने में सफल रही। आईपीएल में नियमित तौर पर खेलने वाले समद ने एक छोर संभाले रखा, जबकि दूसरे छोर पर विकेट गिरते रहे। उन्होंने अपनी पारी में सात चौके और दो छक्के मारे। ओडिशा के पहली पारी के 130 रन के जवाब में जम्मू-कश्मीर ने 180 रन बनाकर 50 रन की बढ़त हासिल की थी। ओडिशा ने दूसरी पारी में 198 रन बनाकर जम्मू-कश्मीर को 149 रन का लक्ष्य दिया था।

रणजी ट्रॉफी

झारखंड के खिलाफ रणजी मैच से सेना को तीन अंक

नई दिल्ली। सेना ने झारखंड के खिलाफ सोमवार को ड्रॉ समाप्त हुए रणजी ट्रॉफी ग्रुप ए मैच में पहली पारी की बढ़त के आधार पर तीन अंक हासिल किए। झारखंड के पहली पारी के 316 रन के जवाब में सेना ने चौथे और अंतिम दिन तीन विकेट पर 315 रन से आगे खेलते हुए आठ विकेट पर 473 रन बनाकर पहली पारी के आधार पर बड़ी बढ़त हासिल की। यहां पालम के वायुसेना परिसर मैदान में रवि चौहान और रजत पालीवाल ने लगातार दूसरे शतक जड़े। चौहान ने 305 गेंद में 15 चौकों की मदद से 158 रन की पारी खेली, जबकि कप्तान पालीवाल ने 193 गेंद में 14 चौकों की मदद से 111 रन बनाए। विनीत धनखड़ ने 37, जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज लवकेश बंसल ने 50 रन का योगदान दिया। झारखंड के लिए बाएं हाथ के स्पिनर शाहबाज नदीम ने 112 रन देकर तीन, जबकि अनुकूल रॉय ने 90 रन देकर तीन विकेट चटकाए। सुशांत मिश्रा ने दो विकेट हासिल किए।

प्रभुदेसाई की नाबाद 143 रन की पारी से गोवा ने कर्नाटक के खिलाफ ड्रॉ खेला

एजेंसी, मैसुरु

सलामी बल्लेबाज सुयश प्रभुदेसाई की नाबाद 143 रन की पारी से गोवा ने रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी मैच में सोमवार को यहां कर्नाटक को ड्रॉ पर रोक दिया। पहली पारी में बढ़त के आधार पर कर्नाटक ने हालांकि इस मैच से तीन अंक हासिल किए, जबकि गोवा को एक अंक से संतुष्ट होना पड़ा।

गोवा ने मैच के चौथे दिन 93 रन पर एक विकेट से आगे खेलना शुरू किया। टीम ने 123 रन के स्कोर पर कृष्णमूर्ति सिद्धार्थ (57) का विकेट गंवा दिया। प्रभुदेसाई को इसके बाद दीपराज गांवकर (36) का अच्छा साथ मिला और दोनों ने चौथे विकेट के लिए 99 रन की अहम साझेदारी की। गांवकर के आउट होने के बाद भी प्रभुदेसाई ने एक छोर से सतर्कता से बल्लेबाजी जारी रख प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपना चौथा शतक लगाया। गोवा ने मैच ड्रॉ खत्म होने से पहले छह विकेट पर 282 रन बनाए। इससे पहले गोवा की पहली पारी में 321 रन के जवाब में कर्नाटक ने नौ विकेट पर 498 रन बनाकर पारी घोषित की थी।

मोहाली में पंजाब और त्रिपुरा के बीच खेला गया मैच ड्रॉ पर छूटा। खराब रोशनी के कारण मैच के पहले और तीसरे दिन का खेल प्रभावित हुआ।

मैच के आखिरी दिन पंजाब ने पहली पारी में सात विकेट पर 78 रन से आगे खेलना शुरू किया और पूरी टीम 109 रन पर आउट हो गयी। त्रिपुरा के लिए मणिशंकर मुरासिंह और राणा दत्त ने तीन-तीन विकेट लिए। खेल खत्म होने तक त्रिपुरा ने पहली पारी में दो विकेट पर 51 रन बना लिए थे।

चंडीगढ़ और गुजरात के बीच मैच का आखिरी दिन खराब रोशनी की भेंट चढ़ गया। इस ड्रॉ मुकाबले में गुजरात ने अपनी पहली पारी में दो विकेट पर 86 रन बनाए थे।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में अल्कारेज व ज्वेरेव में टक्कर

एजेंसी, मेलबर्न (ऑस्ट्रेलिया)

दूसरे वरीय कार्लोस अल्कारेज ने सीधे सेट में जीत के साथ सोमवार को ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जहां उनकी भिड़ंत ओलंपिक चैंपियन एलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगी।

बीस साल के विंबलडन चैंपियन अल्कारेज 2023 में चोट के कारण सत्र के इस पहले ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में नहीं खेल पाए थे। दूसरे वरीय अल्कारेज ने प्री क्वार्टर फाइनल में मियोमिर केसमानोविच को दो घंटे से भी कम समय में 6-4, 6-4, 6-0 से हराया। ज्वेरेव ने एक अन्य प्री क्वार्टर फाइनल में 19वें नंबर के खिलाड़ी कैमरन नूरी को चार घंटे तक चले कड़े मुकाबले में 7-5, 3-6, 6-3, 4-6, 7-6 से हराया।

एशियाई कप में भारत के सामने सीरिया को हराने की चुनौती

एजेंसी, अल खोर (कतर)

भारतीय टीम एएफसी एशियाई कप फुटबाल के ग्रुप चरण में शुरुआती दो मैचों में हार का सामना करने के बाद मंगलवार को जब यहां सीरिया के खिलाफ मैदान में उतरेगी तो टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में जगह बनाने की अपनी धुंधली उम्मीदों को कायम रखने के लिए उसे इस मैच को जीतना होगा।

ऑस्ट्रेलिया और उज्बेकिस्तान से क्रमश: 0-2 और 0-3 की हार का सामना करने वाली भारतीय टीम महाद्वीप की शीर्ष टीमों को टक्कर देने में नाकाम रही है। सीरिया के खिलाफ जीत सुनील छेत्री की अगुआई वाली टीम को कुछ प्रतिष्ठा दिला सकती है।

सीरिया वर्तमान में फीफा रैंकिंग में भारत (102वें पायदान) से 11 स्थान ऊपर 91वें स्थान पर है। कोच इगोर स्टिमक की टीम के लिए हालांकि जीत असंभव नहीं है, क्योंकि उन्होंने अतीत में (2007, 2009 और 2012 के नेहरू कप टूर्नामेंट में) सीरिया पर जीत हासिल की है। दोनों टीमों ने पिछली बार 2019 में इंटरकांटिनेंटल कप में एक-दूसरे का सामना किया था। उस समय भी स्टिमक टीम के मुख्य कोच थे। अहमदाबाद में खेला गया यह मुकाबला 1-1 की बराबरी पर छूटा था।

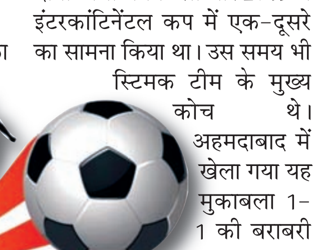

ऑस्ट्रेलियाई ओपन

पुरुष एकल मुकाबले में दानिल ने नुनो बोर्गेस को दी शिकस्त, चैंपियन विक्टोरिया अजारेंका सीधे सेटों में हारी

मेदवेदेव, नोसकोवा और यास्त्रेमस्का क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी, मेलबर्न

दानिल मेदवेदेव ने सोमवार को ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जबकि डायना यास्त्रेमस्का और लिंडा नोसकोवा भी पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के महिला एकल के अंतिम आठ में पहुंचने में सफल रहे।

मेदवेदेव ने सोमवार को नुनो बोर्गेस को 6-3, 7-6, 5-7, 6-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अंतिम आठ के मुकाबले में उनकी भिड़ंत नौवें नंबर के ह्युबर्ट हुरकाज और फ्रांस के वाइल्ड कार्ड धारक आर्थर केजो के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगी।

यास्त्रेमस्का ने महिला एकल में दो बार की चैंपियन विक्टोरिया अजारेंका को सीधे सेट में 7-6, 6-4 से हराया, जबकि 18वें नंबर की एलिना स्वितोलिना जब नोसकोवा से 0-3 से पीछे चल रहीं थी, तो उन्होंने पीठ की चोट के कारण मुकाबले से हटने का फैसला किया।

अजारेंका को पहले सेट में दो बार अपनी सर्विस पर सेट जीतने का मौका मिला और 6-5 के स्कोर पर उनके पास दो सेट प्वाइंट थे, लेकिन वह इनका फायदा नहीं उठा सकीं। यूक्रेन की यास्त्रेमस्का ने इसके बाद 74 मिनट में पहला सेट जीता। दूसरे सेट में भी बेलारूस की अजारेंका 3-0 ने आगे थी, लेकिन यास्त्रेमस्का ने अगले सात में से छह गेम जीतकर मैच अपने नाम किया। यूक्रेन और रूस तथा बेलारूस के खिलाड़ियों के बीच परिपाटी को आगे बढ़ाते हुए अजारेंका और यास्त्रेमस्का ने हाथ नहीं मिलाए। नोसकोवा-स्वितोलिना के बीच हुए मुकाबले का पहला गेम 11 मिनट चला। नोसकोवा ने स्वितोलिना की सर्विस तोड़ी और फिर अपनी सर्विस बचाकर स्कोर 2-0 किया। स्वितोलिना ने टाइम आउट लेकर कमर का उपचार कराया। मैच शुरू होने पर यूक्रेन की स्वितोलिना की सर्विस की गति काफी कम थी और उन्हें मूवमेंट में भी परेशानी हो रही थी। नोसकोवा ने इसका फायदा उठाकर फिर सर्विस तोड़ी और स्वितोलिना ने मुकाबले से हटने का फैसला किया।

बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी ऑस्ट्रेलियाई ओपन क्वार्टर फाइनल में पहुंची

मेलबर्न। भारत के रोहन बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के उनके जोड़ीदार मैथ्यू एब्डेन ने सोमवार को नीदरलैंड के वेस्ली कूलहोफ और क्रोएशिया के निकोला मेकटिक की जोड़ी को सीधे सेटों में हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। भारत और ऑस्ट्रेलिया की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने कूलहोफ और मेकटिक के खिलाफ 7-6, 7-6 से जीत दर्ज की। बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी ने दोनों सेट में शुरुआत में ही सर्विस गंवाई, लेकिन 14वीं वरीय जोड़ी के खिलाफ वापसी करते हुए जीत दर्ज की। बोपन्ना और एब्डेन क्वार्टर फाइनल में मैक्सिमो गोंजालेज और आंद्रेस मोलटेनी की अर्जेन्टीना की छठी वरीय जोड़ी से भिड़ेंगे।

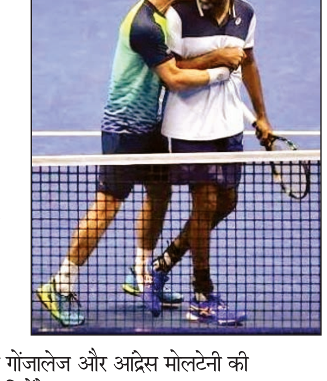

दुनिया के लिए अद्भुत और स्वर्णिम क्षण रही रामलला की प्राण प्रतिष्ठा

माथे पर तिलक और मधुर मुस्कान आभामंडल ऐसा, निहारते रहे इंसान

एजेंसी, अयोध्या

हो गई प्राण प्रतिष्ठा, आ गए प्रभु श्रीराम... 22 जनवरी 2024 का अभिजीत मुहूर्त न केवल श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए बल्कि देश-दुनिया के लिए भी अद्भुत व स्वर्णिम क्षण रहा।

श्रीराम के माथे पर तिलक और मधुर मुस्कान को हर इंसान निहारता रहा। संपूर्ण सनातन व संपूर्ण मानव समाज श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा का साक्षी बना। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के वक्त बच्चे हों या बुजुर्ग अथवा महिला सभी सनातनियों की निगाह टीवी पर रही। एक ओर भजन-कीर्तन, अखंड पाठ गूंजे तो दूसरी ओर रामधुन में मग्न युवाओं ने रामलला के अयोध्या विराजने पर पटाखे छोड़ खुशियां मनाई। सनातन काल में 14 वर्ष वनवास के बाद जब प्रभु श्रीराम वापस अयोध्या लौटे तो उस समय हर कोई चाहता था कि भगवान श्रीराम से सबसे पहले मैं मिलूं, लेकिन राम तो एक थे और भक्त अनेक। उस समय भगवान श्रीराम की ऐसी महती कृपा हुई कि एक क्षण में भगवान श्रीराम सबको मिल गए। इस चमत्कार का जिक्र रामचरित मानस में है, जिसमें लिखा है- छन महिं सबहि मिले भगवाना। उमा मरम यह काहुं न जाना।

रामचरित मानस में यह भी लिखा है कि सकल राममय जानि। प्रत्येक व्यक्ति राम है, प्रत्येक व्यक्ति के अंदर विराजमान जीव आत्मा उस ब्रह्म का ही अंश है, इसलिए सभी ने एक-दूसरे को राम समझकर आपस में गले मिल लिया। ठीक वही क्षण 22 जनवरी 2024 को दिखा। पूरा विश्व रामनगरी अयोध्या में मंत्रोच्चारण के बीच सविधि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का साक्षी बना। स्वर्ण व फूलों से सुशोभित रामलला का दर्शन कर रामभक्त धन्य हो गए।

अरुण योगीराज ने गढ़ा है रामलला का बाल स्वरूप

रामलला की यह मूर्ति कर्नाटक के मूर्तिकार अरुण योगीराज ने बनाई है। इसकी खास बात यह है कि इसे एक ही पत्थर से बनाया गया है, यानी कि पत्थर में कोई भी दूसरा पत्थर नहीं जोड़ा गया है। इस मूर्ति का वजन करीब 200 किलोग्राम है। मूर्ति की ऊंचाई 4.24 फुट और चौड़ाई तीन फुट है। इस मूर्ति में भगवान श्रीराम को पांच साल के बाल स्वरूप को दर्शाया गया है।

पटाखे छोड़ खुशियां मना रहे रामधुन में मगन युवा, अखंड पाठ की गूंज

देशभर से श्रीराम मंदिर निर्माण में मिला है योगदान : चंपत राय

श्रीरामजन्म तीर्थ भूमि ट्रस्ट के महासचिव एवं विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष चंपत राय ने मंच का संचालन करते हुए अयोध्या में श्रीराम भव्य-नव्य मंदिर निर्माण में मिले देशभर से योगदान की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किस तरह से अयोध्या में युगों-युगों तक श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि देशभर से स्वर्ण, चांदी समेत बहुत कुछ मिला है। उन्होंने बताया कि एटा के जलेसर से 24 कुंतल का विशाल घंटा स्वेच्छा से भेजा है। गुजरात के दमगर समाज ने विशाल नगाड़ा भेंट किया है। जनकपुर यानी मिथिला सीतामणी बक्सर और रामजी के ननिहाल छत्तीसगढ़ से बड़े थाल 'भार' आए हैं। भार का अर्थ संत आदि समझते हैं। भार में अनाज, चौवड़ा, सोना-चांदी, फल, मेवा, वस्त्र हैं। जोधपुर के एक महंत ने छह कुंतल घी बैलगाड़ियों से लाया गया है।

सात समंदर पार भी भारतीय संस्कृति की दिखी झलक

अयोध्या। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रामलला की प्राण प्रतिष्ठा देखकर सभी देशवासी एवं अप्रवासी भारतीयों में नवचैतन्य का संचार हुआ और सभी का रोम-रोम हर्षित हो उठा। लोग अपनी भावनाओं को शब्दों में बखान नहीं कर पा रहे थे।

इस कार्यक्रम का सभी न्यूज चैनलों पर सजीव प्रसारण किया जा रहा था। पूरा देश कुछ समय के लिए थम सा गया था। सभी लोग अपने-अपने घरों में परिवारजनों के साथ सजीव प्रसारण देख रहे थे। चारों ओर से केवल टीवी पर वेदमंत्रों की पवित्र ध्वनि कानों को सुनाई दे रही थी। घर बैठे ही ऐसा लग रहा था मानो लोग तन से न सही, लेकिन मन से अयोध्या पहुंच गए हैं और प्रत्यक्ष रूप से कार्यक्रम स्थल पर बैठकर इस अद्भुत दृश्य को अपनी आंखों से देख रहे हैं। भारत सहित पूरे विश्व भर में फैले करोड़ों-करोड़ों लोग एकसाथ इस ऐतिहासिक गौरवमयी स्वर्णिम दिन के साक्षी बने।

राष्ट्रधर्म के लिए समर्पित प्रधानमंत्री मोदी ने जब रामलला के समक्ष साष्टांग दंडवत प्रणाम किया तब पूरा देश प्रफुल्लित होकर नतमस्तक हो गया और भाव-विभोर होकर भक्ति के महासागर में डुबकी लगाने लगा। सभी का हृदय गदगद हो गया।

संत, बिजनेसमैन, सेलिब्रिटी सभी शामिल हुए

अयोध्या । राम मंदिर में सोमवार 22 जनवरी को तय मुहूर्त पर रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हो गई। इसमें दिग्गज बिजनेसमैन, बॉलीवुड और साउथ के कई सेलिब्रिटीज और संत पहुंचे। कार्यक्रम में अमिताभ बच्चन, अभिषेक बच्चन, मुकेश अंबानी और पत्नी नीता, अनिल अंबानी और साउथ के स्टार चिरंजीवी-रामचरण शामिल हुए। बाबा रामदेव बागेश्वर धाम के कथावाचक पं. धीरेंद्र शास्त्री के साथ दिखे। वहीं, कटरीना कैफ और पति विक्की कौशल, आलिया भट्ट-रणबीर कपूर, माधुरी दीक्षित और उनके पति डॉ. श्रीराम नेने भी प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल हुए। गर्भगृह में स्थापित रामलला की प्रतिमा बनाने वाले मूर्तिकार अरुण योगीराज भी समारोह में पहुंचे। उन्होंने कहा मैं दुनिया का सबसे भाग्यशाली व्यक्ति हूं।

कार्यक्रम में शामिल होने से पहले अनुपम खेर ने हनुमानगढ़ी में दर्शन किए। कहा, प्रभु राम के पास जाने से पहले हनुमान जी के दर्शन करना बहुत जरूरी है। हिंदू धर्म में ऐसा माहौल पहले कभी नहीं देखा। ये ऐतिहासिक है।

अनिल कुंबले, रणदीप हुड्डा भी अयोध्या पहुंचे

प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने के लिए रविवार से ही सेलिब्रिटी का पहुंचना शुरू हो गया था। सुपरस्टार रजनीकांत, गुरिंदर सिंह ढिल्लो बाबा जी, एक्टर पवन कल्याण, भारत फोर्ज ग्रुप के चेयरमैन बाबा कल्याणी, बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल रविवार को पहले चार्टर प्लेन से लखनऊ आए। फिर यहां से सड़क के रास्ते अयोध्या पहुंचे। इनके अलावा, एक्टर विवेक ओबरॉय, सिंगर अनु मलिक, शंकर महादेवन, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, स्वामी अवधेशानंद, अनिल कुंबले, गजेंद्र चौहान शाम, एक्टर रणदीप हुड्डा, सेफ संजीव कपूर और अभिनेता गजेंद्र चौहान भी रविवार को लखनऊ आ गए थे।

अयोध्या में रजनीकांत बोले- जय श्री राम

अयोध्या पहुंचने के बाद सुपर स्टार रजनीकांत अभिनेता अनुपम खेर से गले मिले। इस दौरान दोनों अभिनेताओं ने कहा-जय श्रीराम। इनकी फोटो सोशल मीडिया पर भी शेयर की गई है।

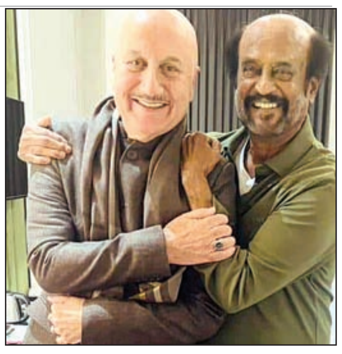

अनंत ज्ञान

आज का राशिफल

बॉबी गोस्वामी, पुजारी,श्री चामुंडा नंदीकेश्वर धाम

आज का पंचांग

(23 जनवरी, 2024)

विक्रमी संवत : 2080, **शक संवत :**1945 (शोभकृत), **मास :** पौष, **तिथि :** त्रयोदशी 08:41 रात्रि तक, **नक्षत्र :** आर्द्रा (06:27 सुबह तक) , **पक्ष :** शुक्ल, **शुभ मुहूर्त :** अभीजित (12:11-12:54 रात्रि तक) **राहुकाल :** 03:12-04:32 दोपहर तक।

विशेष दिन

23 जनवरी 2024 : भौम प्रदोष आज।

23 जनवरी 2024 : नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयंती आज।

मेष : दूसरों के कार्य में दखल न दें। योजना फलीभूत होगी। कार्यकुशलता में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। यात्रा की योजना बनेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

वृषभ : तीर्थाटन तथा संत दर्शन का लाभ मिल सकता है। अध्यात्म में रुचि रहेगी। कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। वरिष्ठ जन का मार्गदर्शन तथा सहयोग प्राप्त होगा।

मिथुन : वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में लापरवाही न करें। पुरानी व्याधि बाधा का कारण बन सकती है। कार्य में अवरोध उत्पन्न हो सकता है। धनहानि के योग हैं।

कर्क : आर्थिक उन्नति के लिए बनाई गई योजना फलीभूत होगी। मान-सम्मान मिलेगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। कार्यस्थल पर मनोनुकूल परिवर्तन संभव है। आय बनी रहेगी।

सिंह: सत्संग का लाभ मिलेगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थाटन का मन बनेगा। राजकीय बाधा दूर होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। सौभाग्य वृद्धि होगी। यात्रा में सावधानी आवश्यक है।

कन्या : स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। अकारण क्रोध रहेगा। जोखिम व जमानत के का कार्य टालें।

तुला : राजभय रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। यात्रा लाभदायक रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यस्तता रहेगी। संपत्ति के बड़े सौदे हो सकते हैं।

वृश्चिक: पार्टी व पिकनिक की योजना बनेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। थकान महसूस होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

धनु: बुरी सूचना प्राप्त हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। किसी अपने का व्यवहार दिल को ठेस पहुंचा सकता है। नकारात्मकता रहेगी। विरोध होगा।

मकर : थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। उत्साह में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुंभ : घर में अतिथियों का आगमन होगा। उन पर व्यय होगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। कार्य में निरंतरता बनी रहेगी। परिवार में प्रसन्नता रहेगी। किसी प्रसिद्ध व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है।

मीन : कार्य की बेहतरी रहेगी। कोई बड़ा कार्य मनोनुकूल बनेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति के योग हैं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

विदेश भी राममयी

विदेशी मीडिया में भी राम मंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह की खूब चर्चा

अमेरिका, ब्रिटेन, यूएई समेत वर्ल्ड मीडिया ने की प्रशंसा

एजेंसी, नई दिल्ली

अयोध्या में बने विशाल राम मंदिर में सोमवार को रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रामलला के प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान को पूरा किया जिसे लेकर देशभर में उत्सव का माहौल है।

भारत के लोग ही नहीं बल्कि विदेशों में रह रहे भारतीयों के बीच दिवाली जैसा जश्न देखने को मिल रहा है। विदेशी मीडिया में भी राम मंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह की खूब चर्चा है।

अमेरिका की मीडिया क्या ने कहा

अमेरिका के ब्रॉडकास्टर एनबीसी न्यूज ने लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को हिंदू मंदिर का उद्घाटन किया जो दुनिया के सब बड़े लोकतंत्र में 'धार्मिक तनाव' का प्रतीक बन गया है। अयोध्या में बन रहा मंदिर राम मंदिर है जो प्रमुख हिंदू देवता है। यह मंदिर 30 लाख आबादी वाले शहर अयोध्या की कायापलट कर उसे एक पर्यटक स्थल बनाने में अहम भूमिका बनाएगा।

संयुक्त अरब अमीरात ने क्या कहा

यूएई के अखबार गल्फ न्यूज ने अपनी एक रिपोर्ट को शीर्षक दिया है- नरेंद्र मोदी का अयोध्या के हिंदू मंदिर का उद्घाटन करना भारत के लिए मील का पत्थर साबित होगा। अखबार ने एजेंसियों के हवाले से लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी पार्टी के दशकों पुराने वादे को निभाने के लिए तैयार है

ब्रिटेन की मीडिया ने ये कहा

ब्रिटेन के ब्रॉडकास्टर बीबीसी वर्ल्ड ने लिखा है कि राम मंदिर 16वीं शताब्दी में बनी एक मस्जिद की जगह लेगा जिसे हिंदुओं की एक भीड़ ने साल 1992 में तोड़ दिया था। मस्जिद के विध्वंश के बाद देशभर में दंगे भड़क गए थे जिसमे करीब 2,000 लोग मारे गए थे। मंदिर के उद्घाटन में भारत के टॉप फिल्म स्टार्स, उद्योगपति, क्रिकेटर हिस्सा ले रहे हैं लेकिन अधिकतर विपक्षी पार्टियों ने इससे दूरी बनाई है।

रूस की सरकारी मीडिया का कहना

रूस के अखबार रशिया टुडे ने अपनी एक रिपोर्ट में लिखा है कि अयोध्या में राम मंदिर के बनने से शहर की कायापलट हो गई है। अयोध्या, जिसे हिंदू भगवान का जन्मस्थान माना जाता है, यहां अब बड़े पैमाने पर इंफ्रास्ट्रक्चर का काम आगे बढ़ रहा है और जमीन की कीमतें आसमान छू रही हैं।